

दो दिन से रेलमपेल, भोपाल मंडल के स्टेशनों पर यात्रियों का भारी दबाव

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

रक्षाबंधन का त्यौहार 28 अगस्त को है और बहनों और भाइयों ने अपने अपने गंतव्य को रवाना होना शुरू कर दिया है। इससे त्यौहार के चलते ट्रेनों में रेलमपेल देखने को मिल रही है। पिछले दो दिनों से भोपाल स्टेशन सहित मंडल के अन्य स्टेशनों में भीड़ देखने को मिल रही है। तत्काल टिकट पर भी मारामारी चल रही है। घर जाने वाले दिनभर ही यात्रियों की औसतन संख्या देखने को मिली। रक्षाबंधन के एक दिन पहले यानी गुरुवार को भोपाल स्टेशन पर पैर रखने तक के लिए जगह नहीं दिखाई दे रही थी। रीवांचल सहित रीवा के लिए स्पेशल गाड़ी भी कम पड़ गई है।

रक्षाबंधन पर घर जाने की होड़, भोपाल स्टेशन पर पैर रखने तक को जगह नहीं - तत्काल टिकट के लिए भी मारामारी, सभी ट्रेनों चलीं फुल

रीवा रूट की स्पेशल गाड़ियां भी कम पड़ीं, यात्रियों को करना पड़ा इंतजार



रक्षाबंधन पर शुक्रवार को रेलवे स्टेशन पर कुछ इस तरह नहर आई यात्रियों की भीड़।

ट्रेन के टॉयलेट में बैठे नगर आए यात्री...

राजधानी एक्सप्रेस शाम के समय जैसे ही प्लेटफार्म पर लगी, ट्रेन में सवार होने को लेकर लोगों की आपा-धापी मच गई। कई लोग पटरी के पास खड़े होकर दूसरी साइट से बैठने की कोशिश करते नजर आए। इसके चलते भोपाल सहित कई स्टेशनों से जाने वाली ट्रेनें यात्रियों से फुल देखने को मिली। लोग ट्रेन के टॉयलेट में बैठकर सफर करते नजर आए।

बसों में भी यात्रियों की उमड़ी जबरदस्त भीड़

वहीं, दूसरी ओर राजधानी के नांदरा बस स्टैंड, पुतलीघर, आईएसबीटी और हलालपुर बस स्टैंड पर भी त्यौहार मनाने के लिए अपने घर जाने वालों की भी खासी भीड़ नजर आई। इन बस स्टैंड से इंदौर, विदिशा, सिरोंहा, सागर, इटारसी, बैतूल और नागपुर तक के लिए बसें मिलती हैं।



नांदरा बस स्टैंड का दृश्य।

राजधानी के निचले इलाके ज्यादा प्रभावित, पानी जमा होने से ट्रैफिक प्रभावित, लग रहा जाम

चार दिन की बारिश से फिर भरा जगह-जगह पानी, सड़कों के गड्ढों ने बढ़ाई परेशानी

चार दिन की बारिश से डांसिंग स्पाट में तबदील हुई राजधानी कई सड़कें



पिपलानी सड़क पर कुछ इस तरह सड़क पर हो गए हैं गड्ढे।

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

राजधानी में लगातार चार दिन से हो रही बारिश ने शहर की व्यवस्थाओं की एक बार फिर पोल खोल दी है। पुराने जलभराव वाले इलाकों में बारिश का पानी जमा होने से लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। मुख्य सड़कों, निचले इलाकों और खराब ड्रेनेज वाले क्षेत्रों में पानी निकासी की व्यवस्था कमजोर नजर आई। सड़क किनारे जमा पानी और जगह-जगह बने गड्ढों के कारण वाहन चालकों को भी परेशानी उठानी पड़ी।

राजधानी के सड़कों में हुए गड्ढों में भरा पानी बना मुसीबत, वाहन चालकों को झेलनी पड़ी परेशानी



ज्योति टॉकीज रोड एमपी नगर के गड्ढे।

कई इलाकों में सड़क पर जमा रहा पानी

गुरुवार को रिमडिम से तेज बारिश के बीच पिपलानी, सुभाष नगर, करोड़, अर्जुन नगर, ज्योति टॉकीज और हाउसिंग बोर्ड रोड समेत कई इलाकों में पानी जमा रहा। कुछ जगहों पर सड़क के किनारे पानी अधिक होने से वाहनों को निकलने में परेशानी हुई। बारिश के दौरान ट्रैफिक की रफ्तार भी प्रभावित रही।

गड्ढों में भरा पानी, हादसे का खतरा

बारिश के कारण पहले से खराब सड़कों के गड्ढों में पानी भर गया। इससे वाहन चालकों को सड़क की गहराई का अंदाजा नहीं लग पा रहा है। दोपहिया वाहन चालक सबसे ज्यादा परेशान नजर आए। कई स्थानों पर लोग पानी से बचकर और धीमी गति से वाहन निकालते दिखाई दिए। गड्ढों में अचानक पहिया जाने से हादसे का खतरा भी बना हुआ है।

ड्रेनेज व्यवस्था पर फिर उठे सवाल

शहर के जिन इलाकों में पहले भी जलभराव की समस्या सामने आती रही है, वहां लगातार बारिश के बाद फिर वही स्थिति दिखाई दे रही है। बारिश का पानी जल्द नहीं निकलने से सड़कें और किनारे पानी से भर रहे हैं। इससे स्थानीय लोगों को जल्दो काम के लिए भी परेशानी उठानी पड़ रही है। चार दिन की बारिश में जलभराव और खराब सड़कों की समस्या ने साफ कर दिया है कि पुराने प्रभावित इलाकों में स्थायी जल निकासी और सड़क सुधार की जरूरत अभी भी बनी हुई है।



करोड़ हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में कई जगह गड्ढे हो गए हैं।

पानी और सड़कों की हालत देखने सड़कों पर नहीं उतरा महापौर

राजधानी में हो रही लगातार बारिश के बाद शहर की मुख्य और कॉलोनीयों की सड़कों पर गड्ढे ही गड्ढे हो गए हैं, जिसकी वजह से वाहन चालकों को दिक्कत हो रही है। हालात यह हैं कि वो पहिया वाहन चालक इन गड्ढों में भरे पानी की वजह से सड़कों पर वाहन समेत फिसल रहे हैं। इधर नगर निगम ने अब तक शहर में सड़कों की मरम्मत के लिए कोई उपाय नहीं किए हैं।

रहवासी और दुकानदारों की परेशानी

लगातार बारिश के कारण शहर के बाजारों में भी लोगों की आवाजाही कम हो गई है।

अरेरा हिल्स निवासी रेना ने बताया कि बारिश के चलते बाजार जाना मुश्किल हो रहा है। सब्जियों के लिए प्रेस मार्केट पर निर्भर रहना पड़ता है, लेकिन ऑफिस बंद होने के बाद यहाँ बाजार नहीं लगता।

बाजार में निकलना यानि परेशानी

सड़कों पर जगह-जगह गड्ढे हैं। बाजार की सड़क पर निकलना भी परेशानी भरा हो गया है।



निशा त्यागी, निवासी, करोड़ उत्तर विधानसभा क्षेत्र

बारिश की वजह से कम आ रहे गाहक...



निकलना मुश्किल हो गया है। गड्ढों से बहुत परेशानी है। जब भी निकलता हूँ कपड़े खराब हो ही जाते हैं।

सलीम, सब्जी विक्रेता, प्रेस कॉम्पलेक्स

घर से बाहर निकलना

लगातार बारिश से घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। गड्ढों से बहुत परेशानी है। जब भी निकलता हूँ कपड़े खराब हो ही जाते हैं।

सूरज वर्मा, निवासी, अर्जुन नगर

चिन्हित गड्ढों का भराव किया जा रहा है...

बारिश में निगम के सड़कों के गड्ढों चिन्हित कर भराव का काम किया जा रहा है। निगम की सड़कों का टेस्ट हो चुका है बारिश रुकते ही काम शुरू किया जाएगा।

आर आर जारोलिया, अधीक्षण यंत्री, दक्षिण पश्चिम, मध्य घब

योग आयोग के अध्यक्ष डॉ. राघवेंद्र ने मां की याद में रोपा पौधा



भोपाल। जम्बूरी मैदान, बीएचईएल परिसर स्थित एसबीआई ऑक्सीजन बैंक में आज एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। योग आयोग के अध्यक्ष डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने अपनी माताजी हंसमुखी देवी के नाम पर पौधरोपण कर उन्हें हरित श्रद्धांजलि अर्पित की। एसबीआई ऑक्सीजन बैंक के विशेषज्ञ डॉ. पंकज भारती ने उपस्थित अतिथियों को इस विशेष वन की विशिष्टता एवं यहां लगाए गए विभिन्न प्रजातियों के औषधीय, पुष्पीय, फलदार एवं पर्यावरणीय महत्व के पौधों के बारे में जानकारी दी। डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने इस अनुपम वन की सुंदरता एवं विशिष्टता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए डॉ. पंकज भारती के पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण के प्रयासों को राष्ट्र एवं समाज हित में महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम में डॉ. चन्द्रेश शुक्ला, सुरेंद्र गांधी, हेमंत जैन, आर.आर. बरसेल, के.आर. धाकड़ (वरिष्ठ समाजसेवी), वरुण (जिला मलेरिया अधिकारी) सहित सामाजिक एवं शैक्षणिक जगत की अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

एमओयू के तहत महत्वपूर्ण औद्योगिक चुनौतियों का समाधान लागू किया जाएगा मैनिट और लघु उद्योग भारती के बीच एमओयू टेक्नोलॉजी ट्रांसफर सहित कई सहयोग होंगे

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

राजधानी स्थित मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (मैनिट) और लघु उद्योग भारती (एलयूबी), मध्य प्रदेश ने गुरुवार को एकेडेमिया और माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइजेज (एमएसएमई) सेक्टर के बीच की दूरी कम करने के लिए आधिकारिक तौर पर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए



हैं। हस्ताक्षर समारोह में दोनों संगठनों के प्रतिनिधि मंडल शामिल हुए। मैनिट का प्रतिनिधित्व डॉ. अनुपमा शर्मा (डीन, आई.डी. एवं आईआर), डॉ. अर्पित भगत (एसोसिएट डीन, आई.डी. एवं आईआर) और डॉ. मनीष विश्वकर्मा (एसोसिएट प्रोफेसर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग) ने किया।

गो सम्मान आह्वान के तीसरे चरण में 17 दिसंबर को 11 लाख लोग पहुंचेंगे भोपाल गोरक्षा के बिना भारतीय समाज में समरसता और समृद्धि संभव नहीं: गोपालानन्द सरस्वती

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

गोरक्षा के बिना भारतीय समाज में समरसता और समृद्धि संभव नहीं, इतिहास साक्षी है देश में जहां-जहां समाज गौरक्षा की जगह संपत्ति और सुरक्षा चाही है वहां धर्म का पतन हो गया है। यह बात पूज्य ग्वाल संत श्री गोपालानन्द सरस्वती जी महाराज ने गो सम्मान आह्वान अभियान के तीसरे चरण की



रूपरेखा की बैठक में कही। बरकरतुल्ला विश्वविद्यालय के ज्ञान-विज्ञान भवन में संभागीय बैठक में मौजूद प्रदेश प्रभारी और भोपाल नर्मदापुरम, ग्वालियर और चम्बल संभाग के संभाग, जिला और तहसील स्तर से जुड़े कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए गोपालानन्द जी ने कहा कि अपनी मांगों को लेकर 17 दिसंबर को प्रदेश भर से 11 लाख लोग भोपाल पहुंचेंगे, जिसका मुख्य कार्यक्रम जंबूरी मैदान में होगा।

बहनों की भागीदारी से शुरुआत

अभियान में महिलाओं की विशेष भागीदारी होगी। रक्षाबंधन पर बहनों के राखियां उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस बार से बहनों से भाइयों को गोरक्षा और संवर्धन का वचन लेंगे। अभियान के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए टोलियां गांव-गांव पहुंचनी। क्योंकि गोवर्धन का काम यहीं होगा। प्रदेश में हर पंचायत स्तर पर 21 जोड़े चयनित किए जाएंगे। हर ग्राम पंचायत से 2100 हस्ताक्षर कराए जाएंगे।

SINCE 1973

MG Jewellers
(उज्जैन वाले)

हम अन्य ज्वैलर्स से खरीदे आपके सोने को स्वीकार करते हैं।

आपके सोने का सर्वोत्तम मूल्य प्राप्त करें।

पारदर्शी सोने का 100% मूल्यांकन।

पुराने सोने से पाएं तुरन्त कैश पाएं

पुराना सोना 0% कटौती पर एक्सचेंज करें

श्री शुभ लक्ष्मी योजना
में अब पायें 5,000 रु. में 50,000 रु. की 916 हॉलमार्क 10,000 रु. में 1,00,000 रु. और ज्वेलरी 25,000 रु. में 2,50,000 रु.

28 प्राची माखीजी जी 73 अतुल्य गांधी जी 168 अतिथि विहार जी 227 सुशी गोरे जी 337 नम्रता खन जी

शुभ लक्ष्मी योजना: ग्रुप 01,02,03,04,05,06,07,08,09 एवं 10 के विजेताओं ने पायी 56,000 की और ग्रुप 11 के विजेता ने पायी 52,000 हॉलमार्क ज्वेलरी एवं ग्रुप 26A के विजेता ने पायी 1,12,000 की हॉलमार्क ज्वेलरी।

मेकिंग चार्ज 5% से शुरू

2026 ग्रुप के रजिस्ट्रेशन चल रहे हैं।

किसी भी प्रकार की अन्य जानकारी के लिये संपर्क करें: • 27 ए सर्वधर्म कॉलोनी, त्रिवेणी आटा चक्की के सामने, कोलार रोड, भोपाल • एम. जी. ज्वेलर्स, शॉप नं. 5, सागर होम्स-111, ए-सेक्टर, सर्वधर्म मेन रोड, कोलार रोड, भोपाल मो. 79744588285, 9826262335, 7746055452

पीएम मोदी कर रहे हालात की मॉनिटरिंग, जयशंकर ने दिल्ली में की बड़ी बैठक, भारत से मदद लेकर 2 विमान नेपाल पहुंचे

नेपाल में आया ‘जल’ जला 389 को लील गया 1500 से अधिक लापता, इनमें 290 भारतीय भी



विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को नेपाल के हालात को लेकर बड़ी बैठक की



भारत से नेपाल राहत सामग्री लेकर पहुंचा विमान



अब चौरफा कीचड़ दिख रहा है

एजेंसी ▶▶ काठमांडू/नई दिल्ली

नेपाल में आई बाढ़ से मरने वालों का आंकड़ा 389 पहुंच गया है। 1500 से अधिक लोग लापता हैं। इनमें 290 भारतीय हैं। बाढ़ के कारण कई क्षेत्रों का परिवहन और संपर्क ढांचा भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। नेपाली सेना ने प्रभावित इलाकों से 250 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित निकाला है।

नेपाल में कई लोग अब भी लापता हैं। इनमें कई भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। इस बीच, नेपाल में आई भीषण बाढ़ के बाद उत्तर प्रदेश और बिहार में भी प्रशासन अलर्ट पर है। गंडक, नारायणी और कोसी नदी के जलस्तर पर नजर रखी जा रही है। गृह मंत्रालय समेत कई केंद्रीय मंत्रालय लगातार स्थिति की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह से फोन पर फिर बात कर हर संभव मदद का भरोसा दिया है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा कि इस मुश्किल घड़ी में भारत के लोग नेपाल के अपने भाई-बहनों के साथ मजबूती से खड़े ▶▶ शेष पेज 4 पर

35 पुल और 45 सस्पेंशन ब्रिज ढहे, 13 जलविद्युत परियोजनाएं नष्ट

- ▶▶ एमईए इस मामले में अलग-अलग मंत्रालयों, राज्य सरकारों, दूर ऑपरेटर्स और प्रोजेक्ट अधिकारियों के साथ तालमेल बिठा रहा
- ▶▶ नेपाल में फंसे तमिलनाडु के 21 लोगों समेत 84 भारतीयों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया

▶▶ पांच बड़े समूह में लोग फंसे या लापता

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि फंसे या लापता लोगों में पहला ग्रुप 73 लोगों का है जो त्रिशूली-1 पावर प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। फिर, तमिलनाडु के 37 और 49 नागरिकों के दो अलग-अलग ग्रुप, जिन्होंने सम्राट और फ्लाई

एक्वेस्ट ट्रेवल्स के जरिए कैलाश मानसरोवर यात्रा की थी। पश्चिम बंगाल के 32 भारतीय नागरिकों का एक ग्रुप है जो रसुवा जिले के तिमुरे में सम्राट ट्रेवल्स की मदद से यात्रा की थी। फिर, अलग-अलग राज्यों के 61 भारतीय नागरिकों का एक ग्रुप और फिर केरल के

33 भारतीय नागरिकों का एक ग्रुप। ये पांच बड़े ग्रुप हैं जिनमें कुल मिलाकर 290 लोग हैं जिनके बारे में हम बात कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि संभव है कि कुछ लापता भारतीय चीन की तरफ भी हों। करीब 200 भारतीय अब भी चीन की ▶▶ शेष पेज 4 पर

मोपाल के कोलार इलाके में रहने वाले परिवार के 29 रिश्तेदार लापता

फोन पर लोकेशन बताई, कहा- हम नहीं बच पाएंगे, फिर संपर्क टूट गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मोपाल



देवकी अधिकारी

यात्रा के दौरान उन्हें आगे आने वाले खतरे की कोई चेतावनी नहीं मिली थी

कोलार क्षेत्र के कुल 29 रिश्तेदार नेपाल गए थे, जिनमें दो शादीशुदा जोड़े यानी भाईयाँ और उनकी पत्नियों समेत परिवार के कई सदस्य शामिल हैं। परिवार की सदस्य देवकी अधिकारी ने 'हरिभूमि' को बताया कि यात्रा के दौरान उन्हें आगे आने वाले खतरे की कोई चेतावनी नहीं मिली थी। रास्ते में अचानक बाढ़ की जानकारी मिलने पर परिवार के सदस्य पहाड़ पर चढ़े और सुरक्षित रहने के लिए एक मकान की छत पर पहुंच गए। देवकी अधिकारी के अनुसार वहां से परिवार के सदस्यों ने फोन कर अपनी लोकेशन बताई और कहा कि उनकी जान खतरे में है और शायद वे बच नहीं पाएंगे। उन्होंने परिवार से अपने बच्चों का ध्यान रखने को भी कहा। इसके कुछ ही दिनों बाद फोन पर बातचीत के दौरान अचानक सब कुछ खामोश हो गया और संपर्क टूट गया। परिवार ने प्रशासन और सरकार से लापता सदस्यों की तलाश तेज करने और उनकी सुरक्षित वापसी के लिए तत्काल मदद की अपील की है।

नई दिल्ली में मप्र सरकार ने बना दिया कंट्रोल रूम

संकट में फंसे मध्य प्रदेश वासियों की सहायता एवं आवश्यक जानकारी के लिए राज्य सरकार द्वारा नई दिल्ली में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। नेपाल में यात्रा पर गए मध्यप्रदेश के नागरिक एवं उनके परिजन आवश्यक सहायता और जानकारी के लिए कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर: 011-26772005 तथा वाट्सएप नंबर: 9818963273 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त ई-मेल: recp1mpbhawan @mp.gov.in पर भी सूचना दे सकते हैं। ▶▶ पढ़ें पेज 03 भी



डॉ. मोहन यादव



शिव के सम्मुख साधना का ‘महा संकल्प’

एक माह की निराहार, अनवरत शिव आराधना में लीन स्वामी कैलाशानंद गिरि

श्रावण मास में शिव आराधना भारतीय पौराणिक और आध्यात्मिक परंपरा का अभिन्न हिस्सा रही है। इस महीने देशभर के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है, कोई शिवलिंग पर जल चढ़ाता है, कोई दुर्गाभिषेक करता है, कोई बेलपत्र अर्पित करता है तो कोई शिव नाम का जाप करता है। शिव भक्तों की कांवड़ यात्रा भी

अनुगत वृत्तान्त
डॉ. हिमांशु द्विवेदी

इस माह की अद्भुत पहचान है। ईश्वर को प्रसन्न करने के श्रद्धालुओं का अपने सामर्थ्य और समझ के साथ प्रयास रहता है। भारतीय परंपरा में तो ऐसे साधकों की अनेक कथाएँ भी हमने सुनी और पढ़ी हैं, जिनकी तपस्या और साधना ईश्वर को भी बाध्य कर देती हैं। अपनी भक्ति की शक्ति से भगवान को जीत लेती है साधकों की यह साधना। ध्रुव, प्रह्लाद नचिकेता, मार्कण्डेय जैसे साधकों की कथाओं के बीच ही हम पले-बढ़े हैं, लेकिन यह प्रसंग मुख्यतः सतयुग, त्रेतायुग और द्वापरयुग से जुड़े हैं। कलियुग के संदर्भ में आम धारणा है कि मनुष्य में अब वैसा आत्मबल, शारीरिक सामर्थ्य और वैसी कठोर साधना करने की क्षमता कहीं नहीं। प्रभु के नाम का स्मरण कर दो चार माला फेर लेने को भी हम बड़ी उपलब्धि मान लेने के लिए हम सुविधा अनुसार तैयार रहते हैं। ऐसे वातावरण में कुछ साधक को



संयम और संकल्प हमें हैरत में डाल देता है। इस श्रावण मास में ऐसे ही साधक की साधना का साक्षी होने का सुअवसर प्राप्त हुआ। यह साधक हैं स्वामी डॉ. कैलाशानंद गिरि जी महाराज। स्वामी कैलाशानंद देश के जाने-माने धर्मगुरुओं में हैं और श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी के पीठाधीश्वर हैं। हरिद्वार में गंगा किनारे दक्षिण कालिका मंदिर परिसर में वह निवास करते हैं। शिव और शक्ति दोनों के उपासक कैलाशानंद जी का व्यक्तित्व जितना प्रभावशाली है, उनकी साधना उतनी ही कठोर है। गौरवर्ण, ऊँचा कद, उन्नत ललाट और

बलिष्ठ शरीर उनकी पहचान हैं। संन्यासी हैं, गेरुए वस्त्र पहनते हैं लेकिन पीठाधीश्वर होने के कारण उनका रहन-सहन राजा की तरह ही रहता है। उनके आसपास शिष्यों तथा सहयोगियों की असंख्य मौजूदगी रहती है। सामान्य श्रद्धालुओं से लेकर विशिष्ट लोगों तक उनके दर्शन और सान्निध्य के लिए निरंतर आते जाते रहते हैं। देश भर में प्रवास भी करते हैं। कुछ माह पहले रायपुर में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री गौरीशंकर अग्रवाल जी के निवास पर उनसे मुलाकात हुई थी। संयोग से उस प्रवास के दौरान ▶▶ शेष पेज 13 पर

बाइक सवार दो युवक घायल इंदौर में सिंधिया के कारकेड की गाड़ी से जोरदार टक्कर

पुलिस ने विशिष्ट वाहन को लेकर नहीं दिया स्पष्टीकरण



हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

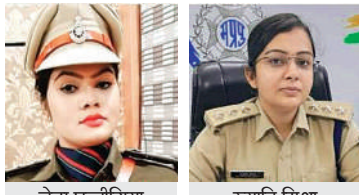
शहर के व्यस्त कालानी नगर चौराहा पर बुधवार देर रात एक सड़क हादसा सामने आया है। भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के कारकेड (काफिले) में शामिल एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद मौके पर हड़कंप मच गया और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दुर्घटना में बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो ▶▶ शेष पेज 4 पर

दो महिला पुलिस अधिकारियों का विवादित कार्यकाल

कटनी का अगला सीएसपी कौन सप्ताह भर से खाली पड़ा है पद

लोगों ने कहा- ईमानदार अफसर मिले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी



नेहा पच्चोसिया

ख्याति मिश्रा

जिले में नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) का पद पिछले एक सप्ताह से खाली पड़ा है। पूर्व सीएसपी नेहा पच्चोसिया के खिलाफ दर्ज एफआईआर, निलंबन और उनके फरार होने के बाद यह कुर्सी रिक्त हुई है। इससे पहले इस पद पर पदस्थ रहीं ख्याति मिश्रा का कार्यकाल भी पारिवारिक विवादों और पुलिस बल के दुरुपयोग के आरोपों के चलते भारी विवादों में रहा था, जिसके बाद सीएम के हस्तक्षेप से उनका तबादला कर दिया गया था। हाल ही में

नेहा पच्चोसिया पर अवैध वसूली, प्रशासनिक अधिकारियों को धमकाने और हत्या के आरोपी से जुड़े जमीन सौदे में नाम आने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर निलंबन और एफआईआर की कार्रवाई की गई है। लगातार दो महिला पुलिस अधिकारियों के विवादित कार्यकालों ने शहर में खाकी की छवि को गहरा ▶▶ शेष पेज 4 पर

बारिश से प्रदेश में नदियां उफनीं, रास्ते कटे

पारा 8 डिग्री तक नीचे पहुंचा

ग्वालियर में 2 युवकों के शव मिले छतरपुर में स्कूलों की छुट्टी घोषित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मोपाल

- ▶▶ आज दो दर्जन जिलों में भारी बारिश
- ▶▶ 24 घंटे में सबसे अधिक बारिश ओरछा में 205 मिमी रही
- ▶▶ आधे प्रदेश में मध्यम से हल्की बारिश के साथ बदल और रिमडिम जारी रहेगी

राजधानी सहित प्रदेशभर में लगातार बारिश के बीच गुरुवार को दिन के तापमान में तेजी से कमी आई। कई इलाकों में नदियों में उफान से ग्रामीण क्षेत्रों के रास्ते जिला मुख्यालय से कटे रहे। प्रदेश में बारिश के बीच सूरना में आसन नदी में बहने वाले ग्वालियर के 2 युवकों के शव गुरुवार को बरामद किए गए। छतरपुर में नदी-नाले उफान पर हैं। यहां स्कूलों की छुट्टी घोषित की गई है। इंदौर में गाड़ी अट्ठा स्थित वाल्मीकि बस्ती में सड़क के बीच करीब 20 फीट गहरा गड्ढा हो गया। आगरा-मालवा के नलखेड़ा में सीसी रोड बह गई। चित्रकूट में मंदाकिनी ▶▶ शेष पेज 4 पर



राजधानी का लिंक रोड नंबर-1, दोपहर 2:21 बजे का दृश्य

20 से 80 मिमी के बीच बारिश

24 घंटे में सबसे अधिक बारिश ओरछा में 205 मिमी रही। नलखेड़ा 165, सुसनेर 132, सेवदा 130, पृथ्वीपुर 130, आगरा 110, इंदूरगढ़ 110, निवाड़ी 102, सारंगपुर 93.5, मऊ 92, पल्लेरा 90 और दतिया में 85.1 मिमी दर्ज हुई। शेष 40 से अधिक शहरों में 20 से

80 मिमी के बीच बारिश हुई है। मौसम केंद्र के अनुसार शुक्रवार तक करीब दो दर्जन जिलों में भारी से अति भारी बारिश का अलर्ट है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अमी सिस्टम सक्रिय रहने से प्रदेश में बारिश का दौर जारी रहेगा।

खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम में की सहभागिता

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम के माध्यम से देशभर के युवाओं से वचुंअली संवाद किया। इस अवसर पर भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सहभागिता कर प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी संवाद को सुना।

संवाद कार्यक्रम बाद मंत्री सारंग ने उपस्थित युवा साथियों से संवाद कर उनके विचार एवं सुझाव जाने तथा उन्हें नशामुक्त, स्वस्थ एवं विकसित भारत के निर्माण का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण सचिव संजीव सिंह, संचालक अंशुमान यादव, अपर सचिव अजय श्रीवास्तव, साई भोपाल के क्षेत्रीय निदेशक अभिषेक चौहान, माय भारत के वालंटियर्स, खिलाड़ी एवं बड़ी संख्या में



युवा उपस्थित रहे। मंत्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत में खेलों को केवल प्रतिस्पर्धा और पदक प्राप्ति तक सीमित न रखते हुए इसे युवा सशक्तिकरण एवं विकसित भारत 2047 के विजन के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश में 21वीं सदी के अनुरूप आधुनिक

एवं सुदृढ़ स्पोर्ट्स इकोसिस्टम तैयार करने की दिशा में निरंतर कार्य हो रहा है। प्रतिभाओं की पहचान से लेकर उन्हें प्रशिक्षण, संसाधन, अवसर और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के मंच उपलब्ध कराने तक हर स्तर पर आवश्यक सहयोग सुनिश्चित किया जा रहा है।

खेलो इंडिया संवाद युवाओं को विकसित भारत के विजन से जोड़ने का सार्थक मंच: मंत्री सारंग

भारत की युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत

मंत्री सारंग ने कहा कि भारत की युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है। खेल युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का विकास करते हैं। यही गुण एक सशक्त नागरिक और मजबूत राष्ट्र को नींव रखते हैं। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि प्रत्येक युवा अपनी प्रतिभा को पहचानकर उसे सकारात्मक दिशा दे और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि खेल केवल मेडल जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र के निर्माण का प्रभावी साधन है। खेलों के साथ संस्कार, अनुशासन और नशामुक्ति को जीवन का हिस्सा बनाकर युवा स्वयं भी सशक्त बनेंगे और समाज को भी नई दिशा देंगे।

नशामुक्त युवा ही विकसित राष्ट्र के मजबूत आधार

मंत्री सारंग ने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे से दूर रहें, स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं और खेलों को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि नशामुक्त युवा ही स्वस्थ समाज और विकसित राष्ट्र के मजबूत आधार हैं। खेल, संस्कार और नशामुक्ति के संकल्प के साथ मध्यप्रदेश का युवा स्वस्थ, सशक्त और विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मंत्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने में देश का युवा निर्णायक भूमिका निभाएगा।



डुमना एयरपोर्ट से पीएम के 'खेलो इंडिया संवाद में वर्चुअल माध्यम से सीधे जुड़े सीएम

भोपाल। राष्ट्रीय खेल दिवस (29 अगस्त) के उपलक्ष में नई दिल्ली में 'खेलो इंडिया संवाद- खेल की बात पीएम मोदी के साथ' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को जबलपुर में डुमना एयरपोर्ट से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सहभागिता की।

मुख्यमंत्री ने एकात्म धाम में पंचायतन मंदिर का किया शिलान्यास

सीएम ने कहा- देश-दुनिया को संदेश देने के लिए सिंहस्थ से पहले निकाली जाएगी एकात्म यात्रा

विशेष प्रतिनिधि ►►भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंहस्थ-2028 के पूर्व भव्य एकात्म यात्रा निकाली जाएगी, जिसका समापन सिंहस्थ के दौरान होगा। यह यात्रा देश और दुनिया तक भारतीय ज्ञान परंपरा, संत परंपरा और एकात्म दर्शन का संदेश पहुंचाएगी। डॉ. यादव गुरुवार सुबह पवित्र तीर्थ नगरी ऑंकारेश्वर स्थित एकात्म धाम में भव्य पंचायतन मंदिर का शिलान्यास करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने भारत की दिव्य संन्यास परंपरा के प्रतिनिधियों, षड्दर्शन संत मंडल के पूज्य संतो एवं विशिष्ट अतिथियों के साथ 45 पवित्र शिलाओं का पूजन कर मंदिर निर्माण का शुभारंभ किया। श्री वेंकटेश्वर वेद विज्ञान पीठम धर्मगिरि, आंध्रप्रदेश के प्राचार्य केएसएस अचान्नी, दक्षिणाप्रमथ्य श्री शारदा पीठम कर्नाटक और श्री गुरुकुल के आचार्यों द्वारा वैदिक अनुष्ठान संपन्न कराया गया।



ऑंकारेश्वर स्थित एकात्म धाम में भव्य पंचायतन मंदिर का शिलान्यास करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ।

मांघाता पर्वत पर स्वरूप ले रहा एकात्म धाम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मांघाता पर्वत पर विकसित हो रहा एकात्म धाम आने वाले समय में अत्यंत अलौकिक और दिव्य दृश्य प्रस्तुत करेगा। हम सभी परमात्मा की लीला के साक्षी हैं। उन्होंने कहा कि हम इस यात्रा के पथिक हैं और सौभाग्य की बात है कि हमें ऐसे दिव्य धाम के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का अवसर मिल रहा है।

यह स्थान आंतरिक चेतना के जागरण और आत्मिक शांति का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि संतों के आशीर्वाद से रक्षाबंधन के पावन अवसर पर यह शुभ कार्य हो रहा है। एकात्म धाम में निर्मित होने वाली आध्यात्मिक संरचनाएं समाज में समरसता, सद्भाव, संस्कार और चरित्र निर्माण की भावना को मजबूत करेंगी।



ऑंकारेश्वर और उज्जैन धाम आंतरिक चेतना के केंद्र

सीएम यादव ने कहा कि ऑंकारेश्वर और उज्जैन दोनों ही धाम आंतरिक चेतना के केंद्र बन रहे हैं। ये दोनों स्थान केवल मठ के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण भारत और दुनिया के लिए अप्रतिम आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित होंगे। उन्होंने कहा कि पंचायतन मंदिर धार्मिक आस्था के साथ भारतीय प्राचीन वास्तुकला और मूर्तिकला के पुनरुत्थान का भी महत्वपूर्ण उदाहरण बनेगा। पंचायतन उपासना का मूल संदेश यही है कि विभिन्न देव स्वरूपों में उसी एक परम ब्रह्म की उपासना की जाती है।

पंचायतन मंदिर में पंचदेवों की उपासना

भगवान शिव का मुख्य देवालय होगा। चारों कोनों पर भगवान विष्णु, भगवान सूर्य, भगवान गणेश और भगवती शक्ति के उपा-देवालय होंगे। मुख्य देवालय का शिखर 'सोमतिलक' शैली में होगा तथा गर्भगृह सर्वतोभद्र शैली में निर्मित होगा। मंदिर परिसर में 100 कलात्मक नक्काशीदार स्तंभ और 8 लघु संगणों स्थापित किए जाएंगे। मुख्य मंडप में 26 फीट व्यास का विशाल कलात्मक गुंबद होगा।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने की अगवानी, लोनिवि मंत्री राकेश भी थे साथ

रक्षा मंत्री राजनाथ का डुमना एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत



हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

व्हीकल फैक्ट्री में टी-सीरीज टैंकों की ओवरहॉलिंग परियोजना के भूमिपूजन समारोह में शामिल होने गुरुवार को जबलपुर पहुंचे केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का डुमना एयरपोर्ट पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अगवानी की और पुष्प गुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह भी मुख्यमंत्री के साथ थे। लोक निर्माण मंत्री सिंह ने भी केंद्रीय रक्षा मंत्री का पुष्प गुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। केंद्रीय रक्षा मंत्री सिंह का सुबह 11.55 बजे

नई दिल्ली से विशेष विमान द्वारा जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट पहुंचे। रक्षा मंत्री का डुमना एयरपोर्ट पर स्वागत करने वाले जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों में राज्य सभा सदस्य सुमित्रा वाल्मीकि, सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नु, विधायक अजय विश्‍नोई, अशोक रोहाणी, सुशील कुमार तिवारी इंदु, डॉ. अभिलाष पांडेय, नीरज सिंह, संतोष बरकडे, जिला पंचायत अध्यक्ष आशा राकेश सिंह भी मुख्यमंत्री के साथ थे। लोक निर्माण मंत्री सिंह ने भी केंद्रीय रक्षा मंत्री का पुष्प गुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। केंद्रीय रक्षा मंत्री सिंह का सुबह 11.55 बजे



मॉडल अस्पताल में चल रहा नौकरी का खेल

राजधानी के मॉडल अस्पताल जेपी में इन दिनों नौकरी का खेल कुछ बदला-बदला नजर आ रहा है। पहले नियमित कर्मचारियों को डटा दिया, अब उन्हीं पदों पर आउटसोर्स के रास्ते से नियुक्तियों की तैयारी चर्चा में है। अस्पताल में चर्चा है कि आखिर मर्ती प्रक्रिया किसके लिए और किसके इशारे पर तैयार की जा रही है। प्रशासन का तर्क है कि यह आदेश विमान से आया है, लेकिन चर्चा यह भी है कि आउटसोर्स नियुक्तियों में डाक्टरों और अस्पताल के मुखिया के करीबी लोगों को प्राथमिकता देने की तैयारी है। यानी नौकरी वहीं, रास्ता नया और चेहरे पुराने पहचान वाले। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। कर्मचारियों का कहना है कि यदि आउटसोर्स नहीं होंगी ही है तो प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और योग्यता के आधार पर चयन होना चाहिए। अब देखना यह है कि अस्पताल प्रशासन मर्ती की शर्तें सार्वजनिक करता है या फिर अपनी के लिए दरवाजा पहले से खुला मिलाता है।

अस्पतालों की लेटलतीफी ने तोड़ा भरोसा

सरकार लोगों से कह रही है, अंगदान महादान है। लोग भी मान रहे हैं और किसी की जिंदगी बचाने के लिए अपने दुख के बीच बड़ा फैसला लेने को तैयार हैं। लेकिन शहर के दो बड़े सरकारी संस्थानों से जुड़ा एक मामला इस नैक काम की जमीनी तस्वीर पर सवाल खड़े करता है। बेनडेड मरीज के रक्तजन को अंगदान के लिए प्रेरित किया गया। सहमति लेनी कि अंग दूसरे जन्मदमद मरीज को समग्र पर प्रत्यारोपित किए जाएंगे। उम्मीद थी कि अब किसी को नई जिंदगी मिलेगी। मगर अस्पतालों की लेटलतीफी और अधिकारियों के बीच तालमेल की कमी ने पूरी प्रक्रिया को ही उलटवा दिया। नतीजा यह हुआ कि प्रत्यारोपण की उम्मीद खत्म हो गई और निराश रक्तजन ने अंगदान से ही इनकार कर दिया। यानी एक तरफ सरकार अंगदान के लिए जागरूकता अभियान चला रही है और दूसरी तरफ व्यवस्था का ढीला रदेया लोगों के भरोसे पर भारी पड़ रहा है।

साहब की फटकार से कर्मचारियों ने काटी कन्नौ

गांधी मेडिकल कॉलेज के एक अधिकारी के मिजाज की चर्चा इन दिनों ज़ोरों पर है। साहब के मिजाज में एकाएक बदलाव आने से उनके साथ काम करने वाले कर्मचारियों में हड़कंप मचा हुआ है। अमूमन शांत रहकर भगवान का गुणगान करने वाले अधिकारी का मिजाज इन दिनों गरम है। साहब के गरम मिजाज को देखते हुए कर्मचारियों ने उनसे कन्नौ काटना शुरू कर दी है। साहब का यह अंदाज देखकर कर्मचारी कुछ कहने की बजाए शांत ही रहते हैं। बता दें कि ये साहब इस साल रिटायर होने वाले हैं, इसलिए कोई उसके पंगा नहीं लेना चाहता। अगर कोई कर्मचारी किसी काम से उनके पास जाता है तो वह गलती हो या ना हो कर्मचारी को बिना फटकार लगाए वापस नहीं जाने देते।

मैडम के पास नहीं कर्मचारियों की समस्या

सुनने का समय

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मुखिया का दरबार इन दिनों कुछ ऐसा हो गया है कि अधिकारी और कर्मचारी अपनी समस्या लेकर पहुंचते तो हैं, लेकिन समस्या सुनाने का मौका मिले, यह जरूरी नहीं। छुट्टी चाहिए हो, काम से जुड़ी परेशानी हो या किसी प्रशासनिक दिककत का समाधान, कर्मचारी आवेदन लेकर आते हैं और उम्मीद करते हैं कि उनकी बात सुनी जाएगी। मगर यहां उम्मीदों को अक्सर दरवाजे पर ही विराम मिल जाता है। चर्चा है कि मुखिया किसी अधिकारी से सीधे बातचीत करना पसंद नहीं करती। अधिकारी-कर्मचारी अपनी समस्याएं लेकर आते हैं, लेकिन मैडम के पास सुनने का समय नहीं होता। ऐसे में समस्या वहीं की वहीं रह जाती है और कर्मचारी अगली तारीख की उम्मीद में लौट जाते हैं। मजेदार बात यह है कि कार्यालय में संवाद और समाधान की बातें खूब होती हैं, लेकिन जब समस्या लेकर कोई सामने पहुंचता है तो संवाद का रास्ता ही बंद नजर आता है।

सचिन सिंह बैस

160 अनुकंपा संविदा कर्मियों का किया नियमितीकरण: ऊर्जा मंत्री सिंह

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्यप्रदेश की विद्युत कंपनियों में दिवंगत कर्मियों के आश्रितों को अनुकंपा आधार पर संविदा पदों पर दी गई



नियुक्तियों को नियमित करने की प्रक्रिया के तहत मध्यप्रदेश की 160 कर्मियों में कार्यालय सहायक श्रेणी-3 प्रशिक्षु के 159 एवं लाइन परिचारक प्रशिक्षु का एक कर्मी शामिल है। नियमित नियुक्ति प्राप्त करने वाले कर्मियों में अनारक्षित वर्ग के 52, अन्य पिछड़ा वर्ग के 78, अनुसूचित जाति वर्ग के 19 तथा अनुसूचित जनजाति वर्ग के 11 कर्मी शामिल हैं।

सीएम यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने ए बालकृष्णन के निधन पर जताया दुःख

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी और विवेकानंद रॉक मेमोरियल के अध्यक्ष रहे ए बालकृष्णन के निधन पर दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि श्री बालकृष्णन ने राष्ट्र सेवा को साधना माना था। डॉ यादव ने दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और परिजन को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। वहीं, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने विवेकानंद केंद्र के अखिल भारतीय अध्यक्ष डॉ. बालकृष्णन के निधन पर शोक व्यक्त किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने, विवेकानंद केंद्र परिवार एवं उनके शुभार्थितों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

रक्षाबंधन के पूर्व श्रमिकों को नहीं हुआ वेतन भुगतान



भोपाल। वन विभाग के वन सुरक्षा श्रमिकों और वन समिति चौकीदारों को लंबित वेतन भुगतान रक्षाबंधन त्यौहार पर भी नहीं किया गया। गुरुवार को श्रमिकों ने वन मंडल कार्यालय पर प्रदर्शन करके वेतन भुगतान की मांग की। वन मंडल अधिकारी ने आश्वासन दिया है कि दो दिवस में वेतन भुगतान कर दिया जाएगा। वन सुरक्षा श्रमिक कर्मचारी मंच ने निर्णय लिया है कि यदि दो दिवस के अंदर वेतन भुगतान नहीं किया गया तो वन सुरक्षा श्रमिक एवं वन समिति चौकीदार वन मुख्यालय का घेराव करेंगे। मंच के प्रदेशाध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि वन विभाग के वन सुरक्षा श्रमिकों एवं वन समिति चौकीदारों को लंबित वेतन भुगतान वन अधिकारियों ने रक्षाबंधन त्यौहार के अवसर पर न करके श्रमिकों का रक्षाबंधन त्यौहार फीका कर दिया है। जिससे वन सुरक्षा श्रमिकों एवं वन समिति चौकीदारों असंतोष व्याप्त हो गया है।

त्योहार की मिठास पर महंगाई की मार त्योहार मनाने के लिए बैंक से मांगने पहुंची गृहिणियां



बैंक के बाहर प्रदर्शन करती गृहिणियां ।

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

आगामी त्योहारों के मद्देनजर लगातार बढ़ती महंगाई और बेकाबू होते घरेलू बजट के विरोध में करीब स्थित जिला सहकारी केंद्रीय बैंक लोन मांगने गृहिणियां पहुंची। शक्कर, खाद्य तेल और रसोई के जरूरी सामानों की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि के चलते आम

परिवारों के लिए त्योहार मनाना दुभर हो गया है। इसी स्थिति को रेखांकित करने के लिए कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला के नेतृत्व में बड़ी संख्या में गृहिणियों एवं महिलाओं ने बैंक पहुंचकर 'त्योहार मनाने के लिए लोन' के लिए आवेदन कर सरकार की जनविरोधी नीतियों और महंगाई पर अंकुश लगाने में विफलता को उजागर किया गया।

कांग्रेस ने बिजली बिल, गैस सिलेंडर, पेट्रोल और किराया बढ़ने पर किया प्रदर्शन

कांग्रेसियों ने गले में प्याज की माला पहन कर गाया...महंगाई डायन खाए जात है...

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

कोलार में महंगाई के खिलाफ कांग्रेस ने अनोखे अंदाज में प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं ने गले में प्याज की माला पहनकर महंगाई डायन खाएं जाएं है, गाना गाकर विरोध प्रदर्शन किया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शक्कर-प्याज के दाम, बिजली बिल, गैस सिलेंडर, पेट्रोल और बस किराए में बढ़ोतरी का विरोध करते हुए सरकार से जनता को राहत देने की मांग की। कोलार के मंदाकिनी चौराहे पर प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस नेताओं का कहना है कि शक्कर, प्याज और रोजमर्रा की जरूरतों की वस्तुओं के बढ़ते दाम ने आम परिवारों की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। कांग्रेस के शहर अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, राहुल सिंह



कोलार रोड पर कांग्रेसियों द्वारा महंगाई को लेकर प्रदर्शन किया गया ।

राठौड़, प्रदेश प्रवक्ता अभिनव बरोलिया ने प्रदर्शन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि लगातार बढ़ती कीमतों का सबसे ज्यादा असर आम और मध्यम वर्ग के परिवारों पर पड़ रहा है। सब्जियों

से लेकर रोजमर्रा की जरूरतों की वस्तुएं महंगी होने से घरेलू बजट प्रभावित हो रहा है। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से महंगाई पर नियंत्रण करने और आम जनता को राहत देने की मांग की।

विधायक आरिफ मसूद, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने राखी पर उपहार स्वरूप बहनों को बांटे शक्कर के पैकेट

विशेष प्रतिनिधि ►►भोपाल

रक्षाबंधन का पावन पर्व भाई बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक है, लेकिन इस बार शक्कर के बढ़ते दामों के बीच त्योहार की मिठास पर महंगाई का असर भी नजर आ रहा है। ऐसे में कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने अपनी बहनों को रक्षाबंधन के मौके पर उपहार स्वरूप शक्कर के पैकेट वितरित किए। उन्होंने कि बहनें खुश रहें और पूरे उत्साह के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाएं, यही उनका प्रयास है। बहनों को मिठाई की जगह शक्कर के पैकेट उपहार



में देकर उन्होंने बढ़ती महंगाई को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना भी साधा और महंगाई को लेकर उन्होंने बड़ा हमला बोला।आरिफ मसूद ने कहा कि हर त्योहार से पहले भाजपा सरकार महंगाई बढ़ाकर लोगों की खुशियों में कमी कर देती है। आज



शक्कर के दाम 70 रुपए तक पहुंच गए हैं और कोई भरोसा नहीं कि कब 100 रुपए प्रति किग्रा हो जाएं। ऊपर से मंत्री का बयान है कि शक्कर और महंगी होनी चाहिए। यही प्रदेश सरकार और उसके गंभीर मंत्रियों का हाल है।

सावन के महीने में लिए 2 हजार 605 सैंपल, 680 की रिपोर्ट मिली

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

सावन के महीने में दूध, घी, पनीर और मावे की सैंपलिंग की गई है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने प्रदेश में दो हजार 605 सैंपल लेकर राज्य लेबोरेटरी भेजे हैं, जिनमें से 680 की जांच रिपोर्ट मिल गई है। इसमें 25 सैंपल अकेले घी के अनसेफ मिले हैं, जिससे आम लोगों के स्वास्थ्य को खतरा हो सकता है।

गोवर्धन, द्वारकेश, शगुन, भूमि, दानेदार, धोलपुर फ्रेश, वास्तु और गोपीश्री घी के सैंपल असुरक्षित निकले हैं, जिससे पता चलता है कि घी में पॉम ऑयल सहित अन्य चीजों की मिलावट की गई है। दरअसल खाद्य सुरक्षा विभाग ने 20 जुलाई से 25 अगस्त तक जांच अभियान चलाया था। टीमों ने अभियान के दौरान 44 हजार 407 लीटर दूध और दूध से बने उत्पाद जब्त किए गए। लेबोरेटरी में अब तक 680 सैंपलों की जांच में 73 अमानक और 25 असुरक्षित मिले।

25 दिन में छह करोड़ का घी-पनीर और मिठाइयां जब्त द्वारकेश, गोवर्धन, गोपीश्री घी के सैंपल निकले अनसेफ

►► खाद्य सुरक्षा विभाग ने 20 जुलाई से 25 अगस्त तक जांच अभियान चलाया था

►► जांच में घी के 25 सैंपल अनसेफ मिले आम लोगों की सेहत को खतरा

आयुक्त खाद्य सुरक्षा के निर्देश में खाद्य सुरक्षा प्रशासन के मैदानी अमले द्वारा चलाए गए मिलावटी और असुरक्षित खाद्य पदार्थों के खिलाफ 'विशेष अभियान' में टीम ने करीब 5.61 करोड़ रुपये की 11.73 लाख किलो खाद्य सामग्री जब्त की। विशेष अभियान में 25 जुलाई से अब तक विभाग के मैदानी अमले ने करीब 10,835 किलो एनालॉग पनीर जब्त किया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार अभियान के तहत कुल 2,605 लीगल नमूने और 2,037 सर्विलांस नमूने यानी कुल 4,642 नमूनों की जांच की गई। जिसमें से राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला द्वारा 680 नमूनों की जांच रिपोर्ट भी जारी की गई।

करीब 10,835 किलो एनालॉग पनीर जब्त

आयुक्त खाद्य सुरक्षा के निर्देश में खाद्य सुरक्षा प्रशासन के मैदानी अमले द्वारा चलाए गए मिलावटी और असुरक्षित खाद्य पदार्थों के खिलाफ 'विशेष अभियान' में टीम ने करीब 5.61 करोड़ रुपये की 11.73 लाख किलो खाद्य सामग्री जब्त की। विशेष अभियान में 25 जुलाई से अब तक विभाग के मैदानी अमले ने करीब 10,835 किलो एनालॉग पनीर जब्त किया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार अभियान के तहत कुल 2,605 लीगल नमूने और 2,037 सर्विलांस नमूने यानी कुल 4,642 नमूनों की जांच की गई। जिसमें से राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला द्वारा 680 नमूनों की जांच रिपोर्ट भी जारी की गई।

खाद्य सुरक्षा विभाग का मिलावट पर शिकंजा: एक माह में जब्त की 11.73 लाख किलो खाद्य सामग्री 18 लाइसेंस-रजिस्ट्रेशन निरस्त, 172 नोटिस जारी

खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवराज पावक, अरुणेश पटेल के अनुसार खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई के तहत 18 लाइसेंस-रजिस्ट्रेशन निरस्त किए गए, जबकि धारा 32 के तहत 172 नोटिस जारी किए गए। अमानक और असुरक्षित खाद्य पदार्थ पाए जाने पर संबंधित निर्माताओं एवं विक्रेताओं के खिलाफ प्रकरण दर्ज करने के साथ न्यायालय में कार्रवाई भी शुरू की गई।

नकली मिठाई और पनीर की पहचान

मिष्ठान विक्रेता संघ के अध्यक्ष मोहन शर्मा के अनुसार त्योहारों और खास मौकों पर मिठाई, पनीर और दूध से बने उत्पादों की मांग बढ़ जाती है। इसी के साथ मिलावट और नकली खाद्य पदार्थों का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में आम उपभोक्ता संदिग्ध मिठाई या पनीर की पहचान प्राथमिक स्तर पर कर सकते हैं। बहुत तेज कृत्रिम खुशबू, असामान्य स्वाद या लंबे समय तक खराब न होने वाली मिठाई भी संदेह पैदा कर सकती है। मिठाई की सतह पर असामान्य चिपचिपापन या फफूंद दिखाई दे तो उसे बिल्कुल न खरीदें। खोया, मावा या दूध से बनी मिठाई खरीदते समय उसकी ताजगी, गंध और बनावट पर ध्यान देना चाहिए।

सीसा, पॉम तेल और वेजिटेबल फैट से बनाया नकली घी

राजधानी में मिलावटी घी को लेकर 25 दिन चले अभियान में 13 सैंपल में घी असुरक्षित निकला है। जिससे पता चलता है कि घी में पॉम तेल, सीसा और वेजिटेबल फैट मिलाकर नकली घी तैयार किया गया है। इस घी के सेवन से आम लोगों के स्वास्थ्य को खतरा हो सकता है। खाद्य सुरक्षा विभाग घी विक्रेताओं पर केस दर्ज कर सिविल कोर्ट में केस पेश करेगा, जहां जुर्माना समेत छह महीने तक की सजा का प्रावधान है।

एनालॉग पनीर पर बैन, सौ विंटल पनीर जब्त

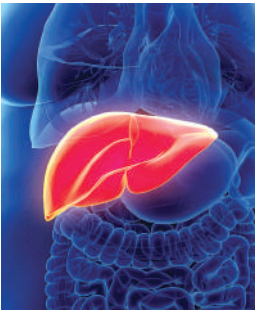
प्रदेश में 12 अगस्त को एनालॉग पनीर पर बैन लगाया गया है। जिसके बाद से खाद्य सुरक्षा विभाग डेयरीयों और पनीर निर्माण इकाइयों की जांच कर रहा है। विभाग के उद्बुद्धि से सौहार्द के पचाम में रुद्राक्ष फार्म से 32 विंटल थोक में पनीर जब्त किया था। जबकि नागपुर से आए पनीर की भी जांच कर सैंपलिंग कराई गई है। इस तरह प्रदेश भर में सौ विंटल से अधिक पनीर जब्त किया गया है।

नकली मावा या दूषित दूध से बनी मिठाई खाने के कुछ घंटों में ही उल्टी-दस्त व पेट में तेज ऐंठन होने लगती है

नकली मावा या दूषित दूध से बनी मिठाई खाने के कुछ घंटों के भीतर ही उल्टी-दस्त, और पेट में तेज ऐंठन होने लगती है। मिठाई में मिलाए जाने वाले यूरिया, डिस्टर्बेंट, स्टार्च और सिंथेटिक रंग शरीर के विषैले पदार्थों को बाहर निकालने वाले अंगों (लिवर और किडनी) पर अत्यधिक दबाव डालते हैं, जिससे वे फेल भी हो सकते हैं। घंटिया क्वालिटी के पाम ऑयल या अन्य सैचुरेटेड फैट के इस्तेमाल से शरीर में बैड

कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है, जिससे दिल की बीमारियां और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। कई मामलों में स्टार्च, सिंथेटिक दूध, वनस्पति फैट और रासायनिक रंग का उपयोग कर नकली मिठाइयां तैयार की जाती हैं, जो लीवर, किडनी और आंतों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। बच्चों और बुजुर्गों को बाहर की खुली मिठाइयों से दूर रखें।

डॉ. मनुज शर्मा
एंडोक्रिनोलॉजिस्ट, जीएमसी



मिलावट से शरीर को नुकसान

मिलावटी भोजन में मौजूद एंडोक्राइन डिस्रॉपिंग केमिकल्स (जैसे माइक्रोप्लास्टिक, हेवी मेटल) शरीर में जाकर हार्मोन सिस्टम को प्रभावित करते हैं। इससे गट हेल्थ खराब होती है। बॉडी में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया नष्ट होते हैं। शरीर में पोषण की कमी होती है। इसके साथ ही मोटापा, डायबिटीज और पीसीओडी जैसी बीमारियां बढ़ती हैं।

डॉ. विवेक मालवीय, डायटीशियन

कजलीखेड़ा थाने के आरक्षक को दोहरी सजा देरी से पहुंचने के बाद वरिष्ठ अफसरों से अभद्रता, कांस्टेबल निलंबित, वेतनवृद्धि भी रोकी

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

कजलीखेड़ा थाने में पदस्थ कांस्टेबल को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया। उसे दोहरी सजा देते हुए उसकी वेतन वृद्धि भी रोकी गई है। कांस्टेबल द्वारा रात्रि गश्त में पाइंट पर देरी से पहुंचने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों से अभद्रता की गई थी।

अभद्रता का वीडियो वरिष्ठ अधिकारियों के पास पहुंचा था। वीडियो और शिकायत के आधार पर डीसीपी जेन-4 ने कांस्टेबल रवेंद्र तोमर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। इलाके में

कानपुर सेंट्रल—मदुरई विशेष ट्रेन के लगभग 13 अति. फेरे

भोपाल। रेलवे प्रशासन द्वारा भोपाल मंडल होकर संचालित गाड़ी संख्या 01925/01926 कानपुर सेंट्रल—मदुरई—कानपुर सेंट्रल साप्ताहिक विशेष ट्रेन के संचालन की अवधि में विस्तार करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत दोनों दिशाओं में 13-13 अतिरिक्त फेरे संचालित किए जाएंगे। गाड़ी संख्या 01925 कानपुर सेंट्रल—मदुरई साप्ताहिक विशेष ट्रेन प्रत्येक बुधवार को 2 सितंबर से 25 नवंबर तक कुल 13 फेरे संचालित की जाएगी। यह ट्रेन कानपुर सेंट्रल से निर्धारित समय 08:10 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 01926 मदुरई—कानपुर सेंट्रल साप्ताहिक विशेष ट्रेन प्रत्येक शनिवार को 5 सितंबर से 28 नवंबर तक कुल 13 फेरे संचालित की जाएगी।

शहर में स्टॉक चैक करने दिल्ली से भोपाल आए शक्कर संचालनालय के अधिकारी

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

शहर की फुटकर दुकानों पर 75 रुपये किलो तक बिक रही शक्कर को लेकर अब भोपाल में भी स्टॉक को लेकर निगरानी शुरू कर दी गई है। गुरुवार को दिल्ली के शक्कर संचालनालय की टीम ने अयोध्या बाइपास स्थित डी-मार्च पर छापामार कार्रवाई को अंजाम दिया।

दरअसल प्रबंधन ने स्टॉक में पांच हजार मीट्रिक टन शक्कर का स्टॉक दर्शाया था, लेकिन टीम जब मौके पर पहुंची, तो वहां 50 मीट्रिक टन शक्कर ही मिली। डी-मार्च प्रबंधन ने किंवदंतल के धोखे में मीट्रिक टन का स्टॉक फीड कर दिया था, जिसकी वजह से टीम को यहाँ आना पड़ा।

डी-मार्च के रिकॉर्ड में पांच हजार मीट्रिक टन शक्कर दिल्ली से आई टीम, मौके पर मिला 50 मीट्रिक टन गरीब परिवारों को 20 रुपये किलो मिलने वाली शक्कर पांच महीने से बंद

अयोध्या बाइपास स्थित डी-मार्च पर पहुंची दिल्ली से आई टीम।

केंद्र सरकार ने एक सितंबर से शक्कर की स्टॉक लिमिट जारी की

केंद्र सरकार ने एक सितंबर से शक्कर की स्टॉक लिमिट जारी की है। जिसके बाद तय कोटे के हिसाब से ही फुटकर और थोक कारोबारी स्टॉक रख सकेंगे। गुरुवार को दिल्ली की टीम अचानक से पहुंची। टीम के साथ भोपाल के अफसरों को भी बुलाया गया। टीम स्टॉक चैक करने के बाद वापस लौट गई। जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन का कहना है कि दिल्ली से आई टीम ने डी-मार्च का स्टॉक चैक किया है, जिसमें स्टॉक दर्ज करने में त्रुटि होने के बारे में पता चला है।

महंगाई के बीच राजधानी सहित प्रदेशभर के अंत्योदय परिवारों को मिलने वाली रियायती शक्कर पिछले पांच महीने से बंद है। एक अप्रैल 2026 से राशन दुकानों पर 20 रुपये किलो की दर से शक्कर का वितरण नहीं हुआ है। इससे भोपाल के करीब 29 हजार 944 और प्रदेश के करीब 14 लाख अंत्योदय परिवार प्रभावित हैं। पहले इन परिवारों को गेहूँ और चावल के साथ एक किलो शकर रियायती दर पर मिलती थी। अब बाजार से शक्कर खरीदने पर 75 रुपये किलो तक खर्च करना पड़ रहे हैं।

राजधानी स्थित राशन की दुकान।

नेपाल में बाढ़ से तबाही पर राजधानी में रहने वाले परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल जेट-जेटानी व जीजा-दीदी ने रोते हुए फोन पर बोला, अब शायद हम नहीं बचेगे...

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

नेपाल में बुधवार को अचानक आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। इसमें अब तक कई लोगों की जान गई है। इस भीषण प्राकृतिक आपदा में नेपाली नागरिक व भोपाल राजहंस कॉलोनी में रहने वाले एक परिवार को बुरा हाल है। दरअसल राजहंस कॉलोनी में रहने वाली देविका अधिकारी व विष्णु अधिकारी रहते हैं। इस घटना में इस घटना में उनके जेट-जेटानी, देवर-देवरानी, जीजा-दीदी व भाभी-भाई सहित करीब 29 रिश्तेदार गायब हैं। इनमें चार लोग संगे यानी करीब के रिश्तेदार हैं। यह सभी लोग बस से तीर्थ दर्शन करने गए थे। जिनका अभी तक कोई पता नहीं चला।

कहा- मेरे रिश्तेदार गुम हो गए हैं, घर तबाह हो गया

फोन पर बस इतना ही कह सके-



राजहंस कॉलोनी में रहने वाले देविका व विष्णु अधिकारी।

राजहंस कॉलोनी में रहने वाले परिवार की बढ़ी चिंता

बच्चों का ध्यान रखना फिर खामोशी छा गई

देविका अधिकारी ने हरिभूमि समाचार पत्र से बात करते हुए बताया कि इस घटना से ठीक पहले जेट-जेटानी व जीजा-दीदी का फोन आया। जब सभी लोग यात्रा पर जा रहे थे। इसके पहले ऐसे किसी खतरे के बारे में कोई चेतावनी नहीं मिली थी। रास्ते में उन्हें पता चला कि आगे अचानक बाढ़ आ गई है। वे जल्दी से एक पहाड़ पर चढ़े और सुरक्षित रहने के लिए किसी की छत पर चले गए। वहां से उन्होंने हमें फोन किया और अपनी जगह के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि उनकी जान खतरे में है और वे शायद बच नहीं पाएंगे। उन्होंने हमसे अपने बच्चों का ध्यान रखने को कहा। बस इतना ही कहा। फोन अभी कटा भी नहीं था कि सब कुछ खामोश हो गया...इतना बोलते ही देविका अधिकारी सहित अन्य परिवार के सदस्य रोने लगे।

भगवान से प्रार्थन कर रहे उम्मीद है सबकुछ ठीक हो

देविका अधिकारी ने बताया कि कैसे नेपाल बाढ़ ने उनका सब कुछ उजाड़ दिया है। उन्होंने भगवान से उम्मीद है कि सभी लोग सुरक्षित और ठीक हैं। परिजन अब भगवान से किसी चमत्कार की उम्मीद लगाए बैठे हैं।



अधिकारी दायी का निवास।

घर पर दिनभर रिश्तेदार और पड़ोसी पहुंचे, हालचाल पूछा

देविका अधिकारी व विष्णु अधिकारी का रो-रोकर बुरा हाल है। ऐसे में भोपाल में रहने वाले रिश्तेदार, दोस्त व पड़ोसी जैसे ही इस घटना की जानकारी मिली, वह लोग उनसे मिलने घर पहुंच रहे हैं। उनसे हाल-चाल पूछा। सभी लोग उनको उम्मीद बना रहे हैं। वह लोग सुरक्षित होंगे।

लंबित बिलों की गुगलान प्रक्रिया आगे बढ़ाने वाले वे दो कार्य

रिश्वत लेते बीएसएनएल के दो वरिष्ठ इंजीनियर सीबीआई के हथ्थे चढ़े

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गुरुवार को रिश्तत लेते बीएसएनएल के चीफ इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल) और सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल) को गिरफ्तार किया है। सीबीआई के अनुसार दोनों अधिकारियों के खिलाफ 27 अगस्त को मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि जबलपुर की एक फर्म, जो बीएसएनएल के ऑपरेशन एंड कॉमिनिस्टिव मॉन्टैनेंस और इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशन से जुड़े कार्य कर रही थी। उसके लंबित बिलों के भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के एवज में दोनों अधिकारियों ने प्रत्येक से 2 लाख रुपये की रिश्तत मांगी थी। यह बिल बीएसएनएल के 14 अलग-अलग कामों से संबंधित थे। शिकायत के आधार पर सीबीआई ने गुरुवार को ट्रेन कार्रवाई की। इस दौरान दोनों अधिकारियों को 75-75 हजार रुपये की रिश्तत लेते रहे हाथों गिरफ्तार किया गया। यह रकम उनके द्वारा मांगी गई 2-2 लाख रुपये की रिश्तत की पहली किस्त है। सीबीआई द्वारा आरोपितों के भोपाल, लखनऊ और कानपुर स्थित आवासीय एवं कार्यालय परिसर में तलाशी की जा रही है।

जैकेट का शेष...

जबलपुर में हर साल ...

है। जबलपुर में इस परियोजना के माध्यम से प्रतिवर्ष 80 टैंकों को ओवरहाल किया जा सकेगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और रक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर रक्षा उत्पादन सचिव संजीव कुमार, एवीएनएल के सीएमडी सत्यकांत मुखर्जी और रक्षा उत्पादन विभाग, एवीएनएल और रक्षा बलों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

रक्षा मंत्रालय को...

गया। यह उद्योग अनुकूल नीतियां राज्य में औद्योगिक इकाइयों को आकर्षित कर रही हैं। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में डिफेंस सेक्टर की मैय्यूफैक्चरिंग युनिट और इसमें 16 हजार करोड़ रुपए से अधिक का निवेश राज्य की सोच को दर्शाता है। मध्यप्रदेश में स्पेस, एयरो एंड डिफेंस मैय्यूफैक्चरिंग हब बनाने की मजबूत नींव रखी जा रही है। जबलपुर नई टेक्नोलॉजी के साथ डिफेंस मैय्यूफैक्चरिंग में हब बनेगा। सिंह ने इन सभी उपलब्धियों के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

डॉ. यादव ने कहा...

धरती से बाँझ की रक्षा के लिए नए प्रकल्प की शुरुआत हो रही है। आज जबलपुर को लगभग 475 करोड़ से अधिक लागत की नई परियोजना की सोगात मिली है। परियोजना की आर्मंड फैक्ट्री ने अपने काम के बल पर देशभर में विशेष पहचान बनाई है।

रक्षा क्षेत्र में निवेश...

की दिशा में भी काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में निवेश से मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी।

कुबेरेश्वरधाम से लौट ...

अटैंड किया। उसके साथ केवल उसकी माँ और बहन थीं। परिजन ट्रेन से ही डीवैट और एंबुलेंस बुलाने की मांग कर रहे थे। उनका कहना था कि वे अकेले युवक को ट्रेन से उतारकर सड़क तक कैसे ले जाएंगे। गाई पीके सिंह ने परिवार को मरोसा दिलाया कि ट्रेन को आगे ले जाने की चिंता न करें और पहले मरीज को अस्पताल पहुंचाना जरूरी है। इसके बाद मालवा एक्सप्रेस के चार-पांच यात्रियों की मदद से युवक को कोच से उतारा गया। पास में खड़े एक

अन्य वाहन के रास्ते से उसे आगे ले जाकर ऑटो तक पहुंचाया गया। ऑटो से युवक को अस्पताल ले जाया गया। इस पूरी प्रक्रिया में करीब आधे घंटे तक ट्रेन को रोकें रखा गया। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने यात्रियों से कहा था कि वे मरीज को सड़क तक पहुंचाने में मदद करें, ट्रेन को वह खुद चलाएंगे। यात्रियों की मदद से युवक को ऑटो तक पहुंचाने के बाद ट्रेन को रवाना किया गया।

सीहोर में जल...

ने ट्रेन के गाई और यात्रियों का आभार जताते हुए कहा कि अगर समय पर मदद नहीं मिलती तो परेशानी बढ़ सकती थी। उनका कहना था कि ट्रेन में मौजूद रेलवे स्टॉफ और यात्रियों ने मिलकर युवक को अस्पताल तक पहुंचाने में मदद की।

रतलाम में शक्कर...

शक्कर शक्कर पी गया तेल और महंगाई मुक्त भारत जैसे नारे लिखे थे। खरगोन में कांग्रेस ने हल्ला बोल रेली निकाली। बिना चीनी की चाय बनानेकर महंगाई का विरोध किया। शाजापुर में कांग्रेस ने महंगाई की शय्यात्रा निकाली। श्योपुर में कार्यकर्ताओं ने रेली बिकालकर बिजली बिल, गैस सिलेंडर, शक्कर के दाम और ई-20 इंधन की कीमतों को लेकर विरोध जताया।

सैलाना में ‘महंगाई’...

ने राहगीरों को शक्कर बांटी। साथ ही कार्यकर्ता ‘महंगाई डायन खाए जात’ गीत के साथ शहर के प्रमुख स्थानों से होते हुए तहसील कार्यालय पहुंचे। यहां राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मेहर में जिला कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेश घई के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ता गले में प्याज की माला, हाथ में खाली गैस सिलेंडर और चाय की पेटली लेकर घंटाघरा चौक से एसडीएम कार्यालय तक पैदल मार्च कर पहुंचे। एसडीएम के नहीं मिलने पर कांग्रेस कार्यकर्ता कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। बाद में एसडीएम दिव्या पटेल के पहुंचने पर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया। कांग्रेस ने पेट्रोल-डीजल, गैस और खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों पर तत्काल नियंत्रण की मांग की।

नेपाल में आया...

हैं। पीएम लगातार हालात की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को नेपाल के हालात को लेकर बड़ी बैठक की। इसमें विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के साथ ही काठमांडू और बीजिंग में भारत के राजदूत भी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि बाद प्रभावित इलाकों में सभी भारतीयों की स्थिति और उनकी सलामती का पता लगाने के लिए तेजी से कोशिशें की जा रही हैं। एमआईए इस मामले में अलग-अलग मंत्रालयों, राज्य सरकारों, टूर ऑपरेटर्स और प्रोजेक्ट अधिकारियों के साथ तालमेल बिठा रहा है। हम इस पहलू और राहत कार्य, दोनों पर ही नेपाली पक्ष के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। राहत और बचाव कार्यों में मदद के लिए बुधवार को दस टन मानवीय सहायता की पहली खेप के बाद गुरुवार को भी भारत ने दूसरी 37.5 टन खेप रवाना कर दी है।

पांच बड़े समूह ...

तरफ फंसे हुए हैं। नेपाल में फंसे तमिलनाडु के 21 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सभी भारतीय नागरिक कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल गए थे।

मंत्री विजय शाह...

दिए जाने के बाद भी कोई एक्शन नहीं ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि जल्दी ही भूतपूर्व सैनिक विजय शाह के खिलाफ सड़कों पर उतरेंगे।



M.P. MADHYA KSHETRA VIDYUT VITARAN CO. LTD.
 (A Govt. of M. P. Undertaking)
OFFICE OF THE DY. GENERAL MANAGER (O&M) DIVISION-GANJBASODA
 E-Mail : dgmganjbasoda@gmail.com

No. : DGM/O&M/PUR/5262

OFFER FOR HIRING VEHICLE

MPMKVVCL hereby invited offer/rate for hiring the below mentioned type of vehicle in the following locations :-

Name of Unit/Office	Particulars	Due Date of Submission of Offer	Opening Date & Time
Manager Basoda (T) Under O/o DGM (O&M) Division Ganjbasoda	Type-G2 Light Commercial Vehicle (Non-AC) (02 to 03 Metric Ton) Truck or etc. or equivalent for as per Vehicle Policy	01.09.2026 up to 12:00 PM	01.09.2026 at 12:15 PM

Other details, terms and conditions are available on company website: <https://portal.mpcz.in> or the under signed office.
 M.P. Madhyam/127795/2026

DGM (O&M)

पेज एक का शेष...

इंदौर में सिंधिया

गए। डीसीपी जोन-1 नरेंद्रसिंह रावत के अनुसार हदसे में घायल हुए युवकों की पहचान कमल परमार (पिता नानसिंह परमार, निवासी झाड़ुआ) और मीनू (पिता सुखराम, निवासी लिंबोदी, इंदौर) के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर दोनों घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। मामले में पुलिस का कहना है कि प्राथमिक तौर पर बाइक सवार युवकों के अचानक काफिले के बीच में आ जाने के कारण यह हादसा हुआ। हालांकि, पुलिस ने अभी तक टक्कर मारने वाले विशिष्ट वाहन को लेकर कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी नहीं किया है। फिलहाल पुलिस पूरी घटना की जांच कर रही है और जांच के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

गवालियर में 2 ...

नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है।दिन का पारा औसतन दो डिग्री गिरकर सामान्य से औसतन 4 डिग्री तक नीचे पहुंच गया। इससे उमस गर्मी से राहत रही। दलिया में सर्वाधिक 8 डिग्री तक नीचे दर्ज हुआ है। यहां अधिकतम तापमान 25.7 डिग्री रहा। बैतूल, भोपाल, दमोह, गुना, ग्वालियर, नर्मदापुरम, नौगांव, राजगढ़, सागर, टीकमगढ़ आदि जिलों में सामान्य से 4 से 7 डिग्री तक नीचे रहा है। कई जिलों में भारी से तेजे बारिश के बीच नदियों का जल स्तर बढ़ा है, जिससे सामान्य हालात खिगड़ गए।

आज यहां भारी से अति भारी बारिश: शुक्रवार तक छतरपुर, टीकमगढ़, बिवाड़ी में कुछ जगह अति भारी बारिश का अंरिज अलर्ट है। राजगढ़, बैतूल, आगर, गुना, शिवपुरी, दलिया, मिंड, सीधी, रीवा, उमऊंग, सतना, शहडोल, छिंदवाड़ा, मंडला, पन्ना, दमोह, मेहर में भारी बारिश का यलो अलर्ट है। भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, बुरहानपुर, खंडवा, बड़वानी, अलीराजपुर, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, शाजापुर, मंदसौर, नौमवा, अशोकनगर, ग्वालियर, मुरैना, उमरिया, डिंडोरी, जबलपुर,नरसिंहपुर, सिवनी, बालाघाट, सागर,पाटणा में हल्कों से मध्यम बारिश होगी।

पटेल ने कहा कि सीएसपी आम जनता और वरिष्ठ अधिकारियों के बीच की मुख्य कड़ी होता है, इसलिए भ्रष्टाचार मुक्त और गंभीर चरित्र वाले अधिकारियों की पदस्थापना बेहद जरूरी है ताकि जनता का पुलिस पर विश्वास बहाल हो सके।

कार्यालय नगर पालिका परिषद अशोकनगर (म.प्र.)					
Email: cmoashoknagar@mpurban.gov.in Ph No 07543-222811					
क्रमांक / तकनीकी /2026/5814			अशोकनगर दिनांक :- 25/08/2026		
// द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना //					
निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।					
क्र.	टेंडर क्रमांक / जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत (LAKHS)	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा अंतिम दिनांक
1.	2026_UAD-532643_1 दिनांक :- 27/08/2026	मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना चतुर्थ अंशगत निकाय क्षेत्रांतर्गत विभिन्न बाडों में पेवर्स ब्लॉक लगवाई कार्य।	1.06 माह 2. 253.98 लाख	1. ₹15000/- 2. ₹127000/-	28/09/2026
निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन ऑनलाइन वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।					
मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगरपालिका परिषद अशोकनगर					

खंड-I

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश शासन

कार्यालय - उत्तर बैतूल (सा.) वनमंडल, जिला बैतूल, मध्यप्रदेश

ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 5049 / ई-टेंडरिंग/2026-27 दिनांक 21/08/2026

वनमंडलाधिकारी, उत्तर बैतूल (सा.) वनमंडल द्वारा म.प्र. भंडार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित-2022) के अंतर्गत निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सामग्री का विवरण	स्पेसिफिकेशन	मात्रा	सत्यांकार निधि	निविदा दस्तावेजों का मूल्य
1.	वाहन	बोलरो 7 सीटर ए.सी. BS VI किराया वाहन	05 नग	40,000/-	500/-
2.	वाहन	डबल कैब/ डबल कैबिन पिक अप वाहन	01 नग		

1. निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्वोरमेंट पोर्टल पर नि:शुल्क देखे और डाउनलोड किए जा सकते है।

2. इच्छुक निविदाकार क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड/ कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई-प्रोक्वोरमेंट पोर्टल पर दिनांक 27/08/2026 शाम 05.00 PM बजे से निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय तक केवल ऑनलाईन खरीद सकते है।

3. ई-प्रोक्वोरमेंट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लेखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होगी।

4. ई-निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धिपत्र / परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्रों में नहीं।

5. ई-प्रोक्वोरमेंट पोर्टल: <https://www.mptenders.gov.in/>

जी - 17798/26

स्वच्छता ही सेवा

वनमंडलाधिकारी
उत्तर बैतूल (सा.) वनमंडल

खंड-II

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश शासन

कार्यालय - उत्तर बैतूल (सा.) वनमंडल, जिला बैतूल, मध्यप्रदेश

ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 5045/ ई-टेंडरिंग/2026-27 दिनांक 21/08/2026

वनमंडलाधिकारी, उत्तर बैतूल (सा.) वनमंडल द्वारा म.प्र. भंडार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित-2022) के अंतर्गत निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सामग्री का विवरण	स्पेसिफिकेशन	मात्रा	सत्यांकार निधि	निविदा दस्तावेजो का मूल्य
1.	टाईल्स चिट्ठीफाईड	ISI 2'X 2' Single Charge	1000 SQFT.	12000/-	500/-
2.	टाईल्स चिट्ठीफाईड	ISI 2'X 2' Multi Charge&Double Charge			
3.	टाईल्स रोजेज	ISI 12"X 18", 12"X 18" (Waterproof)	800 SQFT.	12000/-	
4.	हाइड्रोलिक पॉयिंग ब्लाक्स	60 एम.एम. प्रति वर्गफुट (Coloured & Polished)			

1. निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्वोरमेंट पोर्टल पर नि:शुल्क देखे और डाउनलोड किए जा सकते है।

2. इच्छुक निविदाकार क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड/ कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई-प्रोक्वोरमेंट पोर्टल पर दिनांक 27/08/2026 शाम 05.00 PM बजे से निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय तक केवल ऑनलाईन खरीद सकते है।

3. ई-प्रोक्वोरमेंट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लेखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होगी।

4. ई-निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धिपत्र / परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्रों में नहीं।

5. ई-प्रोक्वोरमेंट पोर्टल: <https://www.mptenders.gov.in/>

वनमंडलाधिकारी

उत्तर बैतूल (सा.) वनमंडल

जी - 17799/26

स्वच्छता ही सेवा



माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय

माखनपुरम परिसर, म.प्र. राज्य शूटिंग अकादमी के पास
बिसनखेड़ी, भोपाल-462044 (म.प्र.), फोन नंबर : 0755-2552574

पुस्तक प्रकाशन हेतु द्वितीय संशोधित निविदा सूचना

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के प्रकाशन हेतु 01 पुस्तक "दो सदी साक्षी" प्रकाशित की जानी है। इन पुस्तकों के प्रकाशन हेतु दरे आमंत्रित है। विस्तृत जानकारी, निविदा फार्म एवं अन्य विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। निविदा दिनांक 03 सितम्बर 2026 सायं 3:00 बजे प्रकाशन विभाग में जमा की जानी है जोकि उसी दिन 3.30 बजे खोली जाएगी।

म.प्र. माध्यम/12777/2026

कुलसचिव

प्रथम पुण्य तिथि

जन्म तिथि

10/04/1996

अवसान तिथि

28/08/2025

स्व.श्रीमती आकृति द्विवेदी

अवकू तुम्हें दुर्दैव ने हमसे आज ही के दिन छीन लिया था।
हम तुम्हें सदैव याद करते हैं।

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

शोकालुल परिवार

मनोज्ञ द्विवेदी, वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी
म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, भोपाल
अध्यक्ष, पब्लिक रिलेशंस सोसायटी ऑफ इंडिया (भोपाल चैप्टर)

आवश्यकता है

खरीदना है

बेचना है

व्यापार

चिकित्सा

उद्योगिष

डिप्ले वेडिज्ञापन

हरिभूमि

क्लासीफाईड

संपर्क सूत्र : 9407279644

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे ।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक लिंगको 8-9 इन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये । सेक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं। नरों की कमजोरी नाबर्दी,धातु का पतलापन,शुगर,वी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नहीं तो पैसे वापिस ।
90983218330

R-30-07-2026,10 11-08-26

SUNDAY HOLD

हरिभूमि

रनिंग क्लासीफाइड उठावना, शोक संदेश, जन्मदिन, आमसुचना आम/कोर्ट नोटिस

हरिभूमि
उत्तरवर्ती नौ, विहार 01

भोपाल बाजार

विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
मो. 9407279644

प्लाट मात्र

3,55,000

हजार में

आसान किश्तों पर

साईट:-

220 फिट रिंग रोड न्यू

बायपास से लगी हुई

डायवर्सन एवं NOC एप्पूड

ऑफिस इंडिया प्रोपर्टी करैंड भोपाल

मो. 7772079910



Medical Help Line

विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद

सफेद दाग

चर्म रोग, पित्ते की पथरी, गुर्दे की पथरी

44 वर्षों का होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा का अनुभव

Dr. Safi's

HOMEOPATHIC CLINIC

कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें।

M. 9425006131, 8871714432

Timing

10:30 am to 8:00 pm

5/4, संजय कॉम्प्लेक्स माता संदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सोलत मंजिल पुरानी कजियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

शब्द पहेली - 6330									
1	2			3		4			
5			6	7		8		9	10
				11				12	
13	14	15		16	17		18	19	
	20		21				22		
							24		
	25	26						28	29
30				31		32		33	34
			35			36		37	
38	39		40					41	
	42						43		

बारें से दाए-

1.सेवक,दास-3
3.निवास करना-3
5.खुजली-2
6.परोपकारी-5
9.प्याला,जाम-2
11.टोंटी,नलका-2
12.आनंद,बूस-2
13.प्रतिज्ञा,शपथ-3
16.सिमरन,सुमरन-3
18.युअर-3
20.पेन,लेखनी-3
22.कमल,जलज-3
23.क्रोध,गुस्सा-2
24.पाश,फंदा-2
25.शोषण करना-3
28.गौरव,प्रशंसा-3
30.सूत कातने का साधन-3
31.गौरव-3
33.देवीपू-3
35.अंधकार-2
36.यमराज-2

38.अलमस्त-2
40.सलाह देने वाला-5
41.बीता दिन-2
42.रसदार-3
43.इंद्रियों को जीतने वाला-3
ऊपर से नीचे
1.उर्वरक-2
2.विशाल,श्रेष्ठ-3
3.धनवान,संपन्न-3
4.प्राणोद्विग,इज्जत-2
5.दैत्य,असुर-3
7.मायाजाल-3
8.उद्धार,पार लगाना-3
10.शरण,आश्रय-3
14.चूर-चूर,बहा-5
15.टोंटी,नलका-2
17.युद्ध,संग्राम-2
18.दुल्हन-2
19.राजपुत्र-5
21.मद्रास का समुद्र तट-3
22.नीले रंग का

बहुमूल्य रत्न-3

26.मित्र,दोस्त.मीत-2
27.हूर,अप्सरा
29.महेंदी-2
30.शीर्ष,पराकाष्ठा-3
31.इसमें पौधा लगाते हैं-3
32.पीहर,नैहर-3
34.युक्तिवाद,पैरवी-3
35.टब,परात,तगारी-3
37.इच्छा-3
39.परत,तह-2
41.कदर,सम्मान-2

शब्द पहेली - 6329 का हल

क	म	ल	क	र	कु	रा	न		
बा	न	र	कै	ला	श	घ	ला		
ब	म	क	आ	वि	द	क	स	क	य
क	या	क	ल	क	ल	ली			
क	आ	स	ल	रा	श				

कार्यालय सेनानी, 25वीं वाहिनी विसबल, भोपाल
दूरभाष/फैक्स नं.-0755-2443748
Email: c025bn_saf@mpmpolice.gov.in

दिनांक 24/08/2026

क्र.- 25वीं वाहिनी/विसबल/सा.अ./3309/2026,

// खुली निविदा विज्ञापि //

वित्तीय वर्ष 2026-27 में पुलिस मुख्यालय म.प्र., भोपाल द्वारा इकाई को लेखाशीर्ष मांग संख्या "4492-32-000 लघु निर्माण मद्र" विनियमित बजट राशि के अंतर्गत इकाई को डीजीपीआर कोत के पास नवीन शोड निर्माण का कार्य को खुली निविदा हेतु म.प्र. ऑनलाईन ई-टेंडर पोर्टल <https://mptenders.gov.in/en> पर खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। खुली निविदा विज्ञापित का ऑनलाईन प्रकाशन कार्यालय द्वारा जारी दिनांक से दिनांक तक माध्य योगी, खुली निविदा विज्ञापित का प्रारूप निम्नानुसार है।

क्र.	कार्य का विवरण	प्रशहरे राशि	निविदा दर	प्राक्कलन एजेंसी	प्रदाय कार्यालय (एफ.ओ.आर.)
01	इकाई को डीजीपीआर कोत के पास नवीन शोड निर्माण का कार्य	110000.00	1000.00	म.प्र. पु. अ. एवं अघो. विकास निगम भोपाल	सेनानी, 25वीं वाहिनी विसबल भोपाल

- खुली निविदा प्रपत्र दस्तावेजों को म.प्र. टेंडर पोर्टल <https://mptenders.gov.in> पर अनिवार्य रूप से ऑनलाईन अपलोड करना होगा।
- खुली निविदा म.प्र. टेंडर पोर्टल <https://mptenders.gov.in> पर ऑनलाईन खोली जायेगी।
- माध्य प्रवेश पुलिस को ऑनलाईन वेबसाइट <https://mp.police.gov.in/en/tenders> पर खुली निविदा की प्रपत्र, विस्तृत जानकारी डाउनलोड हेतु उपलब्ध रहेगी।
- समय सारणी :-

01 निविदा प्रकाशन दिनांक	दिनांक 25/08/26 समय 10 बजे।
02 निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने का दिनांक	दिनांक 25/08/26 समय 10.00 बजे।
03 निविदा जमा करने का प्रारंभ दिनांक	दिनांक 25/08/26 समय 10:00 बजे।
04 निविदा जमा करने का अंतिम दिनांक	दिनांक 07/09/26 समय 16:00- बजे।
05 निविदा तकनीकी बिड खोलने का दिनांक	दिनांक 08/09/26 समय 16:30 बजे।
- निविदाकर्तागण से अनुरोध है, कि खुली निविदा से संबंधित संशोधन, शुद्धि प्रश्न आदि वेबसाइट पर ही अपलोड किये जायेंगे अतः वेबसाइट पर अग्रगण्य रहे।
- निविदा में दशार्थ दिनांक/समय पर निविदा खोली जावेगी, निविदा खोलने के उपरान्त तकनीकी निविदा में योग्य पाए गए निविदाकर्ताओं एवं वित्तीय निविदा को जानकारी वेबसाइट के माध्यम से बाद में सूचित की जावेगी।

(नगेन्द्र सिंह)
सेनानी

जी - 17784/26

स्वच्छता ही सेवा

25वीं वाहिनी वि.स.बल, भोपाल

चिंतन

हिमालय पर कम हो मानवीय दबाव

नेपाल-तिब्बत सीमा पर आई अचानक बाढ़ ने हिमालय की उस चेतावनी को फिर सामने ला दिया है, जिसे हम बार-बार सुनकर भी अनसुना करते रहे हैं। अब तक 359 शव बरामद होने और करीब 1,500 लोगों के लापता होने की खबर किसी सामान्य प्राकृतिक आपदा का आंकड़ा नहीं है। यह हिमालयी क्षेत्र में बढ़ते पर्यावरणीय संकट की भाषावह तस्वीर है। भारत के 288 नागरिकों से संपर्क न होना और 21 भारतीयों का सुरक्षित बचाया जाना इस त्रासदी की सीमा को और स्पष्ट करता है। सवाल अब यह नहीं कि ऐसी आपदा क्यों आई, बल्कि यह है कि अगली आपदा कितनी बड़ी होगी? एक रिपोर्ट के मुताबिक हिमालय पर एक और झील फटने पर अचानक बाढ़ का खतरा है। कोसी, यारलुंग जांग्पो, मानस और ऊपरी सिंधु नदी घाटियां विशेष रूप से संवेदनशील मानी गई हैं। यानी नेपाल की त्रासदी को केवल एक घटना मानकर भूल जाना खतरनाक होगा। हिमालय के भीतर ऐसे कई संभावित खतरे जमा हैं, जो किसी भी समय बड़ी तबाही का कारण बन सकते हैं। भारत भी इससे सुरक्षित नहीं है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और सिक्किम की कई नदी घाटियां जोखिम में हैं। उत्तराखंड की स्थिति तो और चिंताजनक है। अलकनंदा बेसिन में 219 हॉिंग ग्लेशियरों की मौजूदगी सामने आई है। इनके टूटने पर केवल बर्फ ही नहीं, बल्कि चट्टान और मलबा भी तेज गति से नीचे आ सकता है। इस संकट की जड़ में जलवायु परिवर्तन है, लेकिन पूरी जिम्मेदारी केवल बढ़ते तापमान पर डालकर हम बच नहीं सकते। हिमालय पर मानवीय दबाव लगातार बढ़ा है। सड़कें, सुरंगें, जलविद्युत परियोजनाएं, होटल, भवन और अनियोजित निर्माण पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना को कमजोर कर रहे हैं। जब हम उस व्यवस्था में जरूरत से ज्यादा हस्तक्षेप करते हैं तो भारी बारिश या ग्लेशियर टूटने जैसी प्राकृतिक घटना विनाशकारी बन जाती हैं। धार्मिक पर्यटन और बढ़ती मानवीय आवाजाही ने भी समस्या को गंभीर किया है। हिमालय आस्था का देवदूत है, लेकिन आस्था के नाम पर उसकी वहन क्षमता को नकारना दूरदर्शिता नहीं है। लाखों लोगों की आवाजाही, वाहनों का दबाव और कचरे का बढ़ता बोझ उस पारिस्थितिकी तंत्र को कमजोर कर रहा है। जो पहले ही तापमान वृद्धि का सामना कर रहा है। अब समय राहत के बाद सब कुछ भूल जाने का नहीं, अपादा से पहले जोखिम घटाने का है। सरकारों को हर बड़ी परियोजना से पहले हिमालय की वहन क्षमता का कठोर आकलन करना होगा। संवेदनशील क्षेत्रों में निर्माण सीमित करना होगा, झीलों और ग्लेशियरों की लगातार निगरानी करनी होगी और स्थानीय आबादी को समय रहते चेतावनी देने की व्यवस्था मजबूत करनी होगी। प्रकृति को चुनौती देकर विकास हासिल नहीं किया जा सकता। हिमालय कमजोर होगा तो उसकी कीमत पहाड़ ही नहीं, मैदान भी चुकाएंगे। हमें तय करना होगा कि हिमालय को विकास के नाम पर कितना और काटना है। क्योंकि पहाड़ कम होंगे तो दबाव नहीं घटेगा, हमारी मुश्किलें बढ़ेंगी। हिमालय को बचाने का पहला रास्ता उस पर बढ़ता मानवीय दबाव कम करना ही है।

विज्ञापन विवाद

डॉ. मोनिका शर्मा



परंपरागत भाव-चाव को बेरंग करने की कुत्सित सोच

फिल्मी दुनिया के चर्चित चेहरों और विज्ञापन कंपनियों द्वारा भारतीय पर्वों और परम्पराओं का उपाहास उड़ाने के प्रवृत्ति कई बार दिखी है। कभी पहनावे के विचित्र रंग-ढंग तो प्रस्तुतीकरण में भावनाओं से खेलने का इरादा। स्पष्ट दिखता है कि इनके लिए न तो जनभावनाओं की अहमियत है और न ही इन्हें रीति-रिवाज के पारिवारिक रंगों को बेरंग की फिक्र है। एक ज्वेलरी ब्रांड के विज्ञापन को लेकर आ रही आमजन की प्रतिक्रियाएं बताती हैं कि इस बार भी यही खेल खेला गया है। सवाल यह है कि सामाजिक समरसता और जुड़ाव के भाव को पोसने वाले सहज विज्ञापन क्यों नहीं बनाए जा सकते? साथ ही प्रश्न यह भी उठता है कि प्रस्तुतीकरण और हैरान-परेशान करने वाली संकल्पना का अंदाज हर बार केवल एक समुदाय के त्योहारों के साथ ही क्यों अपनाया जाता है? ध्यातव्य है कि विवादित विज्ञापन में अभिनेत्री कृति सेनन के परिधान और अपने कुत्ते को राखी बांधने की बात आमजन को खटक रही है। कहना गलत नहीं होगा कि विज्ञापन में अभिनेत्री द्वारा जैसे कपड़े पहने गए हैं, रक्षाबंधन का पावन पर्व मनाते हुए आम परिवारों में तो नहीं पहने जाते। राखी का त्योहार भाई-बहन के स्नेह साथ से जुड़ा एक सुंदर पर्व है। आज भी सभी परिवर्जन-स्वजन मिलकर यह त्योहार मनाते हैं। घर-परिवार के गरिमामयी परिवेश में जीवनशैली के ऐसे रंग तो नहीं ही दिखते। जबकि करीब 35 सेकंड के इस विज्ञापन में कृति सेनन रक्षाबंधन मनाते हुए सफेद रंग का लहंगा और साथ में डीप-नेक ब्रांलेट स्टाइल का ब्लाउज पहनने दिखती हैं। साथ ही अपने पालतू कुत्ते को भी राखी बांधती हैं। यह सब एक पावन त्योहार का मजाक उड़ाने की जानबूझकर ही गई कोशिश ही प्रतीत होता है।आमजन की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले इस विवादित विज्ञापन को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि त्योहार या संस्कृति को पहनावे से नहीं जोड़ना चाहिए। एक महिला होने के नाते, उन्हें क्या पहनना चाहिए ये उन्हें नहीं बताया जाए। राहुल गांधी ने उनका समर्थन करते हुए इंस्टाग्राम पर उनकी स्टोरी को शेयर किया है। साथ ही राहुल गांधी ने कहा है कि 'एक महिला क्या पहनती है, क्या करती है और कहाँ जाती है - यह उनकी परंपरा है। महिलाओं को उनकी आजादी का इस्तेमाल करने के लिए एलत करना बंद करो।' इस पोस्ट के साथ नेता प्रतिपक्ष ने हैशटैग 'स्पेश ड पेटीयाकी' (पितृसत्ता को तोड़ो) का भी इस्तेमाल किया है। वहीं अभिनेत्री और सांसद कंगना राणावत द्वारा अपनी पोस्ट में कही बात का अर्थ यह है कि हमारे पास परिधानों के बहुत से विकल्प होते हैं। स्टाइल के नाम पर अजब-गजब प्रयोग करने के बजाय त्योहारों को परंपरा और शालीनता के साथ भी मनाया जा सकता है। वस्तुतः, रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन को ही नहीं पारिवारिक सम्बन्धों को भी जोड़ता है। प्रेम व दायित्व निर्वहन का यह सूत्र भाई-बहन के रिश्ते को ही नहीं पारिवारिक परिवेश में भी अपनेपन को पोषित करता है। बिखरते रिश्तों के मौजूदा दौर में सम्बन्धों को संजीवनी से सहेजने और दृढ़ता से थामे रखने की सोच को बल देता है। यह रिश्ता बच्चों के लिए भौतिक और भावनात्मक सहारे का स्रोत होता है। जो अकेलेपन और अवसाद से बचाने की भी क्षमता रखता है। सुखद है कि नई पीढ़ियां भी इस डोर के स्नेह से जुड़ी रहती हैं। मेल-मिलाप और रिश्तों के मायने समझती हैं। ऐसे में परंपरागत भाव-चाव से परे इस विज्ञापन में शामिल कई चीजें पर्व की गरिमा और जुड़ाव को ठेस पहुंचाने वाली लगती हैं। पहनावे के इस अंदाज और विज्ञापन की संकल्पना को लेकर सोशल मीडिया पर लोगों द्वारा आपर्ति जताना भी इसी बात की तस्दीक करता है। विडम्बना ही है कि हर बार त्योहारी मौसम में आस्था का रंग ही नहीं, उपाहास का बेरंग बर्ताव भी खूब देखने को मिलता है। व्रत-उत्सवों को लेकर अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर कुछ भी परोसने का व्यवहार आम हो चला है। विज्ञापनों से लेकर व्यक्तिगत पोस्ट्स तक, चर्चित चेहरे और कम्पनियां खूब नकारात्मकता परोसती हैं। अब तो कम्बोवेश हर त्योहारी रीत-रिवाज का ही मजाक बनाया जाता है। जान-बूझकर पर्वों के परंपरागत रंगों को धूमिल करने का प्रयास किया जाता है। असल में यह सोशल मीडिया मंचों पर चर्चा पाने का एक सरता तरीका बन गया है। पहले भी देखने में आया है कि बहुत से उत्पादों, सेवाओं और कंपनियों द्वारा प्रचार पाने की लालसा में सोची-समझी संकल्पना के साथ ऐसे विज्ञापन बनाए गए हैं। विडम्बना है कि विवादित या आलोचनात्मक कंटेन्ट वाले विज्ञापन बनाकर सार्वजनिक रूप से नकारात्मक चर्चा पाना भी उपलब्धि मानी जाने लगी है। निःसंदेह, परंपरागत पर्वों को लेकर कुछ न कुछ नकारात्मक जोड़ने या सकारात्मक भाव-चाव को पीछे कर देने का खेल जनमानस को ठेस पहुंचाने वाला है।

(लेखिका स्वर्ण संतकर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



मुद्दा

राज कुमार सिन्हा



पानी, मिट्टी, प्रदूषण के अलावा अनदेखा किया जाने वाला एक संकट कचरे का भी है। दूसरे जानलेवा मसलों की तरह कचरा भी धीरे-धीरे हमें अपने नीचे दबाने, मिटाने की ओर बढ़ रहा है। हरिद्वार की कांवड़ यात्रा के बाद घाटों पर करीब 8,000 टन कचरा छोड़ दिया जाना केवल सफाई व्यवस्था की समस्या नहीं है। यह उस गहरे संकट का संकेत है जिसमें धार्मिक आस्था, पर्यटन, उपभोग और हमारी कचरा संस्कृति पर्यावरणीय जिम्मेदारी से लगातार दूर होती जा रही है। आस्था का अधिकार सबको है, लेकिन आस्था के नाम पर प्रकृति को कचरे का ढेर बना देना किसी भी दृष्टि से स्वीकार्य नहीं हो सकता। पिछले वर्ष 2025 में केदारनाथ धाम में रिकॉर्ड 17 लाख 68 हजार लोगों ने बाबा केदार के दर्शन किए। इस विशाल धार्मिक यात्रा के साथ केदारनाथ धाम में लगभग 2,300 टन कचरे का पहाड़ भी जमा हो गया। हर यात्री ने औसतन डेढ़ किलो कचरा छोड़ा। यह कचरा गौरीकुंड से लेकर केदारनाथ धाम तक फैला था। इसमें करीब 100 टन प्लास्टिक और 2,200 टन अन्य कचरा था। उच्च हिमालयी क्षेत्र में जमा यह कचरा पारिस्थितिकी, जलस्रोतों, वनस्पतियों और वन्यजीवों के लिए गंभीर चुनौती है। समस्या केवल धार्मिक यात्राओं तक सीमित नहीं है। दिल्ली सरकार की 23 दिसंबर 2025 को एनजीटी को दी गई जानकारी के अनुसार शहर में प्रतिदिन 11,852 टन कचरा उत्पन्न होता है। इसमें से 7,611 टन यानी 64.2 प्रतिशत कचरे का प्रतिदिन प्रसंस्करण किया जाता है, जबकि लगभग 4,241 टन यानी 35.8 प्रतिशत कचरा प्रतिदिन डंपसाइटों भलस्वा और गाजीपुर में निपटान के लिए बच जाता है। इसका अर्थ है कि कचरे का पहाड़ केवल हिमालय या तीर्थस्थलों में नहीं बन रहा, बल्कि महानगरों के आसपास भी लगातार बढ़ रहा है। 'सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट' (सीएसई) की नई रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर दिन करीब 19 हजार टन प्लास्टिक कचरा पैदा होता है। इसमें से प्लास्टिक का 62 प्रतिशत पैकेजिंग के लिए इस्तेमाल होता है, जबकि वैश्विक औसत लगभग 40 प्रतिशत है। प्लास्टिक पैकेजिंग की खपत सालाना 8 से 9 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। ऑनलाइन खरीदारी ने इस संकट को और तेज किया है। एक सामान्य ऑनलाइन डिलीवरी में पॉली मेलर, प्लास्टिक रैप, टेप, लेबल और अतिरिक्त पैकेजिंग जैसी कई सामग्रियां शामिल होती हैं। प्रत्येक ऑनलाइन ऑर्डर के साथ नया पैकेजिंग कचरा पैदा होता है। ई-कॉमर्स बाजार जितना

मौजूदा दौर में कुछ मसले ऐसे हैं जिनके बारे में लगातार बोला-बताया तो जाता है, लेकिन उन पर कोई असर पड़ता दिखाई नहीं देता।

पानी, मिट्टी, प्रदूषण के अलावा अनदेखा किया जाने वाला एक संकट कचरे का भी है। दूसरे जानलेवा मसलों की तरह कचरा भी धीरे-धीरे हमें अपने नीचे दबाने, मिटाने की ओर बढ़ रहा है। हरिद्वार की कांवड़ यात्रा के बाद घाटों पर करीब 8,000 टन कचरा छोड़ दिया जाना केवल सफाई व्यवस्था की समस्या नहीं है। यह उस गहरे संकट का संकेत है जिसमें धार्मिक आस्था, पर्यटन, उपभोग और हमारी कचरा संस्कृति पर्यावरणीय जिम्मेदारी से लगातार दूर होती जा रही है।

आस्था का अधिकार सबको है, लेकिन आस्था के नाम पर प्रकृति को कचरे का ढेर बना देना किसी भी दृष्टि से स्वीकार्य नहीं हो सकता। पिछले वर्ष 2025 में केदारनाथ धाम में रिकॉर्ड 17 लाख 68 हजार लोगों ने बाबा केदार के दर्शन किए। इस विशाल धार्मिक यात्रा के साथ केदारनाथ धाम में लगभग 2,300 टन कचरे का पहाड़ भी जमा हो गया। हर यात्री ने औसतन डेढ़ किलो कचरा छोड़ा। यह कचरा गौरीकुंड से लेकर केदारनाथ धाम तक फैला था। इसमें करीब 100 टन प्लास्टिक और 2,200 टन अन्य कचरा था। उच्च हिमालयी क्षेत्र में जमा यह कचरा पारिस्थितिकी, जलस्रोतों, वनस्पतियों और वन्यजीवों के लिए गंभीर चुनौती है। समस्या केवल धार्मिक यात्राओं तक सीमित नहीं है। दिल्ली सरकार की 23 दिसंबर 2025 को एनजीटी को दी गई जानकारी के अनुसार शहर में प्रतिदिन 11,852 टन कचरा उत्पन्न होता है। इसमें से 7,611 टन यानी 64.2 प्रतिशत कचरे का प्रतिदिन प्रसंस्करण किया जाता है, जबकि लगभग 4,241 टन यानी 35.8 प्रतिशत कचरा प्रतिदिन डंपसाइटों भलस्वा और गाजीपुर में निपटान के लिए बच जाता है। इसका अर्थ है कि कचरे का पहाड़ केवल हिमालय या तीर्थस्थलों में नहीं बन रहा, बल्कि महानगरों के आसपास भी लगातार बढ़ रहा है। 'सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट' (सीएसई) की नई रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर दिन करीब 19 हजार टन प्लास्टिक कचरा पैदा होता है। इसमें से प्लास्टिक का 62 प्रतिशत पैकेजिंग के लिए इस्तेमाल होता है, जबकि वैश्विक औसत लगभग 40 प्रतिशत है। प्लास्टिक पैकेजिंग की खपत सालाना 8 से 9 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। ऑनलाइन खरीदारी ने इस संकट को और तेज किया है। एक सामान्य ऑनलाइन डिलीवरी में पॉली मेलर, प्लास्टिक रैप, टेप, लेबल और अतिरिक्त पैकेजिंग जैसी कई सामग्रियां शामिल होती हैं। प्रत्येक ऑनलाइन ऑर्डर के साथ नया पैकेजिंग कचरा पैदा होता है। ई-कॉमर्स बाजार जितना

बढ़ता जा रहा है, पैकेजिंग कचरे की मात्रा भी उतनी ही तेजी से बढ़ रही है। 'केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड' के अनुसार भारत में हर साल लगभग 39 लाख टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है। इसमें से लगभग आधा ही एकत्र किया जाता है और एकत्र किए गए कचरे में से भी लगभग 50 प्रतिशत का ही रिसाइकिल किया जाता है। शेष कचरा कहाँ जाता है? इसका बड़ा हिस्सा लैंडफिल, नदियों और समुद्रों में पहुँचता है या उसे जला दिया जाता है। जलाने से वायु-प्रदूषण और जहरीले उत्सर्जन का खतरा बढ़ता है। प्लास्टिक हमारे हवा, पानी और भोजन में भी प्रवेश कर रहा है। वर्ष 2000 से 2019



के बीच लगभग 3 करोड़ टन प्लास्टिक समुद्री वातावरण में जमा हुआ था। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि मौजूदा प्रवृत्ति जारी रही तो 2050 तक समुद्रों में मछलियों की तुलना में प्लास्टिक की मात्रा बहुत गंभीर स्तर तक पहुँच सकती है। पिछले वर्ष तमिलनाडु के जंगलों से एक ही दिन में 55 टन प्लास्टिक कचरा एकत्र किया गया था। कोयम्बटूर के निकट मारुथमलाई की तलहटी में एक गर्भवती हथिनी की मृत्यु हुई और उसकी आंत में प्लास्टिक की थैलियां पाई गईं। यह घटना बताती है कि मनुष्य द्वारा फेंका गया कचरा अंततः वन्यजीवों में प्रवेश कर रहा है। भारत में प्रतिवर्ष लगभग 70.73 लाख टन कपड़ा कचरा उत्पन्न होता है। इसमें लगभग 42 प्रतिशत हिस्सा फैक्ट्रियों और विनिर्माण इकाइयों का उपभोग-पूर्व कचरा है, जबकि 58 प्रतिशत हिस्सा उपभोक्ताओं द्वारा फेंके गए पुराने कपड़ों और घरेलू वस्त्रों का है। कपड़ा उद्योग का संकट केवल पुराने कपड़ों के कचरे तक सीमित नहीं है। कपड़ा रंगाई और प्रसंस्करण इकाइयों से निकलने वाला जहरीला और संदूषित पानी स्थानीय जलस्रोतों और भूजल को प्रदूषित कर सकता है। बिना रिसाइक्लिंग के फेंका गया कपड़ा लैंडफिल पर

शरीर के लिए जीवन एक यात्रा के समतुल्य

शरीर में समाहित ऊर्जापुंज को आत्मा कहा गया है। यह आत्मा अनंत ऊर्जा अर्थात परमात्मा का एक अति सूक्ष्म अंशमात्र है। भौतिक जगत में रहते हुए यह भौतिक शरीर एक यात्री के सदृश होता है। शरीर के जन्म के साथ ही यात्रा प्रारंभ होती है एवं मृत्यु के उपरांत समाप्त हो जाती है। अर्थात भौतिक शरीर के लिए जीवन एक यात्रा के समतुल्य है। जन्म के साथ ही ऊर्जापुंज अर्थात आत्मा भौतिक शरीर से संयुक्त होकर उसकी यात्रा में सहयात्री की भूमिका का निर्वहन करने लगता है एवं मरणोपरांत स्वयं को यात्रा से अलग कर लेता है। यह कहा जा सकता है कि भौतिक शरीर को यात्रा का आदि और अंत स्पष्टतः ज्ञात होता है, परंतु ऊर्जापुंज जिसे आत्मा कहकर संबोधित किया जाता है, अपनी यात्रा के आदि और अंत से सर्वथा अपरिचित होता है। आत्मा की यात्रा कब और क्यों प्रारंभ हुई तथा कब और क्यों पूर्ण होगी? इन प्रश्नों का हल आज भी एक चुनौती के रूप में खड़ा है। ऊर्जापुंज अर्णाित भौतिक शरीरों की भौतिक यात्रा में सहयात्री की भूमिका को निभाता हुआ अपनी अनंत दिव्ययात्रा को जारी रखता है। अर्थात आत्मा की इस अलौकिक यात्रा में अनंत लौकिक यात्राएं शामिल होती हैं। इस अलौकिक यात्रा के संबंध में केवल इतना ही कहा जा सकता है कि यह यात्रा अनंत से प्रारंभ होकर अनंत पर ही पूर्ण होगी, किंतु अनंत को परिभाषित करना भी असंभव है। अनंत को अज्ञात का पर्याय माना जा सकता है। प्रश्न यह उठता है कि इस अनंत गति को अनवरत जारी रखने के लिए आवश्यक बल किस स्नेत से प्राप्त होता है?

सेना के जवानों को राखी बांधी

वाराणसी। गुरुवार को वाराणसी में 137 सौईटीएफ बटालियन (टीएफ) 39 जीआर कैप में इक्षाबंधन के त्योहार से पहले महिलाओं ने सेना के जवानों को राखी बांधी ।

करंट अफेयर

बच्चों की पढ़ाई के लिए प्रिंस हैरी और मेगन ब्रिटेन लौटे

प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन मर्केल ब्रिटेन पहुंचे। ब्रिटिश मीडिया की खबरों में दावा किया गया है कि हैरी अपने बच्चों आर्ची और लिलिबेट के अगले महीने शुरू होने वाले नए स्कूल सत्र के लिए ब्रिटेन लौटे हैं। हैरी और मेगन के कैलिफोर्निया से निजी विमान से बर्मिंघम हवाईअड्डे पहुंचने की खबर है। माना जा रहा है कि परिवार लंदन के बाहर सुरम्य कॉट्सवोल्ड्स इलाके में स्थित एक निजी संपत्ति में रहेगा। इ्यूक और डेवेस ऑफ ससेक्स के प्रवक्ता ने बीबीसी से कहा, ‘यह ऐसी बात नहीं है जिस पर हम टिप्पणी करें ’ द डेली टेलीग्राफ’ ने एक सूत्र के हवाले से कहा, ‘ वे कितने समय तक रहेंगे? मुझे नहीं पता, लेकिन यह लंबा समय होगा। छह महीने, एक साल, दो साल... कौन जानता है।’ अखबार के मुताबिक, दंपति की योजना एक ‘अंतरराष्ट्रीय’ परिवार के रूप में रहने की है और वे अमेरिका तथा पुर्तगाल में अपने घर बरकरार रखेंगे। सात वर्षीय प्रिंस आर्ची और पांच वर्षीय प्रिंसेस लिलिबेट सितंबर में शुरू होने वाले शारद ऋतु सत्र से एक ब्रिटिश स्कूल में पढ़ाई करेंगे। हैरी और मेगन के ब्रिटेन लौटने की खबर पिछले सप्ताह आई थी। उस समय बकिंघम पैलेस ने कहा था कि वह शाही परिवार के ‘ नॉन वर्किंग’ सदस्यों से संबंधित घटनाक्रम पर टिप्पणी नहीं करता।



से कई की त्वचा का रंग सुंदर होता है और कुछ अविवशसनीय रूप से छोटे होते हैं। मेटक वास्तव में प्राकृतिक दुनिया के गहनों में से हैं, टोड के पिपरीत, जो – अपने अधिक सांसारिक रंगों और ‘मस्सेदार त्वचा’ के साथ – आमतौर पर अधिक लोगों का पसंद नहीं आते हैं। इनकी सुंदरता हमें उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के घने वर्षावनों में अधिकांश लोगों की दृष्टि से छिपी जीवत प्रकृति की प्रभावक संपदा से जोड़ती है। और वे हमें हमारे अपने आंगन में प्रकृति से भी जोड़ते हैं।

विचार हरिभूमि 06

संकट बढ़ा रहा प्लास्टिक कचरा

दबाव बढ़ता है और जैविक पदार्थ के सड़ने से मीथेन जैसी ग्रीनहाउस गैसें निकलती हैं। सीएसई के अनुसार आज दुनिया में बनने वाले 60 प्रतिशत से अधिक नए कपड़ों में किसी-न-किसी रूप में प्लास्टिक आधारित फाइबर का इस्तेमाल होता है। इसका मतलब है कि 'फास्ट फैशन' का संकट केवल कपड़ों की अधिक खपत नहीं, बल्कि प्लास्टिक की बढ़ती खपत और बिक्री के लिए नहीं, बल्कि उत्पाद के उपयोग के बाद पैदा होने वाले कचरे के लिए भी जवाबदेह बनाना होगा। सबसे पहले अनावश्यक उपभोग को कम करना जरूरी है। जिस पैकेजिंग की आवश्यकता नहीं है, उसका उत्पादन ही क्यों किया जाए? ऑनलाइन खरीदारी में अनावश्यक प्लास्टिक रैप और अतिरिक्त पैकेजिंग पर रोक होनी चाहिए। दूसरा कदम पुनः उपयोग है। ऐसी पैकेजिंग सामग्री को बढ़ावा दिया जाना चाहिए जिन्हें बार-बार इस्तेमाल किया जा सके। तीसरा कदम पुनर्चक्रण है, लेकिन रीसाइक्लिंग को हर समस्या का समाधान मानना भी गलत है। ऐसी सामग्री डिजाइन करनी होगी जिसे वास्तव में और आर्थिक रूप से रिसाइकिल किया जा सके। चौथा और सबसे महत्वपूर्ण कदम है जवाबदेही। उत्पादक कंपनियों को उत्पादक उत्तरदायित्व केवल कागजी अनुमोदन नहीं, बल्कि वास्तविक जिम्मेदारी के रूप में लागू करना चाहिए। तीर्थस्थलों और पर्यटन क्षेत्रों में विशेष कचरा प्रबंधन व्यवस्था होनी चाहिए। यात्रियों की संख्या के आधार पर कचरा-उत्पादन का अनुमान लगाया जाए, स्रोत पर कचरा अलग किया जाए, एकल-उपयोग प्लास्टिक पर प्रभावी रोक हो और तीर्थयात्रियों को 'जो लाएं, वापस ले जाएं' के सिद्धांत से जोड़ा जाए। धार्मिक यात्राओं और बड़े आयोजनों में आयोजकों, प्रशासन, स्थानीय निकायों और यात्रियों की साझा जिम्मेदारी बढ़ होनी चाहिए। सबसे बढ़कर उपभोक्ता संस्कृति में बदलाव जरूरी है। 'खरीदो, इस्तेमाल करो और फेंक दो' की संस्कृति को 'कम खरीदो, लंबे समय तक इस्तेमाल करो, पुनः उपयोग करो और पुनर्चक्रण करो' में संस्कृति में बदलना होगा। असली संकट यह है कि हमने विकास, सुविधा, उपभोग और आस्था को प्रकृति की सीमाओं से अलग कर दिया है। हमें तय करना होगा कि हमारी धार्मिक यात्रा किसी नदी को गंदा करके, किसी पहाड़ को प्लास्टिक से ढककर या किसी जंगल में कचरा छोड़कर पूरी नहीं हो सकती। अब समय कचरे के पहाड़ों को हटाने का नहीं, ऐसे पहाड़ पैदा होने से रोकने और नीति बनाने का है।

(लेखक स्वर्ण संतकर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

सुदर्शन रूप में भक्त की प्रेत से रक्षा

संत अनंतकृष्ण बाबा जी के पास एक लड़का सत्संग सुनने के लिए आया करता था। संत से प्रभावित होकर बालक द्वारा दीक्षा के लिए प्रार्थना करने पर बाबा जी ने कहा कि महामंत्र का 11 लाख जप करके आओ उसके बाद विचार करेंगे। लगभग कुछ महीनों के पश्चात जप की संख्या पूरी करने के बाद वह बाबा के पास पुनः आया। बाबा ने बालक को कहा 11 लाख और जप करके आना। अभी 3-4 वर्ष ही बीते थे साधक जीवन में प्रवेश किए हुए, उसके मन में श्रद्धा की कमी होने लगी। वह एक दिन कहीं जा रहा था रास्ते में एक तांत्रिक को कुछ सिद्धियों का प्रदर्शन करते हुए देखा। तांत्रिक ने उससे अपने बारे में पूछा, उसने अपनी उपासना के बारे में बताया। तांत्रिक ने पूछा कि तुम इतने वर्षों से इतनी संख्या में जप करते हो, साधना करते हो उससे तुम्हे कुछ अनुभूति हुई? हमारी तरह प्रेत सिद्ध कर लो, तुम्हारे सब काम प्रेत कर दिया करेंगे, बालक ने तांत्रिक से साधन की विधि जानी और शीघ्र ही थोड़े मंत्रों के जप से ही सिद्ध प्राप्ति कर ली। उसने तांत्रिक से कहा कि मुझे तो कोई प्रेत सिद्ध हुआ नहीं। तांत्रिक ने कहा पुनः प्रयास करो। इस बार भी प्रेत प्रकट नहीं हुआ। तांत्रिक ने प्रेत को बुलाकर पूछा कि तुम इसके सामने क्यों नहीं प्रकट होते हो? उस प्रेत ने कहा मैं तो जैसे ही इसके थोड़े निकट जाता हूँ, इसके पीछे एक सुदर्शन चक्र प्रकट हो जाता है। मैं महान बलवान होने पर भी उस चक्र के तेज के सामने टिक नहीं सकता। अवश्य ही कोई शक्ति इसकी रक्षा करती है।

ट्रेंड्स

लोहे की दीवार

टी-72 और टी-90 टैंक हमारी सीमाओं पर दुश्मन के लिए काल और हमारे सैनिकों के मनोबल का प्रतीक हैं। जबलपुर की डीकल फैक्ट्री की नई ओवरहॉलिंग सुविधा यह तथ्य दर्शाती है कि हमारी 'लोहे की दीवार' हलेशा फिट, मजबूत और युद्ध के लिए तैयार रहे।

- राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री

महिला विश्वविद्यालय

बिहार की बहनों के लिए एक 'महिला विश्वविद्यालय' बनाया जाएगा, जहाँ हमारी बेटियाँ उच्च शिक्षा प्राप्त करेंगीं। इस महिला विश्वविद्यालय में प्रोफ़ेसर से लेकर वाइस-चांसलर और अन्य उच्च पदों की निर्गमोदरी सिर्फ महिलाएँ ही उभालेंगी।

- सम्राट चौधरी, सीएम, बिहार

जवाबदेही की मांग

डॉक्टरों की ग़ारी कमी का सामना कर रहे देश में, यह देखना दुःखद है कि हमारी एमबीबीएस डॉक्टर नई दिल्ली के राजनीति सिंह पार्क में प्रदर्शन कर रहे हैं। वे 'लेटनल बोर्ड' ऑफ़ एजामिनेशनल्स इन मेडिकल साइंसेज से जवाबदेही की मांग कर रहे हैं।

एटेंस एजाम

हम स्कूल में बच्चों को कुछ और सिखाते हैं, लेकिन कॉलेज में एडमिशन के लिए उनका टेस्ट किसी और चीज़ पर होता है! सरकार की विनीत जोड़ी कौनहीं ने स्कूल की पढ़ाई और कॉलेज में एडमिशन के लिए होने वाले एटेंस एजाम के बीच इस अंतर को माना है।

- कमल हासन, फिल्म अभिनेता

अपने विचार हरिभूमि कार्यालय

पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्प्लेक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रावनी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, मोपाल, (म.प्र.) 462016

aapkepatra.haribhoomi@gmail.com

पर भेज सकते हैं।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू के टीवी इंटरव्यू ने राजनीति को गरमाया

हरिभूमि ब्यूरो ►►नई दिल्ली

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू के द्वारा एक टीवी इंटरव्यू के दौरान परिसीमन बिल को लेकर दिए गए बयान ने देश की राजनीति को गरमा दिया है। उनके बयान को राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखकर इस मुद्दे पर स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। साथ ही उन्होंने एक सर्वदलीय बैठक बुलाने की भी मांग की है।



खबर संक्षेप

तेलुगू डाइरेक्टर पवन पर गंभीर आरोप, जेल चेन्न्ई। पवन सादिनेनी तेलुगू सिनेमा के जाने-पहचाने डाइरेक्टर हैं। पवन मल्टी-लैंग्वेज फिल्म 'आकासम लो ओका तारा' पर काम कर रहे थे। इन सब के बीच उन पर गंभीर आरोप लगे हैं। पवन पर एक महिला की शिकायत पर यौन शोषण, मारपीट और शादी का झंसा देकर धोखा देने का केस दर्ज कराया है। उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

पर्यटक बस पेट्रोल पंप से टकराई, 20 घायल

कोच्चि। केरल के एर्नाकुलम जिले के कक्कूर में गुरुवार को करीब 35 यात्रियों को ले जा रही एक पर्यटक बस पेट्रोल पंप के एक हिस्से से टकरा गई, जिससे कम से कम 20 लोग घायल हो गए। सड़क पर अचानक मुड़ रहे एक दोपहिया वाहन को बचाने के प्रयास में बस बेकाबूहो गई। बस कलाडी से विवाह समारोह के लिए लेकर जा रही थी।

बाली पहलवान को मिली उम्रकैद की सजा

रोहतक। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश कपिल राठी की अदालत ने 15 साल पुराने हत्या के मामले में महम से इनेलो के पूर्व विधायक बलबीर सिंह उर्फ बाली पहलवान समेत 7 को दोषी करार दिया। कोर्ट ने गुरुवार को सातों दोषियों को उपकैद की सजा सुनाई। अन्य 8 को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया गया।

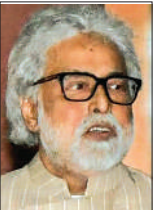
पीएम मोदी ने बालकृष्णन के निधन पर जाता दुःख

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विवेकानंद शिला स्मारक एवं विवेकानंद केंद्र के अध्यक्ष ए. बालकृष्णन के निधन पर शोक व्यक्त किया है। पीएम मोदी ने कहा कि बालकृष्णन ने 5 दशक से अधिक समय स्वामी विवेकानंद के आदर्शों और राष्ट्र सेवा को समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने इस दौरान 'एक्स' पर तस्वीर भी साझा की।

नगर निगम चुनाव में साथ लड़ने से किया इनकार

एजेसी ►►नई दिल्ली

सायोनी घोष, काकोली घोष दस्तीदार और सुदीप बंदोपाध्याय समेत टीएमसी से अलग हुए 20 सांसदों वाले गुट को भाजपा ने करारा झटका दिया है। भाजपा ने इस गुट के साथ मिलकर कोलकाता नगर निगम चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। एनसीपीआई में शामिल हुए सांसद सुदीप बंदोपाध्याय ने कहा था कि उनकी पार्टी कोलकाता नगर निगम का चुनाव भाजपा के साथ मिलकर लड़ेगी। सुदीप ने पत्रकारों से कहा कि हमने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से बात कर ली है, जिन्होंने इसकी पुष्टि की है। लेकिन, केएमसी चुनाव प्रभारी और केंद्रीय राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने साफ कर दिया था कि इस चुनाव में भाजपा अकेले ही मैदान में उतरेगी।



बेंगलुरु में होना था आयोजन एनएलएसआईयू ने रद्द कर दिया दीक्षांत समारोह, डिग्री पर सवाल!



एजेसी ►►बेंगलुरु

यहां स्थित राष्ट्रीय विधि विद्यालय (एनएलएसआईयू) ने 2026 में स्नातक होने वाले छात्रों का 34वां वार्षिक दीक्षांत समारोह रद्द कर दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने 3 अगस्त को छात्रों को ईमेल भेजकर बताया था कि दीक्षांत समारोह 12 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। अब 27 अगस्त को जारी एक नोटिस में विश्वविद्यालय ने कहा है कि कुछ अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण इस बार दीक्षांत समारोह आयोजित नहीं किया जा सकेगा। विश्वविद्यालय ने नोटिस में कहा कि तमाम प्रयासों के बावजूद 34वां वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित करना संभव नहीं है।

छात्रों ने किया था सीजेआई का विरोध

दीक्षांत समारोह रद्द करने का फैसला ऐसे समय आया है, जब एनएलएसआईयू के छात्रों और पूर्व छात्रों ने भारतीय विधि परिषद (बीसीआई) के अध्यक्ष मनज कुमार मिश्रा और भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सुर्यकांत के दीक्षांत समारोह में शामिल होने पर आपत्ति जताई थी। एनएलएसआईयू के 700 से अधिक छात्रों और पूर्व छात्रों ने दोनों के दीक्षांत समारोह में शामिल होने का विरोध किया था। उन्होंने भारतीय विधि परिषद से राष्ट्रीय विधि अध्ययन एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय (नलसार्) के छात्रों और शिक्षकों से बिना शर्त माफ़ी मांगने की मांग भी की थी।



अब छात्रों को दी ये सुविधाएं

- विश्वविद्यालय ने छात्रों को डिग्री और प्रमाणपत्र प्राप्त करने के 2 विकल्प दिए हैं।
- छात्र अपने प्रमाणपत्र डाक/कूरियर के माध्यम से मंगवा सकते हैं।
- छात्र चाहें तो परिसर में आकर अपने प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकते हैं।

- विकल्प को चुनने के लिए विश्वविद्यालय एक नया पत्र जारी करेगा।
- प्रक्रिया की जानकारी सभी स्नातक छात्रों के साथ साझा की जाएगी।
- स्नातक छात्रों को संबंधित शाखी निकायों से मंजूरी के बाद डिग्री दी जाएगी।

कानपुर में बड़ा हादसा



एजेसी ►►कानपुर

यहां के कटरी क्षेत्र के नल्यपुरवा इलाके में गुरुवार दोपहर एक बड़ा विमान हादसा हुआ जिसमें गंग एविएशन सेंटर

टेक-ऑफ के 20 मिनट बाद गिरा विमान इंस्ट्रक्टर के साथ ट्रेनी पायलट की मौत

2 माह के भीतर दूसरी घटना

गंग एविएशन सेंटर के विमान के साथ दो माह के भीतर यह दूसरी बार इस तरह का हादसा हुआ है। उड़ान भरने के महज 20 मिनट बाद विमान नल्यपुरवा गांव के बाहरी इलाके में खेतों में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस 4 सीटर डुअल इंजन ने सुबह करीब 11:30 बजे उड़ान भरी थी।

का एक ट्रेनी एयरक्राफ्ट अचानक क्रैश हो गया। इस दर्दनाक दुर्घटना में विमान में सवार इंस्ट्रक्टर सचिन भाटिया और ट्रेनी पायलट अभिषेक पुजारी की मौत हो गई है।

केएमसी चुनाव साथ लड़ने पर कोई चर्चा नहीं की

मजूमदार ने न्यू टाउन स्थित अपने आवास पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पत्रकारों से कहा कि हमारे प्रदेश अध्यक्ष पहले ही कह चुके हैं कि राज्य में भाजपा का कोई सहयोगी नहीं है। हमने बंगाल में विधानसभा चुनाव किसी सहयोगी के साथ नहीं लड़ा था। हम अकेले लड़े और कई सीटें जीतीं। इसलिए, किसी सहयोगी के साथ मिलकर केएमसी चुनाव लड़ने पर कोई चर्चा नहीं हुई है। मेरे पास भी ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं आया है।



केंद्रीय राज्य मंत्री मजूमदार

विशेष सत्र की अटकलों पर जताई चिंता

खरगे ने अपने पत्र में 16 जुलाई 2026 को लिखे गए अपने पिछले पत्र का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने सर्वदलीय बैठक की मांग की थी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री द्वारा हाल ही में दिए गए एक टीवी इंटरव्यू के बाद यह साफ होता जा रहा है कि सरकार परिसीमन से जुड़ा नया विधेयक लाने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने पर विचार कर रही है। शायद यही कारण है कि संसद के मानसून सत्र का सत्रावसान करने में लगातार देरी की जा रही है।

लोकसभा सीटों की संख्या 25 वर्षों तक न बदले

खरगे ने कहा कि कांग्रेस की स्थिति स्पष्ट है। लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या अगले 25 वर्षों तक नहीं बदली जानी चाहिए। इसके साथ ही राज्यों के हिसाब से लोकसभा सीटों की मौजूदा संख्या भी 25 वर्षों तक बरकरार रखने की मांग की गई है। कांग्रेस का तर्क है कि परिसीमन जैसे बड़े मुद्दे पर जल्दबाजी के बजाय व्यापक राजनीतिक चर्चा जरूरी है।

ये रहा बहुमत का गणित

बजट सत्र के दौरान मोदी सरकार द्वारा लाया गया 131वां संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में अपेक्षित दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सका था। 528 सांसदों में से 298 ने इसके पक्ष में और 230 ने इसके खिलाफ मतदान किया था, जिससे यह विधेयक गिर गया था। पहले की तुलना में संसद में एनडीए की स्थिति मजबूत हुई है। सबसे पहले पंजाब से आने वाले आप के राज्यसभा के 7सांसदों ने भाजपा का दामन थाम लिया था। पश्चिम बंगाल में टीएमसी की मिली करारी हार के बाद लोकसभा के 20 सांसदों ने अपना अलग गुट बना लिया। सरकार को डीएमके और शरद पवार की पार्टी से भी इस पर समर्थन मिलने की उम्मीद है।

भाजपा-अकाली दल के गठबंधन की बढ़ी अटकलें दोनों दल साथ आए तो पंजाब में बदलेगी कई सीटों पर तस्वीर

पंजाब में भाजपा और शिरोमणि अकाली दल के संभावित पुनर्गठन की चर्चा तेज है। 2024 के लोकसभा चुनाव के विधानसभा-वार आंकड़ों से इस गठबंधन की संभावित ताकत का आकलन किया गया है। यदि दोनों दल साथ आते हैं तो करीब 21 विधानसभा क्षेत्रों में उनका संयुक्त वोट कांग्रेस या आप से अधिक हो सकता है। यह केवल एक गणितीय विश्लेषण है। अलग-अलग चुनाव लड़ने के बावजूद दोनों दलों ने कुल 32 विधानसभा क्षेत्रों में अपनी बहुत बढाई थी। इन दोनों दलों के वोटों को जोड़ने पर कई अन्य सीटों पर भी चुनावी समीकरण बदल सकते हैं।



प्रधानमंत्री ने सैकड़ों खिलाड़ियों, छात्रों और स्वयंसेवकों को वर्चुअली संबोधित किया हम ओलंपिक के कई खेलों में हिस्सा नहीं लेते इसमें सुधार की जरूरत, खेलेंगे तो ही खिलेंगे



हरिभूमि ब्यूरो ►►नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ओलंपिक में शामिल आधे खेलों में भारत की भागीदारी नहीं होने पर अफसोस जताया और कहा कि देश की पदक संख्या तभी बढ़ सकती है जब सर्किंग और स्पोर्ट क्लाइम्बिंग जैसे उन खेलों में भी भारतीय खिलाड़ी तैयार हों जिनमें अब तक उन्होंने हिस्सा नहीं लिया है।

शनिवार को राष्ट्रीय खेल दिवस से पहले 'खेलो इंडिया संवाद' के लिए विभिन्न स्थानों पर जुटे सैकड़ों खिलाड़ियों, छात्रों और स्वयंसेवकों को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि खेलों को लेकर उनका दृष्टिकोण केवल पदक जीतने तक सीमित नहीं है। बल्कि खेलों को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया का अभिन्न अंग-अलग खेल होते हैं, भारतीय टीमें इनमें से आधे खेलों में भी हिस्सा नहीं लेतीं, जिसका मतलब है कि हम पदकों की कुल संख्या के एक बड़े हिस्से के लिए प्रतिस्पर्धा ही नहीं करते।

पदक संख्या तभी बढ़ेगी जब सर्किंग और स्पोर्ट क्लाइम्बिंग में हमारी भागेदारी हो

खेलो इंडिया संवाद के तहत गुजरात के गांधीनगर में आयोजन 1,500 नानी-गिरानी प्रतिभागियों ने किया संवाद

'खेलो इंडिया' संवाद के तहत गुजरात के गांधीनगर में भी एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 300 से अधिक युवाओं और एथलीटों ने हिस्सा लिया। मीडिया से बातचीत के दौरान, केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में देशभर के 5,000 से अधिक कॉलेज जुड़े। कार्यक्रम में 1,500 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें द्रोणाचार्य और अर्जुन पुरस्कार प्राप्त कोच तथा सक्रिय खिलाड़ी भी शामिल रहे। एथलीटों ने देश के



खेल मंत्री मनसुख मांडविया

पैरा खिलाड़ियों को मिसाल बताया

प्रधानमंत्री ने कहा कि पैरा खिलाड़ी इस बात की बेहतरीन मिसाल हैं कि खेल न केवल खिलाड़ियों बल्कि उनके परिवारों, आपसपास के लोगों और यहां तक कि उनसे शहरो का जीवन भी बदल सकता है। जब कोई खिलाड़ी सफल होता है तो यह सिर्फ उसकी सफलता नहीं होती बल्कि इससे उसके परिवार, स्कूल, कॉलेज और जिले का भी गौरव बढ़ता है। दुनिया को उस स्थान के बारे में पता चलता है जहां से वह आता है।

पेरिस ओलंपिक में केवल आधे खेलों में हिस्सा लिया

उन्होंने कहा कि और दशकों से ऐसा ही होता आ रहा है। हमने 2012 में केवल 13 खेलों में हिस्सा लिया था। 20 से अधिक खेलों में हमारी भागीदारी नहीं थी और देश में भी बहुत से लोगों को इन प्रतियोगिताओं के बारे में पता तक नहीं था। पीएम मोदी ने कहा कि दूसरे देश खेलों में भी हथुार करना होगा। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत ने खेलों की सूची में शामिल 32 में से 16 खेलों में हिस्सा लिया था।

हमें इन खेलों में भी महारत हासिल करनी होगी

ओलंपिक की सर्किंग और स्पोर्ट क्लाइम्बिंग प्रतियोगिताओं में अब तक किसी भारतीय ने हिस्सा नहीं लिया है। ये दोनों खेल 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक के कार्यक्रम का हिस्सा हैं। मोदी ने कहा कि उदाहरण के लिए सर्किंग और स्पोर्ट क्लाइम्बिंग को ही लें। हमारे पास इतना लंबा समुद्र तट और इतने विशाल पहाड़ी क्षेत्र हैं जहां इन जैसे खेलों के प्रति स्वाभाविक रुचि हो सकती है। जल खेलों से लेकर शीतकालीन खेलों तक हमारे पास इसके लिए जरूरी जनसंख्या और भौगोलिक परिस्थितियां भी हैं। इसके बावजूद दुनिया में इन खेलों में कहीं भी भारतीय नजर नहीं आते। इसलिए हमें अलग-अलग क्षेत्रों में इन खेलों को बढ़ावा देने के अथवा तलाशने होंगे। आपूर्ति पदक संख्या बढ़ाने के लिए हमें इन खेलों में भी महारत हासिल करनी होगी।

खेल से चैंपियन ही नहीं, बेहतर प्रतियोगी भी बन सकते हैं

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस 15 अगस्त को मैंने लाल किले की प्राचीर से देश के लिए भारत के खेल संबंधी दृष्टिकोण को सामने रखा। जब मैं खेलों की बात करता हूँ तो इसका मतलब केवल पदक जीतना नहीं है। यह विकसित भारत के निर्माण में भारत की खेल शक्ति और युवा शक्ति को एक साथ जोड़ने का अभियान है। गिरना, फिर उठना और दोबारा आगे बढ़ना... खेल हमारे भीतर यही जज्बा पैदा करता है। स्क्रॉल से अधिक खेल केंद्रों की अहमियत है। प्ले स्टेशन से अधिक खेल के मैदानों की अहमियत है। प्रधानमंत्री ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को भी श्रद्धांजलि दी जिनकी जयंती 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाई जाती है। करीब 100 साल पहले भारतीय हॉकी टीम न्यूजीलैंड के दौर पर गई थी और उस टीम में ध्यानचंद भी शामिल थे।

नशो से दूर रहे युवा

युवाओं में चरित्र निर्माण के लिए खेलों को जरूरी बताते हुए मोदी ने कहा कि बंशे की समस्या से युवाओं को दूर रखने में भी खेलों की बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि नशे का सेवन देश के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। खेल हमें सिर्फ चैंपियन बनना नहीं सिखाता बल्कि बेहतर प्रतियोगी बनना भी सिखाता है।

साइबर ठगी पर जागरुकता

‘तुरंत शिकायत’ करने के लिए जागरुक किया, रैना सम्मानित

एजेसी ►►मुंबई

यहां बढ़ते साइबर अपराध के खिलाफ महाराष्ट्र सरकार ने एक बड़ा अभियान शुरू किया है और कुछ ऐसे चेहरों को सम्मानित किया जो अब चर्चा का विषय बन गए हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को मुंबई के सह्याद्री अतिथिगृह में साइबर जागरूकता पर बनी फिल्म 'ऑपरेशन 1930' के ट्रेलर और '1930 साइबर पंथम' को लॉन्च किया। इसके जरिए महाराष्ट्र सरकार का उद्देश्य लोगों को साइबर ठगी के नए तरीकों से सतर्क करना है और लोगों को ठगी होने पर



तुरंत शिकायत करने के लिए जागरुक करना है। उन्होंने एक्टर शरद केलकर, जावेद जाफरी, कॉमेडियन समय रैना और अन्य दिग्गजों को सम्मानित किया। सम्मान को लेकर काफी चर्चाएं हैं क्योंकि जिन्हें सम्मानित किया गया है उनमें समय रैना का नाम भी शामिल है।

नड्डा से मिले आरक्षण रिफॉर्म के प्रतिनिधि

सभी ने मुलाकात को सौहार्द्रपूर्ण बताया, 7 सितंबर को फिर मिलेंगे

एजेसी ►►नई दिल्ली

यहां केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और आरक्षण में रिफॉर्म को लेकर बंते 21 अगस्त को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन आयोजित करने वाली टीम के लोगों ने मुलाकात की। दोनों ही पक्षों ने इस मुलाकात को सौहार्द्रपूर्ण बताया और ये भी कहा गया कि अगली मुलाकात 7 सितंबर को होगी। नड्डा ने एक्स पर पोस्ट किया, 21 को जंतर-मंतर पर हुए आंदोलन के उपरांत पूर्व निर्धारित समय के अनुसार हर्ष दुबे, रण बहादुर सिंह चौहान व मृत्युंजय पाठक, टीम के सदस्यों से वार्ता हुई।



मुलाकात को संवाद के लिए बताया अहम

हर्ष दुबे ने पोस्ट किया, सर्व समाज के हित में सकारात्मक पहल। आज हमारी टीम ने नड्डा से मुलाकात की। इस दौरान प्रदर्शन के संबंध में उनसे संक्षिप्त चर्चा हुई। यह मुलाकात संवाद की दिशा में अहम कदम है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने 2 सप्ताह में मांगी विस्तृत रिपोर्ट

अमरावती के अस्पताल में आग से 3 नवजातों की मौत, 4 घायल, मुख्य सचिव को नोटिस

हरिभूमि ब्यूरो ►►नई दिल्ली

महाराष्ट्र के अमरावती स्थित जिला महिला अस्पताल की सिक न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एएनएससीयू) में आग लगने की घटना में 3 नवजात बच्चों की मौत और 4 अन्य के घायल होने की मीडिया रिपोर्ट पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने मामले में महाराष्ट्र के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर 2 सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने मीडिया में प्रकाशित खबर का स्वतः संज्ञान लेते हुए कहा कि यदि रिपोर्ट में दी गई घटना और उसके तथ्य सही पाए जाते हैं तो यह मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन का मामला बनता है। आयोग ने राज्य सरकार से घटना की पूरी जानकारी और अब तक की गई कार्रवाई का विवरण उपलब्ध कराने को कहा है।



सिक न्यूबॉर्न केयर यूनिट की घटना

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह घटना 25 अगस्त को अमरावती के जिला महिला अस्पताल की सिक न्यूबॉर्न केयर यूनिट में हुई। आग लगने के बाद यूनिट में भर्ती नवजातों के बीच अफरा-तफरी मच गई। हादसे में तीन नवजातों की मौत होने और चार अन्य के घायल होने की सूचना सामने आई है। आयोग ने घटना की गंभीरता को देखते हुए महाराष्ट्र के मुख्य सचिव से निर्धारित समयसीमा के भीतर विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा है। रिपोर्ट में घटना के कारणों, अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था, आग से बचाव के इंतजाम और हादसे के बाद उठाए गए कदमों से संबंधित जानकारी मांगे जाने की संभावना है। आयोग ने कहा कि अस्पतालों में उपचारार्थ नवजातों और विशेष रूप से नवजात बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही या कमी के कारण बच्चों की जान गई है अथवा अन्य नवजात घायल हुए हैं तो यह गंभीर चिंता का विषय है।

नेपाल में मंडरा रहा नया संकट

एजेसी ►► बीजिंग

नेपाल में भोटेकोसी नदी में अचानक आई बाढ़ से मची तबाही के बाद खतरा अभी टला नहीं है। गुरुवार को चीन की तरफ से इसे लेकर हाई अलर्ट भेजा गया है। चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने कहा कि नेपाल में छोछेन खोला और पुरेपू त्सांगपो नदियों के संगम के पास एक बड़ी अवरोधक झील (बैरियर लेक) बन गई है, जिसका जल आयतन गुरुवार सुबह तक 20 लाख घन मीटर अनुमानित है और झील पहले ही ओवरफ्लो हो रही है। अगले 3 दिनों में 30 लाख घन मीटर अतिरिक्त पानी के झील में आने की उम्मीद है, जिससे इसके टूटने का उच्च जोखिम है। चीनी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि झील पहले से ही ओवरफ्लो हो रही है और आने वाले दिनों में इसमें और पानी आने से इसके टूटने का खतरा है। बता दें, बाढ़ के बाद नेपाल में एक बड़ी बैरियर झील बन गई है। चीनी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि झील पहले से ही ओवरफ्लो हो रही है और आने वाले दिनों में और पानी आने से इसके टूटने का खतरा बढ़ गया है।



सुरक्षाकर्मी वृद्ध महिला को जेसीबी में बचाकर ले जाते हुए



उपग्रह से ली गई तस्वीर में नेपाल में भोटेकोसी नदी में बाढ़ से बनी अवरोधक झील

झील में 30 लाख घन मीटर अतिरिक्त पानी आने की आशंका

चीन के जल संसाधन मंत्रालय के अनुसार, गुरुवार सुबह तक झील का आयतन लगभग 20 लाख क्यूबिक मीटर था। अगले तीन दिनों (72 घंटों में) में झील में 30 लाख क्यूबिक मीटर

छोछेन खोला और पुरेपू त्सांगपो नदियों के संगम के पास नया खतरा

चीनी अधिकारी इसकी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। बाढ़ के संभावित रास्तों का वास्तविक समय में अनुमान लगाने के लिए कंप्यूटर आधारित बाढ़ मॉडल चलाए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य बचाव दलों को समय पर जानकारी देना और नीचे की ओर आने वाली किसी नई बाढ़ के खतरे को कम करना है। छोचेन और पुरेपू नदियां तिब्बत से निकलती हैं और नेपाल में प्रवेश करने से पहले आपस में मिल जाती हैं, जहां इस नदी को भोटेकोशी के नाम से जाना जाता है। भोटेकोशी, त्रिशूली नदी की मुख्य ऊपरी सहायक नदी है।

बाढ़ का कंप्यूटर आधारित मॉडल सिमुलेशन कर रहे

बाढ़ का कारण ग्लेशियर दहना, भूकंप नहीं: यूएस

चीनी अधिकारी इसकी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। बाढ़ के संभावित रास्तों का वास्तविक समय में अनुमान लगाने के लिए कंप्यूटर आधारित बाढ़ मॉडल चलाए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य बचाव दलों को समय पर जानकारी देना और नीचे की ओर आने वाली किसी नई बाढ़ के खतरे को कम करना है। छोचेन और पुरेपू नदियां तिब्बत से निकलती हैं और नेपाल में प्रवेश करने से पहले आपस में मिल जाती हैं, जहां इस नदी को भोटेकोशी के नाम से जाना जाता है। भोटेकोशी, त्रिशूली नदी की मुख्य ऊपरी सहायक नदी है।



जमीन खिसकने की उपग्रह तस्वीर

काठमांडू से 40 से ज्यादा निजी हेलिकॉप्टर उड़ानों से राहत कार्य

नेपाल में भीषण बाढ़ के बाद राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया गया है। गुरुवार को काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 40 से ज्यादा निजी हेलिकॉप्टरों ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत सामग्री पहुंचाने के लिए उड़ान भरी। इनमें रासुवा समेत कई प्रभावित क्षेत्र शामिल हैं। नेपाल सेना इन उड़ानों का समन्वय कर रही है। राहत सामग्री को संग्रह केंद्र से निजी हेलिकॉप्टरों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सेना की 14वीं बटालियन संभाल रही है। दोपहर दो बजे तक 40 से ज्यादा उड़ानें पूरी हो चुकी थीं, जबकि 20 से अधिक हेलिकॉप्टर हवाई अड्डे पर तैयार रखे गए थे। गृह मंत्रालय भी राहत और बचाव के लिए हवाई अड्डे पर मौजूद कुछ हेलिकॉप्टरों को इस्तेमाल करने की तैयारी में है। नेपाल सेना के हेलिकॉप्टर लगातार प्रभावित इलाकों में जाकर लोगों को निकालने और राहत सामग्री पहुंचाने का काम कर रहे हैं।



पीड़ित महिला को ढाढस दिलाते हुए



सेना के अधिकारी मलबे से महिला को निकालकर सुरक्षित स्थान ले जाते हुए

दुनियाभर के नेताओं ने जताया शोक

ईरू और अधिक सहायता के तैयार: उर्सुला

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जो इस आपदा से प्रभावित हुए हैं। नेपाल में प्रभावित इलाकों का नक्शा तैयार करने और जमीनी स्तर पर राहत कार्यों में सहायता देने के लिए कोपरनिकस प्रणाली को सक्रिय किया गया है। यूरोपीय संघ और अधिक सहायता देने के लिए भी तैयार है।



राहत और बचाव कार्यों में सहयोग कर रहे: गुटेरेस

संयुक्त राष्ट्र महासचिव पंतोनियो गुटेरेस ने कहा कि इस भीषण बाढ़ से मुझे गहरा दुख हुआ है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। यूएन राहत और बचाव प्रयासों में सहयोग कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र की टीमें बाढ़ प्रभावित समुदायों को हरसंभव मदद पहुंचा रही हैं।



जनता के प्रति हार्दिक संवेदनाएं: तकाइची

जापान की पीएम सनाए तकाइची ने बाढ़ त्रासदी पर दुख व्यक्त करते हुए लिखा कि मैं नेपाल सरकार और नेपाल की जनता के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, 5 जापानी नागरिक लापता हैं, जो मेरे लिए गहरी चिंता का विषय है। नेपाल स्थित जापानी दूतावास ने उनसे संपर्क करने की कई कोशिशें की हैं।



पीड़ितों को अस्पताल में ले जाते बचावकर्मी

खबर संक्षेप

ईडी ने 2 बैंक खाते और 3 बैंक लॉकर्स किए फ्रीज

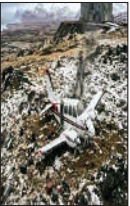
नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुंबई जोनल कार्यालय ने पीएमएलए के तहत की गई



कार्रवाई में मुंबई और वडोदरा में सात रिहायशी/ बिजनेस ठिकानों पर छापेमारी की है। तीन बैंक लॉकरों की तलाशी ली गई। जांच एजेंसी ने 'बिलपावर लिमिटेड' द्वारा किए गए लोन फ्रॉड के मामले में यह कार्रवाई की है। इस दौरान ईडी ने 43 लाख रुपए नकद तो 12 करोड़ रुपए के गहने जब्त किए हैं, जबकि 27 लाख रुपए वाले दो बैंक खाते और तीन बैंक लॉकर्स फ्रीज कर दिए हैं।

अलास्का में प्लेन क्रैश 4 लोगों की मौत

अलास्का। अमेरिका के अलास्का में एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त होकर समुद्र के उथले पानी में जा गिरा। इस हादसे में विमान में सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई। हादसा अलास्का के एक दूरदराज के तटीय कस्बे के पास हुआ। पाइपर पीए-24 विमान अलास्का के सबसे बड़े शहर एंकोरेज से उड़ान भरकर छोटे कस्बे सेल्डोविया के एयरपोर्ट की ओर जा रहा था। सेल्डोविया का एयरपोर्ट एंकोरेज से 219 किमी दक्षिण-पश्चिम में स्थित है।



भारत-जर्मनी के विदेश मंत्रियों की हुई बातचीत

यूक्रेन संघर्ष के वैश्विक प्रभावों को लेकर किया विचार-विमर्श

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली



यूएन उप-महासचिव से हुई वार्ता

एक अन्य एक्स पोस्ट में विदेश मंत्री जयशंकर ने 27 अगस्त को नई दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की उप-महासचिव अमीना जे.मोहम्मद के साथ हुई मुलाकात का उल्लेख किया है। उन्होंने बताया कि यूएन उप-महासचिव के साथ हुई मुलाकात को लेकर प्रसन्नता हुई।

जिसमें हमने यूक्रेन संघर्ष और उसके वैश्विक प्रभावों को लेकर विचारों का आदान-प्रदान किया है।

कविता जोशी ►► नई दिल्ली

अगले महीने 12 से 13 सितंबर तक नई दिल्ली में भारत की मेजबानी में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से जुड़ी तमाम जरूरी तैयारियां अब अपने अंतिम दौर में पहुंच गई हैं। जिसमें समूह के सभी 11 सदस्य देशों, सहयोगियों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों की बड़े पैमाने पर भागीदारी देखने को मिलेगी। लेकिन इन सबके बीच अमेरिका सहित यूरोप के विकसित देशों की निगाहें इस बात पर टिकी हुई हैं कि पश्चिम-एशिया क्षेत्र में चल रहे युद्ध के साये में होने जा रहे इस सम्मेलन के अंत में परिणाम दस्तावेज के रूप में क्या कोई संयुक्त घोषणापत्र या ब्रिक्स देशों का साझा बयान निकलकर सामने आएगा? इस विषय को लेकर हरिभूमि ने गुरुवार को विदेश मंत्रालय से एक सवाल पूछा था। जिसके जवाब में मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि भारत संयुक्त घोषणापत्र को लेकर पदों के पीछे (बैक चैनल) से लगातार प्रयास कर रहा है।

बांग्लादेश की भागीदारी पर संशय



विदेश मंत्रियों की बैठक में नहीं निकला निष्कर्ष

शिखर सम्मेलन से पहले राजधानी में हुई ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों की बैठक के अंत में भी कोई संयुक्त घोषणापत्र जारी नहीं हो सका था। जिसकी बड़ी वजह समूह देशों (ईरान और यूएई) के बीच पश्चिम एशिया क्षेत्र में चल रहे युद्ध को लेकर नहीं बनी आमजय रही। यह दोनों देश इस युद्ध में एक-दूसरे के खिलाफ खड़े हैं। यूएई ईरान के खिलाफ अमेरिकी कैंप का हिस्सा है। ईरान, यूएई के अमेरिकी गुट का हिस्सा होने और उसके द्वारा अपनी जमीन का इस्तेमाल तेहरान के विरुद्ध लड़ाई के लिए होने देने की वजह से यूएई पर हमले कर रहा है।

गौरतलब है कि अभी तक ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान सहित कई अन्य राष्ट्राध्यक्ष शिरकत करेंगे। जबकि चीन के राष्ट्रपति शी जिनिपिंग की भागीदारी को लेकर अभी तक इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने को लेकर भी तस्वीर फिलहाल साफ नहीं है। उन्हें ब्रिक्स्टेक के मौजूदा अध्यक्ष के रूप में नई दिल्ली में आमंत्रित किया है। सऊदी अरब की भागीदारी ब्रिक्स में देखने को मिल सकती है।

संवाद-कूटनीति से खलल होगी समस्या

सूत्रों ने पश्चिम-एशिया युद्ध के संदर्भ में कहा कि इसे लेकर भारत का इस साल फरवरी महीने में शुरू हुए इस युद्ध के बाद से लेकर अब तक रुख यही है कि विवाद का समाधान बातचीत और कूटनीति के माध्यम से शांतिपूर्ण ढंग से ही निकाला जाना चाहिए। इसके अलावा हमने होमिंग सहित अन्य जरूरी वैश्विक जलमार्गों से समुद्री नौवहन की सुरक्षा, क्षेत्र में नागरिक व बुनियादी ढांचों पर हमलों का कड़ा विरोध किया है।

ब्रिक्स की करंसी के मुद्दे पर चर्चा जारी

सूत्रों ने एक प्रश्न के जवाब में कहा कि ब्रिक्स देशों के बीच अपनी एक समान मुद्रा यानी करंसी में व्यापार के मुद्दे को लेकर विचार-विमर्श होता रहा है। लेकिन इसका उद्देश्य दुनिया के किसी अन्य देश या खासतौर पर अमेरिका के डॉलर का विरोध करना नहीं है। वहीं, अमेरिका द्वारा रूस से तेल उत्पादों की खरीद को लेकर भारत व अन्य देशों पर 100% टैरिफ लगाने के मामले पर सूत्रों ने कहा कि भारत अमेरिका की इस घोषणा के प्रभावों का फिलहाल आकलन कर रहा है। ब्रिक्स सम्मेलन में भी मामले पर मंथन संभव है।

एससीओ शिखर सम्मेलन में होंगे शामिल, रूस के राष्ट्रपति पुतिन से होगी मुलाकात

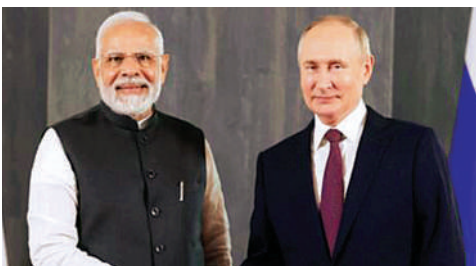
29 अगस्त से उज्बेकिस्तान-किर्गिज गणराज्य के दौरे पर रहेंगे पीएम मोदी

एजेसी ►► बीजिंग

पीएम नरेंद्र मोदी 29 अगस्त से 1 सितंबर 2026 तक उज्बेकिस्तान और किर्गिज गणराज्य की यात्रा करेंगे। वे 29-30 अगस्त को द्विपक्षीय यात्रा पर उज्बेकिस्तान जाएंगे, जबकि 31 अगस्त से 1 सितंबर तक किर्गिज गणराज्य में 26वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शवकत मिर्जियोयेव के निमंत्रण पर पीएम 29-30 अगस्त को ताशकंद की राजकीय यात्रा करेंगे। यह पीएम मोदी की उज्बेकिस्तान की चौथी यात्रा होगी। इस दौरान दोनों नेता प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। वार्ता में व्यापार एवं निवेश, रक्षा, डिजिटल कनेक्टिविटी, ऊर्जा, शिक्षा और जन-से-जन संबंधों में सहयोग की समीक्षा की जाएगी। दोनों नेता 'विकसित भारत 2047' और 'उज्बेकिस्तान-2030' के साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने पर भी विचार करेंगे।

पीएम मोदी एससीओ शिखर सम्मेलन को करेंगे संबोधित

पुतिन के साथ होगी अहन द्विपक्षीय बैठक



पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन

फाइल फोटो

व्यापार, निवेश, रक्षा, शिक्षा क्षेत्र में सहयोग पर होगी चर्चा

विदेश मंत्रालय ने बताया है कि 26वें एससीओ समिट के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच एक बेहद अहम द्विपक्षीय बैठक होने जा रही है। इस बैठक में द्विपक्षीय व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति (तेल और गैस), उर्वरक सहयोग और आपसी रणनीतिक साझेदारी पर विशेष चर्चा की उम्मीद है।

31 अगस्त से 1 सितंबर तक बिश्केक के दौरे पर रहेंगे

उज्बेकिस्तान के बाद पीएम नरेंद्र मोदी किर्गिज गणराज्य के राष्ट्रपति सदिर् ज़ापारोव के निमंत्रण पर बिश्केक जाएंगे। यहां वे 31 अगस्त से 1 सितंबर तक आयोजित होने वाले 26वें एससीओ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। यह शिखर सम्मेलन शंघाई सहयोग संगठन की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर हो रहा है। भारत 2017 से एससीओ का पूर्ण सदस्य है। पीएम सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंच पर भारत की प्राथमिकताओं सुरक्षा, कनेक्टिविटी और अवसर को रेखांकित करेंगे।

द्विपक्षीय बैठकें करेंगे

पीएम सम्मेलन से इतर एससीओ देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। इसके अलावा, वे छठे विश्व नोमैड खेलों के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे, जो मध्य एशिया की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्सव है।

यह जानकारी हरिभूमि द्वारा पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने दी

ब्रिक्स सम्मेलन के अंत में संयुक्त घोषणापत्र जारी होने को लेकर उम्मीद में भारत

बांग्लादेश की भागीदारी पर संशय

गौरतलब है कि अभी तक ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान सहित कई अन्य राष्ट्राध्यक्ष शिरकत करेंगे। जबकि चीन के राष्ट्रपति शी जिनिपिंग की भागीदारी को लेकर अभी तक इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने को लेकर भी तस्वीर फिलहाल साफ नहीं है। उन्हें ब्रिक्स्टेक के मौजूदा अध्यक्ष के रूप में नई दिल्ली में आमंत्रित किया है। सऊदी अरब की भागीदारी ब्रिक्स में देखने को मिल सकती है।

संवाद-कूटनीति से खलल होगी समस्या

सूत्रों ने पश्चिम-एशिया युद्ध के संदर्भ में कहा कि इसे लेकर भारत का इस साल फरवरी महीने में शुरू हुए इस युद्ध के बाद से लेकर अब तक रुख यही है कि विवाद का समाधान बातचीत और कूटनीति के माध्यम से शांतिपूर्ण ढंग से ही निकाला जाना चाहिए। इसके अलावा हमने होमिंग सहित अन्य जरूरी वैश्विक जलमार्गों से समुद्री नौवहन की सुरक्षा, क्षेत्र में नागरिक व बुनियादी ढांचों पर हमलों का कड़ा विरोध किया है।

ब्रिक्स की करंसी के मुद्दे पर चर्चा जारी

सूत्रों ने एक प्रश्न के जवाब में कहा कि ब्रिक्स देशों के बीच अपनी एक समान मुद्रा यानी करंसी में व्यापार के मुद्दे को लेकर विचार-विमर्श होता रहा है। लेकिन इसका उद्देश्य दुनिया के किसी अन्य देश या खासतौर पर अमेरिका के डॉलर का विरोध करना नहीं है। वहीं, अमेरिका द्वारा रूस से तेल उत्पादों की खरीद को लेकर भारत व अन्य देशों पर 100% टैरिफ लगाने के मामले पर सूत्रों ने कहा कि भारत अमेरिका की इस घोषणा के प्रभावों का फिलहाल आकलन कर रहा है। ब्रिक्स सम्मेलन में भी मामले पर मंथन संभव है।

बैरसिया स्थित तरावली कलां गांव में हादसा

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित गांव तरावली कलां में खेत में काम कर रहे 15 साल के किशोर की करंट से झुलसकर मौत हो गई। किशोर काम करने का कहकर घर से खेत गया था। जब वह घर नहीं लौटा तो परिजन उसे देखने खेत पहुंचे। इस दौरान वह खेत में बेसुध पड़ा मिला।

परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर मृत घोषित कर दिया। जिस जगह किशोर पड़ा हुआ

लोहे का पाइप उठाते समय तार से टकराया, खेत में काम कर रहे 15 साल के किशोर की हुई मौत

और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार पार्थ जाट पिता राजेंद्र सिंह जाट (15) तरावली कला में रहता था और कक्षा नवौं में पढ़ता था। पढ़ाई के साथ साथ वह परिजन का खेत के काम में हाथ बंटाता था। बुधवार सुबह पार्थ डोंडी वाले खेत पर काम करने गया था। इसके बाद घर नहीं लौटा। सुबह करीब 9 बजे परिजन उसे देखने के लिए खेत पहुंचे। इस दौरान पार्थ डीपी के पास खेत में पड़ा हुआ नजर आया।

खबर संक्षेप



नवनियुक्त कर्मचारियों के क्वार्टरों की टूटी खिड़कियां टूटी पाइपलाइन

भोपाल। बीएचईएल भोपाल में नवनियुक्त कर्मचारियों को आर्वाटेड आवासीय क्वार्टरों में मेंटेनेंस एवं हैंडओवर से जुड़ी समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग को लेकर ऑल इंडिया बीएचईएल एम्प्लॉईज यूनियन (ऐबू) के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को महाप्रबंधक (मानव संसाधन) हेमराम पटेल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व इकाई महासचिव एवं निम्न प्रदेश अध्यक्ष रामनारायण गिरी ने किया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक (एचआर) सुरेखा बंधोरे, वरिष्ठ प्रबंधक ब्लेसी जोसेफ रॉय एवं आरके जायसवाल उपस्थित रहे। ज्ञापन में बताया गया कि नवनियुक्त कर्मचारियों को आर्वाटेड कई क्वार्टरों में खिड़की-दरवाजों की मरम्मत, विद्युत वायरिंग, पानी की पाइपलाइन में लीकेज, ड्रेनेज तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं हैं। प्रतिनिधिमंडल में कार्यवाहक अध्यक्ष आशीष सोनी, कोषाध्यक्ष विशाल वाणी, धर्मेंद्र कुमार गुप्ता, आदि मौजूद रहे।

शुनांक			
कल्याण:	1235		
दिन:	568	92	345
रात:	668	06	899
तारा:			
दिन:	240	69	289
रात:	369	80	479

तीन विषय आगामी बैठक में रखने का निर्णय औबेदुल्लागंज में पीआईसी की बैठक में 45 विषयों पर हुई चर्चा

हरिभूमि न्यूज ►►औबेदुल्लागंज

नगर परिषद औबेदुल्लागंज में गुरुवार को नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सोनू चौकसे की अध्यक्षता में पीआईसी बैठक की गई। बैठक में नगर परिषद से संबंधित विभिन्न विकास कार्यों एवं प्रशासनिक विषयों पर चर्चा की गई।

बैठक में रखे गए 45 विषयों पर उपस्थित सदस्यों द्वारा चर्चा की गई। इनमें से कुछ विषयों को आगामी परिषद की बैठक में रखे जाने तथा नगर परिषद की पीआईसी बैठक में लिए गए निर्णयों को लेकर अब आगामी परिषद बैठक में इन विषयों

पर आगे की कार्यवाई की जाएगी। बैठक में पारित एवं स्वीकृत प्रस्तावों से नगर के विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। बैठक के दौरान विभिन्न विषयों पर चर्चा के साथ परिषद के आगामी कार्यों को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर बैठक में सुजीत यादव, सुनील सैरिया, सना अमीर ममनून, राधा राजेंद्र गुड्डू साहू, हेमलता मनोज चौरसिया से चर्चा कर विचार किया गया। जिसमें तीन विषय आगामी बैठक में रखने व शेष विषय सर्वसम्मति से स्वीकृत किए गए।

हरिभूमि न्यूज ►►औबेदुल्लागंज

औबेदुल्लागंज ब्लॉक कांग्रेस में हाल ही में संगठनात्मक जिम्मेदारियों को लेकर स्थानीय स्तर पर राजनीतिक चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष की पत्नी अर्चना जैन को ब्लॉक कांग्रेस में महामंत्री की जिम्मेदारी मिलने के बाद वर्तमान ब्लॉक अध्यक्ष इमरत सिंह दरबार की पत्नी सुलेखा दरबार को ब्लॉक कांग्रेस उपाध्यक्ष बनाए जाने की चर्चा है।

इसी तरह कांग्रेस के सक्रिय नेता दुर्गेश यादव की पत्नी अर्चना यादव को भी संगठन में सचिव की जिम्मेदारी दिए जाने की बात सामने आई है। इन नियुक्तियों को लेकर

स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नगर में परिवारवाद तथा रिश्तेदारों को संगठन में जिम्मेदारी दिए जाने को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। चर्चा है कि संगठन में महत्वपूर्ण पदों पर पहुंची ये तीनों महिला नेत्रियां आगामी नगर परिषद चुनाव में अध्यक्ष पद की दावेदारी पेश कर सकती हैं। हालांकि, अभी तक पार्टी ने किसी भी नाम को आधिकारिक तौर पर नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए दावेदार घोषित नहीं किया है। कांग्रेस में इन नियुक्तियों को लेकर जहां समर्थक इसे महिलाओं को संगठन में आगे बढ़ाने की पहल बता रहे हैं, वहीं कुछ कार्यकर्ता इसे परिवारवाद से जोड़कर देख रहे हैं। आने वाले समय में इन नियुक्तियों का स्थानीय कांग्रेस की राजनीति और नगर परिषद चुनाव पर क्या असर पड़ता है, यह देखने वाली बात होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन के नाम अपर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा, महंगाई पर अंकुश लगाने की मांग

औबेदुल्लागंज में कांग्रेस ने महंगाई के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

कांग्रेस पदाधिकारियों ने महंगाई पर अंकुश लगाने की मांग की

हरिभूमि न्यूज ►►औबेदुल्लागंज

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक देवेंद्र पटेल के निर्देशानुसार गुरुवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी औबेदुल्लागंज के नेतृत्व में बढ़ती महंगाई के विरोध प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम अपर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब



भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई। इसके पश्चात कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने जलातार बंद रही महंगाई, शक्कर, डीजल-पेट्रोल एवं बिजली के बढ़ते दामों सहित

आमजन और मध्यम वर्ग से जुड़े मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। ज्ञापन के माध्यम से सरकार से मांग की गई कि बढ़ती महंगाई पर तत्काल अंकुश लगाया जाए और जनता को राहत प्रदान की जाए।

विरोध प्रदर्शन में यह शामिल

विरोध प्रदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इमरत सिंह दरबार, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष महेश जैन, पूर्व जिला अध्यक्ष युवा कांग्रेस परेश नागर, नगर अध्यक्ष दुर्गेश यादव, पार्षद राजेश खटीक, प्रमोद सेन, मंडलम अध्यक्ष हरजीत सिंह मंगू, अनोखी लाल, आशीष गौर, डॉ. महेंद्र सिंह धाकड़ (अधिकृत), जीतू नागर, सुरजमल गौर, शुभम गौर, चंद्रशेखर गुप्ता, बालवीर उहड़के, मंगीलाल, राकेश बामने, संतोष सेन, मोहन अहिस्वर, राजाराम यादव, उत्तम यादव, मनोज खटीक, लालाराम, अनिल परमार, मनोज नागर, नावेद खान, परचेज खान, तुलसी जाटव, टीकाराम बैरवाी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लोगों को एक-एक चुटकी शक्कर देकर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन



जताई और मोदी सरकार से महंगाई कम करने की मांग की। साथ ही ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के प्रदर्शन का समर्थन किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से उप ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम लालबानी, सोनू तोमर, लीलाधर पंवार, विष्णु मारण, महेश गुरुबानी,

जगदीश सांवल, प्रकाश विधानी, सुरेश सिंगरोली, लक्ष्मण वासवानी, आनंद सिंह, राजेश लीलानी, अशोक गोकलानी, आत्माराम सूर्यवंशी, राजकुमार धानुक, राजू बंसल, मोनू यादव, नफिस भाई, सुजल कामले, महेंद्र मालवीय, शुभम शक्वा, जीवन मेहर, हरिओम भार्गव, महेंद्र मालवीय, ओम प्रकाश नामदेव व प्रजापति सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित थे। इस अवसर पर अध्यक्ष एवं पार्षद अशोक मारण ने कहा कि मोदी सरकार ने महंगाई के सारे रिपोर्ट तोड़ दिए हैं।

बैरसिया के बसई गांव में घर के आंगन में लगे टीनशेड पर किसान ने लगाई फांसी

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित गांव बसई वार्ड 4 में किसान ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका शव परिजन ने गांव के आंगन में टीनशेड पर लगे पाइप पर गमछे के सहारे फांसी के फंदे पर लटके देखा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार प्रीतम कुशवाह (45) वार्ड 4, गांव बसई में रहता था। वह खेती किसान करता था। बुधवार दोपहर प्रीतम के परिजन गांव में ही रिश्तेदारी में गए थे। शाम करीब साढ़े पांच बजे परिजन घर पहुंचे तो प्रीतम का शव टीनशेड पर गमछे के सहारे लटका मिला।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत: गोविंदपुरा पुलिस ने बताया कि केशवचंद्र शर्मा (52) भानपुर छोला मंदिर में रहते हैं। बीती चौबीस अगस्त की रात वह बाइक से घर जा रहे थे। इसी दौरान सीआईएसएफ कार्यालय भेल गेट नंबर आठ के पास अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने उन्हें इलाज के लिए एम्स अस्पताल पहुंचाया। घायल व्यक्ति के पास मिले मोबाइल नंबर के आधार पर उनके दोस्त योगेश मिश्रा को सूचना दी गई, जिसके बाद वह अस्पताल पहुंचे और बाद में थाने जाकर टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज कराई।

पूरे दिन भीड़भाड़ की स्थिति बनी रही

हरिभूमि न्यूज ►►औबेदुल्लागंज

रक्षाबंधन त्योहार को लेकर औबेदुल्लागंज का बाजार राखी की दुकानों से सज गया है। बाजार में खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने से पूरे दिन भीड़भाड़ की स्थिति बनी रही। मुख्य बाजार क्षेत्र में सड़क किनारे राखी सहित अन्य सामग्रियों की दुकानें लगने से आवागमन प्रभावित हुआ। वहीं, बाजार में पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था नहीं होने के कारण दोपहिया और चारपहिया वाहन सड़कों के किनारे खड़े रहे। इसके अलावा भारी वाहनों का नगर के मुख्य मार्ग से लगातार आवागमन होने के कारण यातायात व्यवस्था और अधिक बिगड़ गई। कई बार वाहनों की लंबी कतारें लगने से जाम की स्थिति बनी रही और लोगों को आवागमन में परेशानी हुई।

राखियों की दुकानों से सजे औबेदुल्लागंज के बाजार



त्योहारों के दौरान बाजार में भीड़ बढ़ना स्वाभाविक

त्योहार के चलते बाजार में खरीदारों की संख्या बढ़ने के बावजूद यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए पर्याप्त इंतजाम नजर नहीं आए। स्थानीय लोगों और व्यापारियों का कहना है कि त्योहारों के दौरान बाजार में भीड़ बढ़ना स्वाभाविक है, ऐसे में नगर के मुख्य बाजार क्षेत्र में अस्थायी

पार्किंग और भारी वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की जानी चाहिए। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि रक्षाबंधन सहित आगामी त्योहारों के दौरान यातायात व्यवस्था को लेकर पहले से ठोस योजना बनाई जाए, ताकि बाजार में आने वाले लोगों और व्यापारियों को जाम से राहत मिल सके।

व्यवस्थाओं के अभाव में परेशान हुए लोग

राखी बाजार में उमड़ी भीड़ से यातायात बेहाल आधा किमी की दूरी में आधा घंटा लग रहा

हरिभूमि न्यूज ►►संतनगर

एलिवेटेड ओवरब्रिज के निर्माण के चलते पहले से ही संकरे मार्ग पर रक्षाबंधन पर राखी बाजार में खरीदारी के लिए उमड़ी भीड़ ने यातायात व्यवस्था को पूरी तरह प्रभावित कर दिया। सड़क पर वाहनों और पैदल खरीदारों की भीड़ के कारण स्थिति ऐसी बन गई कि करीब आधा किमी का बाजार मार्ग पार करने में लोगों को आधा घंटे तक का समय लग रहा है। संकरे मार्ग के कारण दोपहिया व चार पहिया वाहनों से ट्रैफिक जाम की स्थिति बन रही है। त्योहारी सीजन में बाजार में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए यातायात पुलिस और नगर निगम की ओर से प्रभावी यातायात प्रबंधन तथा वैकल्पिक व्यवस्था की मांग की जा रही है।



मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में मनाया त्यौहार

हरिभूमि न्यूज ►►संतनगर

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में रक्षाबंधन का पर्व उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यालय के कक्षा पहली से पांचवीं तक के विद्यार्थियों ने रक्षाबंधन समारोह में रंग-बिरंगी राखियों और रचनात्मक गतिविधियों एवं नृत्य से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्राचार्या रेखा केवलानी ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और दायित्वबोध का पर्व है। उप-प्राचार्या दिव्या कुपलानी ने कहा कि त्योहारों के माध्यम से बच्चों में प्रेम, सहयोग व सम्मान भाई-बहन के अटूट होती है। संस्था सचिव घनश्याम बूलचंदानी ने कहा कि छात्र रिश्तों की गरिमा को समझें, सहयोग, संरक्षण और परंपराओं के महत्व को आत्मसात करें।



स्कूल के सहपाठियों को राखी बांधती छात्राएं।

जिम्मेदारी और एक-दूसरे की रक्षा के संकल्प का प्रतीक है रक्षाबंधन पर्व

लाइन स्कूल में बहनों से माइयों को राखी बांधी

विजय श्री एजुकेशन सोसाइटी द्वारा संचालित लाइफ लाइन स्कूल में उन बहनों से राखी बंधवाई गई, जिनको भाई नहीं और उन भाइयों को बहन नहीं थी। प्राचार्य किरण वाधवानी ने बताया कि हिंदू धर्म का यह सबसे बड़ा धार्मिक पर्व है, जो भाई-बहन के लिए होता है। बहनों ने भी भाई को माथे पर तिलक लगाकर आरती उतारतकर कलाई पर राखी बांधी। इस अवसर पर दीपा पांडे, छाया मालवीय, नैना वाधवानी व मंजू वासवानी मुख्य रूप से उपस्थित रही।

सगे भांजे ने मामी से किया दुष्कर्म

भोपाल। परविलिया थाना क्षेत्र में 29 साल की सगी मामी से दुष्कर्म और दैहिक शोषण का मामला सामने आया है। आरोपी शादी का झांसा देकर छह साल से महिला का शारीरिक संबंध बना रहा था। उसने भांजे से शादी करने के लिए अपने पति को दो साल पहले छोड़ दिया और अलग रहने लगी। महिला ने उस पर शादी का दबाव बनाया तो वह शादी की बात से मुकर गया। परेशान होकर महिला ने पुलिस को शिकायत की थी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार 29 साल की महिला परविलिया सड़क जाला क्षेत्र में रहती हैं। मामा कोई कामकाज नहीं करता था। भांजा उनके घर का खर्च पूरा करता था। घर आने जाने के कारण महिला अपने सगे भांजे के संपर्क में आ गई।

हवाओं में घुली गुलाबी ठंडक, उमस गायब, पारा 2.6 डिग्री गिरकर 25.2 डिग्री पर रहा, रात में 23.2 डिग्री दर्ज

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

राजधानी में बारिश का दौर कभी धीमे तो कभी रफ्तार पर रहने से अगस्त महीने के आंकड़े अब माह की औसत बारिश के मुकाबले 100 मिमी ऊपर पहुंच गए हैं।

यहां 24 घंटे में 24.2 मिमी बारिश हुई, जबकि गुरुवार को सुबह से शाम तक 8 मिमी दर्ज हुई है। लगातार धिरे बादल और रिमझिम के साथ तेज बारिश से पारे में भी



लिक रोड 1 पर दोपहर 2.21 बजे बारिश हुई।

तेजी से कमी आई है। दिन का पारा 2.6 डिग्री गिरकर 25.2 डिग्री रहा, जो सामान्य

दिन-रात में अब लगभग बराबर गर्मी: 24 घंटे में 24 मिमी बारिश, शहर में महीने का आंकड़ा अब 100 मिमी ऊपर

अगस्त में अब तक 426 मिमी बारिश

शहर में अगस्त के महीने में गुरुवार तक कुल 426 मिमी बारिश हो गई है। यह आंकड़ा सामान्य औसत बारिश के मुकाबले 100 मिमी ज्यादा है। रिकार्ड के अनुसार भोपाल में पूरे अगस्त में औसतन 326 मिमी बारिश होती है। हालांकि, पूरे सौजन में अब तक कुल 981 मिमी बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से 133.8 मिमी अधिक है। आसपास हुई बारिश के साथ ही शहर में लगातार बारिश से जल स्रोतों का जलस्तर भी तेजी से बढ़ रहा है।

तेज बारिश नहीं होने से कम पहुंच रही जलभराव की शिकायत

भोपाल। राजधानी में पिछले दो दिनों से हो रही रिमझिम बारिश की वजह से कहीं भी जलभराव के हालात नहीं बन रहे। हालांकि इसके पहले रविवार को हुई तेज बारिश की वजह से तीस से ज्यादा जगहों पर पानी भरने की शिकायत मिली थी। जिसके बाद निगम की टीमों ने वॉटर पंप से पानी निकाला था। नगर निगम का बूंद नियंत्रक कक्ष में 24 घंटे कर्मचारियों को तैनात किया गया है, जिससे आम लोगों को तुरंत राहत पहुंचाई जा सके। आपदा प्रबंधन के प्रभारी डिप्टी कमिश्नर मुकुंद गुप्ता का कहना है कि नगर निगम अमला

बारिश को देखते हुए अलर्ट मोड पर काम कर रहा है, जिसके तहत कर्मचारियों की रैपिड के हिसाब से 24 घंटे इशूटी लगाई गई है। यदि आप बाद में फंसे हों या फिर घर में जलभराव की स्थिति बने तो नगर निगम का अमला तुरंत मदद पहुंचाएगा। पेड़ या मकान गिरने पर भी राहत टीम तुरंत काम में जुटेंगी। नगर निगम के मुख्य कंट्रोल रूम के साथ सभी जोन में अधिकारी-कर्मचारी तैनात हैं। कुछ सारों में बाद से सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र- दामखेड़ा, कोलार, इंडस कॉलोनी, शिवनगर आदि रहे हैं।

खबर संक्षेप

गर्भावस्था में नियमित व्यायान और संतुलित भोजन भी जरूरी

भोपाल। बीएमएचआरसी में स्वास्थ्य केंद्र क्रमांक चार में गर्भ संस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आई आंगनवाड़ी की महिला को संबोधित करते हुए

बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ मनीषा श्रीवास्तव ने कहा कि गर्भावस्था के दौरान योग ध्यान और मेडिटेशन करना आवश्यक है। गर्भावस्था के दौरान घर का बना संतुलित भोजन करना जरूरी है। खासतौर पर पोषक आहार के साथ गर्भावस्था के लिए विशेष योगासन शरीर को लचीला बनाते हैं और मानसिक तनाव कम करते हैं। कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ताओं के रूप में डॉ. नेहल शाह ने गर्भावस्था के दौरान नियमित व्यायाम और डॉ. रोमा रस्तोगी ने गर्भावस्था के दौरान व्यायाम से सामान्य प्रसव का महत्व विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। डॉ रोमा रस्तोगी ने व्याख्यानमाला में कहा कि व्यायाम करने से गर्भवती महिला को फायदा होगा इससे

50 हजार संविदा ऑपरेटरों को मिलेगा 2400 ग्रेड पे



ग्वालियर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की ग्वालियर खंडपीठ ने राज्य सरकार की अपील निरस्त करते हुए प्रदेश के 50 हजार से अधिक संविदा डाटा एंट्री ऑपरेटरों को 2,400 रुपए ग्रेड पे देने के आदेश पर मुहर लगा दी है। न्यायालय ने 1,900 रुपए ग्रेड पे के स्थान पर 2,400 रुपए ग्रेड पे दिए जाने के एकल पीठ के फैसले को बरकरार रखा। निर्णय से राज्य के शासकीय विभागों में संविदा डाटा एंट्री ऑपरेटरों को लाभ मिलेगा।

25 लाख के सोने-चांदी के जेवरात चोरी में 2 गिरफ्तार



इंदौर। संयोगितागंज क्षेत्र में मकान का ताला तोड़कर 25 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवर चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार हुए। रोहित जायसवाल और चंदन अबोलौ ने शहर में एक मकान का ताला तोड़कर करीब 25 लाख की कीमत के सोने-चांदी के जेवरात चोरी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। चोरी के बाद दोनों ने जेवरात आपस में बांट लिए और घर के पास जमीन में गड्ढा खोदकर उन्हें दबा दिया।

तलवार लहराकर केक काटा, एफआईआर

भोपाल। कोलार क्षेत्र में तलवार लहराकर केक काटने के एक कथित वायरल वीडियो मामले में पुलिस ने आर्स एक्ट की धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान विशाल पाठक पिता राजेश पाठक निवासी सर्वधर्म सी सेक्टर कोलार रोड के रूप में हुई है। उसने 21 अगस्त को किड्स कैम्प स्कूल के पास अपना जन्मदिन मनाया था। इसी दौरान तलवार लहराते हुए केक काटा और इसका वीडियो इंस्टाग्राम पर अपलोड कर दिया। पुलिस ने वायरल वीडियो की जांच के बाद एफआईआर दर्ज की है। पुलिस अब वायरल वीडियो के आधार पर जानकारी जुटा रही है।

अभियान चलाकर विद्यालयों में मूलभूत जरूरतों की करें पूर्ति

स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए आवश्यक सुविधाओं के विस्तार का कार्य निरंतर चल रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी आधारित नवाचार सराहनीय है, इन्हें जारी रखा जाए। इसके साथ ही छात्रों के हित में विद्यालयों में अधोसंरचनात्मक विकास के लिए विभिन्न पक्षों का सहयोग प्राप्त किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्यालयों में सभी व्यवस्थाएं बेहतर बनाने का कार्य निरंतर किया जाए। इसके लिए अभियान संचालित कर कार्यों को पूरा किया जाए। शालाओं में नवीन निर्माण कार्यों की पूर्णता को प्राथमिकता दी जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में शासकीय शालाओं में अधोसंरचना, संधारण और संचालन व्यवस्था के सुदृढीकरण से संबंधित स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

पूर्व छात्र सम्मेलन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में अभिनव पहल करते हुए पूर्व छात्रों के सम्मेलन भी होना चाहिए। अनेक पूर्व छात्र अपनी पुरानी शिक्षण संस्था के विकास में सहयोगी होते हैं। बैठक में जानकारी दी गई कि अधोसंरचनात्मक विकास के लिए सीएसआर, डीएमएफ, सांसद, विधायक निधि, स्थानीय संस्थाओं, जनभगीदारी तथा अन्य वैकल्पिक स्रोतों से सहयोग लिया जा रहा है। बैठक में मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) श्री नीरज मंडलोई सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

गोविंदपुरा में दिवंगतों को श्रद्धांजलि दी प्राकृतिक आपदा में पीड़ितों की मदद के लिए राहत राशि जुटाएगा नेपाली समाज



हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

श्री पशुपतिनाथ नेपाली समाज मंदिर, गोविंदपुरा में नेपाल में आई प्राकृतिक आपदा में दिवंगत लोगों की आत्मा की शांति के लिए गुरुवार को श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में नेपाली समाज के लोगों ने दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित करते

हुए घायलों के शीर्ष स्वस्थ होने की कामना की। समाज के अध्यक्ष लोकमणि धिमिरे ने कहा कि भोपाल में रहने वाला नेपाली समाज इस संकट की घड़ी में प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा है। पीड़ितों की सहायता के लिए समाज द्वारा राहत राशि एकत्र करने का कार्य भी शुरू किया गया है तथा हरसंभव आर्थिक एवं भौतिक सहयोग किया जाएगा।

कोहेफिजा में हलालपुर के पास का मामला

टक्कर मारने को लेकर विवाद कैब ड्राइवर पर चाकू से हमला

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित हलालपुरा बस स्टैंड के पास मेन रोड पर गुरुवार सुबह कार से टक्कर मारने की बात पर हुए विवाद में कार चालक ने कैब ड्राइवर पर चाकू से प्राणघातक हमला कर दिया। कैब ड्राइवर के पेट व शरीर के अन्य हिस्सों में चाकू लगने से उसे गंभीर चोट आई है। वारदात के बाद आरोपी कार चालक और उसके साथी मौके से भाग निकले। पुलिस हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार दुर्गा नगर पलासी करौंद निवासी मनीष जाट

(34) सेल्समैन का काम करता है। मनीष के बड़े भाई जितेन्द्र जाट (36) की स्विफ्ट डिजायर कार ओला/उबर में अटैच है। कार जितेन्द्र जाट चलाता है। गुरुवार 27 अगस्त को जितेन्द्र कार से सवारी छोड़ने हलालपुर बस स्टैंड गया था। सुबह करीब छह बजे जीजा चन्द्रभान सिंह जाट का मनीष के पास कॉल आया कि उनके पास जितेन्द्र का फोन आया था। बता रहा था कि सुबह करीब 5 बजे हलालपुर बस स्टैंड के आगे एक कार का चालक तेजी वा लापरवाही से गाड़ी चलाता हुआ लाया और उसकी स्विफ्ट डिजायर कार को पीछे से टक्कर मार दी। इसी बात को लेकर विवाद हुआ।

से 4.7 डिग्री कम रहा। रात का पारा भी 23 डिग्री रहने से दिन और रात में गर्मी का अहसास लगभग बराबर महसूस किया गया है।

दिन में हवाओं की रफ्तार करीब 15 किमी प्रति घंटे रहने से सुबह और शाम को गुलाबी ठंडक महसूस हुई। उमस पूरी तरह गायब रही। इससे सैलानियों की आमद भी बढ़ गई। मौसम केंद्र के अनुसार अगले दो दिन ज्यादा बदलाव की उम्मीद नहीं है।

जिला स्तर पर कलेक्टर होंगे समन्वयक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिला स्तर पर विद्यालयवार अधोसंरचनात्मक विकास की विस्तृत कार्य योजना तैयार की जाए। विभिन्न विभागों के अंतर्गत उपलब्ध बजट से शाला भवनों में आवश्यक अधोसंरचना, अनुसंधान एवं संधारण के कार्य किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विद्यालयों में नियमित साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था तथा क्रियाशील शौचालयों की उपलब्धता स्थानीय निकायों के माध्यम से सुनिश्चित की जाए। इसी तरह उद्योग जगत और निवेशकों का सहयोग भी विद्यालयों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में किया जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इन व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के लिए जिला कलेक्टर समन्वय एवं पर्यवेक्षण करेंगे।

तकनीक के उपयोग से प्रबंधन को बनाएं आसान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि तकनीक का अधिकतम उपयोग विभिन्न तरह के प्रबंधन की आसान बना देता है। सभी जिले इस दिशा में सक्रियतापूर्वक कार्य किया जाना सुनिश्चित करें। आवश्यकता के अनुसार सूचना प्रौद्योगिकी जैसे सिपरी सॉफ्टवेयर का प्रयोग कर क्षेत्र के पेयजल स्रोतों और जल स्तर की जानकारी भी प्राप्त की जा सकती है। ऐसी जानकारीयें विभिन्न कार्यों को जल्दी पूरा करने में उपयोगी सिद्ध होती हैं।

छात्रवृत्ति का ऑनलाइन भुगतान

विगत 2 वर्ष में समेकित छात्रवृत्ति योजना का क्रियान्वयन कर लगभग सवा करोड़ छात्र हितवाही लाभान्वित किए गए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने जोडल विभाग के रूप में कार्य करते हुए योजना अंतर्गत राशि का भुगतान शिक्षा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा विद्यार्थियों के खातों में किया गया है। गत 2 वर्ष में विद्यार्थियों को 696 करोड़ रुपए की राशि प्रदान की गई है।

95% हुई शिक्षकों की अटेंडेंस



बैठक में बताया गया कि प्रदेश में ई-अटेंडेंस व्यवस्था लागू करने के अच्छे परिणाम मिले हैं। हमारे शिक्षक ऐप के माध्यम से शिक्षकों की ऑनलाइन एआई संचालित व्यवस्था का अन्य राज्यों द्वारा भी अध्ययन किया जा रहा है। कर्मचारियों के लिये ई-अटेंडेंस अनिवार्य करने के बाद ई-अटेंडेंस 95 प्रतिशत तक हो गई है। न्यूनतम शिक्षण अवधि के अनुसार पठन-पाठन सुनिश्चित करने के कार्य में सफलता मिली है। मग्न शिक्षा का अधिकार का बेहतर क्रियान्वयन कर रहा है।

पूर्णिमा पर श्रावणी पर्व मनाया गया

गुफा मंदिर में 351 ब्राह्मणों पहले किया दशविधि स्नान, फिर बदले यज्ञोपवीत



हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

श्रावण पूर्णिमा पर गुफा मंदिर ब्राह्मणों हेमाद्रि संकल्प के साथ नवीन यज्ञोपवीत धारण किया। गुफा मंदिर में 351 की संख्या में ब्राह्मण व बटुकों ने उपाकर्म किए। स्वामी रामप्रवेश देवाचार्य जी महाराज के

सानिध्य में लगभग 351 ब्राह्मणों का दशविधि स्नान, कर श्रावणी उपाकर्म किया गया। ब्राह्मण गोमूत्र,गोबर, पंचगव्य, पंचामृत, घी, कुषा, दुर्वा आदि के साथ ही अनेक और नवजयाधियों से स्नान करके देहपुद्धि मन शुद्धि और आत्मशुद्धि करते हैं।

पहले 30 हजार रुपए की रिश्त मांगी थी

मेहगांव में जमीन के नामांतरण के लिए मांग रहा था घूस

हरिभूमि न्यूज ►►भिंड

मेहगांव में जमीन के नामांतरण के लिए रिश्त मांगने वाले पटवारी को लोकायुक्त पुलिस ने गुरुवार को 5 हजार रुपए लेते रंग हाथ गिरफ्तार कर लिया। सिमार हल्के में पदस्थ पटवारी संजय बघेल पर आरोप है कि उसने फरियादी से नामांतरण के एवज में पहले 30 हजार रुपए की रिश्त मांगी थी। बाद में 10 हजार रुपए में सोदा तय हुआ। फरियादी की शिकायत पर लोकायुक्त ने सत्यापन के बाद ट्रैप की कार्रवाई की और पांच हजार रिश्त की पहली किस्त लेते ही पटवारी को दबोच लिया। सरसेड्डा निवासी राघवेंद्र बघेल ने



लोकायुक्त पुलिस की गिरफ्त में आरोपी

अपनी पत्नी के नाम जमीन खरीदी थी। जमीन का नामांतरण कराने के लिए वह सिमार हल्के के पटवारी संजय बघेल के पास पहुंचा। फरियादी के मुताबिक नामांतरण की कार्रवाई के लिए पटवारी ने उससे 30 हजार रुपए की मांग की। राघवेंद्र ने रिश्त देने में असमर्थता जताई तो बातचीत के बाद रकम घटाकर 10 हजार रुपए तय की गई।

भोपाल हरिभूमि 10

भोपाल हरिभूमि 10

स्कूल प्रबंधन ने कहा करंट लगा

स्कूल में महिला सफाईकर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

शाहपुरा थाना क्षेत्र के निजी स्कूल में साफ-सफाई का काम करने वाली 65 साल की बुजुर्ग महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। स्कूल प्रबंधन का कहना है कि महिला कर्मचारी को करंट लगा था, जबकि मौके पर पहुंची पुलिस का कहना है कि जिस जगह महिला के बेसुध होकर गिरने और करंट लगना बताया जा रहा है, वहां आसपास कहीं भी करंट का कोई माध्यम नजर नहीं आया है।

फिलहाल घटना को संदिग्ध माना जा रहा है। पुलिस का कहना है कि शार्ट पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारण सामने आ सकेंगे। पुलिस के अनुसार बारह नंबर मल्टी में रहने वाली रेखा बाई पत्नी रामलाल (65) यहां अपने बेटे-बहू के साथ रहती थीं। करीब नौ माह पूर्व पति की बीमारी के चलते मौत हो

चुकी है। पति की मौत के बाद रेखा बाई शाहपुरा स्थित शील पब्लिक स्कूल में साफ-सफाई की काम करने लगी थीं। बुधवार शाम करीब चार बजे रेखा बाई की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह गंभीर हालत में स्कूल की तीसरी मंजिल पर बेहोश पड़ी मिलीं।

स्कूल प्रबंधन ने परिजनों को सूचना देकर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। स्कूल प्रबंधन का कहना है कि रेखा बाई साफ-सफाई करने स्कूल की तीसरी मंजिल पर गई थीं। वहां उन्हें करंट लगा था। पुलिस जब एफएसएल टीम के साथ मौके पर पहुंची तो वहां कोई कनेक्शन, तार अथवा करंट का खोत नहीं मिला। जिससे माना जाए कि महिला को उसी जगह करंट लगा है। हालांकि पुलिस का कहना है कि रेखा बाई के दाहिने हाथ की कोहनी के ऊपर झुलसने का निशान मिला है।

बाबू से लेकर अफसरों की जन्मेदारी भी तय अब टाइम लिमिट में चलेगी जमीन आवंटन की फाइल

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

राजधानी में सरकारी विभागों को जमीन आवंटन के लिए अब महीनों तक फाइलों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने जमीन आवंटन को लेकर स्टैंडर्ड आपरेंटिंग प्रोसीजर (एसओपी) जारी कर दी है। जिसके तहत बाबू से लेकर तहसीलदार, ओआईसी समेत अन्य अफसरों को टाइम लिमिट में फाइल को आगे बढ़ाना पड़ेगा। एसओपी के हिसाब से जमीन

आवंटन की पूरी प्रक्रिया अधिकतम एक महीने के अंदर पूरी करने का टारगेट रखा गया है। जिला स्तर से सभी एसडीएम में प्रकरणों की नियमित मांतिरिंग की जाएगी। सभी एसडीएम और तहसीलदारों को निर्देश दिए गए हैं कि जमीन आवंटन के प्रकरण टाइम लिमिट में भेजें। एडीएम सुमित पांडे का कहना है कि प्रक्रिया में किसी दस्तावेज की कमी मिलने पर संबंधित अधिकारी चेकलिस्ट को हस्ताक्षरित कर कमी को पूरा कराएंगे।

कॉलेजों में मूलभूत सुविधाओं को लेकर कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन

अभाविविप ने शुरू किया प्रदेशव्यापी विद्यार्थी हुंकार अभियान, मार्च निकालकर प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

प्रदेश के सरकारी कॉलेजों में विद्यार्थियों की मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा गुरुवार को 'विद्यार्थी हुंकार अभियान' के तहत प्रदेशव्यापी प्रदर्शन किया। विभिन्न जिलों में कार्यक्रमों, विद्यार्थियों ने जिला कलेक्टरों के माध्यम से उच्च शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा और व्याप्त मूलभूत समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग की। इसी क्रम में आज भोपाल में भी सैकड़ों की विद्यार्थियों ने मार्च निकालकर कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। अभाविविप ने कहा कि



कलेक्टर कार्यालय में उच्च शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते अभाविविप कार्यकर्ता।

प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में स्वच्छ पेयजल, पर्याप्त एवं स्वच्छ शौचालय, पर्याप्त फर्नीचर, बिजली, पुस्तकालय, लैब, खेल सुविधाओं, इंटरनेट, पार्किंग, सुरक्षा एवं प्राथमिक उपचार जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव का सामना कर रहे हैं।

जर्जर अधोसंरचना से जूझ रहे कॉलेज: केतन चतुर्वेदी
मध्यभारत प्रान्त मंत्री केतन चतुर्वेदी ने कहा कि चिंतानक है कि मग्न के विभिन्न जिलों के कई शासकीय महाविद्यालय इस समय मूलभूत सुविधाओं के घोर अभाव और जर्जर अधोसंरचना से जूझ रहे हैं।

रिश्वतखोर सरकारी कर्मचारियों ने तो हद कर डाली

भिंड में 10 हजार में तय हुई थी डील, 5 हजार की पहली किस्त लेते लोकायुक्त ने पटवारी को दबोचा

आरोपी के सहयोगी पर भी धमकी देने का आरोपी

शहडोल। जिले के सोहागपुर तहसील (हल्का नंबर 72) में पदस्थ पटवारी आशीष सोनकर पर एक बेसहारा अनाथ युवती ने पद के दुरुपयोग, अश्लील बातचीत और रिश्ततखोरी का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने वाट्सएप चैट के स्क्रीनशॉट और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के साथ कलेक्टर को लिखित शिकायत सौंपी है। पीड़िता के अनुसार माता-पिता के



पीड़िता

निधन के बाद उसने पुश्तैनी जमीन के काम और जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए पटवारी से संपर्क किया था। आरोप है कि पटवारी ने काम के एवज में 20 हजार रुपए मांगे, जिसमें से 15 हजार रुपए नकद ले लिए गए। इसके अलावा पटवारी ने उसे होटल में बुलाने का दबाव बनाया और आपत्तिजनक बातें कीं। विरोध करने पर काम रोक दिए गए। युवती ने पटवारी के सहयोगी रवि पर भी आरोप लगाया है कि वह शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बना रहा है और धमकी दे रहा है।



राजधानी की दीपिका खेमानी ने बनाई राखी स्पेशल चॉकलेट्स

हरिभूमि न्यूज़ ॥ भोपाल

रक्षाबंधन का त्योहार जैसे-जैसे करीब आता है, भाई-बहन के रिश्ते में प्यार और अपनापन जताने के लिए खास तोहफों की तलाश भी बढ़ने लगती है। इस बार पारंपरिक मिठाइयों के साथ चॉकलेट गिफ्ट हैपर भी लोगों की पसंद बन रहे हैं। खूबसूरत पैकेजिंग, आकर्षक रिबन और अलग-अलग फ्लेवर की चॉकलेट्स से सजे ये हैं



पर राखी के तोहफे को खास अंदाज दे रहे हैं। शहर की जानी मानी चॉकलेट मेकर दीपिका खेमानी ने बताया कि रक्षाबंधन को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए गिफ्ट हैपर में कई तरह की चॉकलेट्स के साथ ड्राय फ्रूट्स, कुकीज और अन्य स्वीट ट्रीट्स को भी शामिल किया जा रहा है। कई हैपर में खूबसूरत राखी भी साथ दी जा रही है, जिससे यह पूरा पैकेज भाई-बहन के प्यार का खूबसूरत प्रतीक बन जाता है।

बच्चों के लिए खास नट्स व ड्राई फ्रूट चॉकलेट

दीपिका ने कहा कि मेरी बनाई चॉकलेट्स में शुगर फ्री चॉकलेट का ज्यादा ध्यान रखा गया है कि यह ज्यादा मीठी ना हो और इसीलिए मैने डार्क चॉकलेट में नया प्रयोग किया है। उन्होंने बताया कि इसी के साथ बच्चों के लिए मैने नट्स और ड्राई फ्रूट फ्लेवर की चॉकलेट भी बनाई है जो खाने में तो स्वादिष्ट है ही सेहत के लिए भी काफी लाभदायक है।



दीपिका खेमानी।

शहर के ऐसे भाई-बहन, जिनके रिश्ते खून से नहीं, विश्वास और अपनत्व से बने

रक्षाबंधन स्पेशल

राखी के धागे में बंधे अनमोल रिश्ते जो खून से नहीं, भावनाओं से बंधे...

हरिभूमि न्यूज़ ॥ भोपाल

रक्षा सूत्र सिर्फ खून के रिश्तों में ही नहीं बंधता, कई रिश्ते ऐसे भी होते हैं जो बिना किसी औपचारिक पहचान के दिलों में अपने आप जगह बना लेते हैं। इनमें अपनापन होता है, विश्वास होता है और एक-दूसरे के लिए हर परिस्थिति में साथ खड़े रहने का जज्बा होता है। यही वजह है कि भाई-बहन के रिश्ते की डोर सिर्फ जन्म से नहीं, भावनाओं से भी जुड़ सकती है। रक्षाबंधन के इस खास मौके पर हरिभूमि ने ऐसे ही कुछ अनोखे भाई-बहन के रिश्तों को तलाशा, जिनके बीच खून का रिश्ता भले ही न हो लेकिन प्यार, स्नेह और जिम्मेदारी ने उन्हें सगे रिश्तों से भी ज्यादा करीब ला दिया।

सौचा न था इस साल सार्थक भाई की तस्वीर पर राखी चढ़ाऊंगी

श्यामला हिल्स निवासी सुशब्रू रंजन बताती हैं कि करीब 10 साल पहले सोशल मीडिया के जरिए मेरी मुलाकात डॉ सार्थक गौड़ से हुई, सार्थक इवेंट्स आयोजित करते थे और मैं एक अल्ट्रा सिंगर थी। इसी सिलसिले में सार्थक ने मुझे एक कार्यक्रम में गाने का अवसर दिया। मुलाकातें बढ़ती तो रिश्ते में आजापन भी बढ़ता गया। सार्थक मुझे प्यार से दीदी कहकर बुलाने लगा और उनकी कोई सगी बहन भी नहीं थी। तो वो मुझसे राखी बंधवाने लगे। करीब दस सालों से वो मुझसे राखी बंधवाता था, लेकिन

हर साल राखी बांधते हुए मेरे हाथों ने कभी सौचा न था कि एक दिन यही राखी सिर्फ यादों के सहारे बांधनी पड़ेगी। क्योंकि इसी साल जुलाई में बेन टीबी की वजह से सार्थक का निधन हो गया। इस घटना ने मुझे भीतर तक मारुक्त कर दिया। आज भी जब सार्थक के माता-पिता से मुलाकात होती है तो उन्हें अपने बेटे की याद आती है और मुझसे सार्थक की झलक दिखती है। सुशब्रू ने कहा कि मैंने सौचा न था कि हर साल भाई की कलाई पर राखी बांधने की जगह आज उसकी तस्वीर पर राखी चढ़ाऊंगी।

हंस मैया ने मामा का फर्ज निभाते हुए की मेरी बितिया की विदाई

विद्यानगर निवासी नीता पासपोल बताती हैं कि करीब 6 साल पहले कोरोना काल के दौरान, जब पूरी दुनिया थम-सी गई थी, तब वे रॉक करने जाया करती थीं। वहीं उनकी मुलाकात एक दंपती से हुई। रोज की मुलाकात और हंसी-मजाक के बीच पता चला कि उनकी सोच और पसंद भी काफी मिलती-जुलती है। नीता कहती हैं कि मुझे स्ट्रीट डॉन्स को खाना खिलाने का शौक था और हंसराज मैया को भी, बस वो मुझे दीदी कहते और इसी अपनपन से मुझे उन्हें अपने सगे मैया की झलक दिखाई देने लगी। एक दिन उन्होंने खुद कहा, मैं आपको दीदी कहता हूँ हूँ तो अब मैं आपसे राखी भी बंधाऊंगा। आज 6 साल हो गए हैं हंस राज मैया को राखी बांधते हुए, कुछ सालों पहले मेरी बेटों की शादी में उन्होंने मामा की पूरी भूमिका निभाते हुए सभी रस्में भी निभाईं। आज हमारा रिश्ता केवल राखी तक सीमित नहीं, बल्कि हर सुख-दुख में एक-दूसरे के साथ खड़े रहने वाले भाई-बहन का बन चुका है।



जवानों को राखी बांधती नन्हें बहनें।

आईटीबीपी के जवानों को बहनों ने बांधी राखी रक्षा सूत्र में बंधा जवानों और समाज का अटूट रिश्ता



हरिभूमि न्यूज़ ॥ भोपाल

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर शौर्य फाउंडेशन एवं भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के द्वारा गुवागार को भारत रक्षा पर्व 2026 का आयोजन आईटीबीपी सेंटर में किया गया। कार्यक्रम में भोपाल की अनेकों माताओं, बहनों एवं छात्राओं ने आईटीबीपी के वीर जवानों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनके साहस, त्याग और राष्ट्रसेवा के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की।



राष्ट्रगान से हुआ शुभारंभ देशभक्ति प्रस्तुतियों ने बांधा समाज

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान से हुआ। इसके बाद देशभक्ति नृत्य, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और राखी गोती ने वातावरण को राष्ट्रप्रेम से भर दिया। कार्यक्रम में आईटीबीपी के महानिरीक्षक अजयपाल सिंह, उप महानिरीक्षक अमित कटियार, लॉयर्स ऑफ भोपाल के हरिओम जटिया सहित बड़ी संख्या में गणमान्य अतिथि मौजूद थे।

तूलिका महोत्सव में सेवा और परिवार का संगम, 30 सामाजिक संस्थाएं सम्मानित

हरिभूमि न्यूज़ ॥ भोपाल

तूलिका सामाजिक, कला एवं शैक्षणिक-सांस्कृतिक संस्था के वार्षिक महोत्सव दो चरणों में हुआ। पहले सत्र में प्रदेश की 30 सामाजिक संस्थाओं के 70 से अधिक पदाधिकारियों को उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। दूसरे चरण में तूलिका मिसेज एमपी-26 का आयोजन हुआ, जिसमें 18 से 40 और 41 से 65 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं ने भाग लिया। परिवार की थीम पर आयोजित कार्यक्रम में मां-बेटों, सास-बहू, ननद-भाभी, देवरानी-जेठानी, श्रेष्ठ दंपती और आदर्श दंपती को सम्मानित किया गया। वहीं इसके बाद आयोजित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में रंग भर दिया। इस अवसर पर महापौर मालती राय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।



कार्यक्रम के दौरान मंच पर समूह की सभी सदस्य।



अपनी ट्रॉफी दिखाती हुई मिसेज तूलिका समेत सभी विजेता।

खेलों से सशक्त युवा, देश का गौरव बढ़ाने का संकल्प...

हरिभूमि न्यूज़ ॥ भोपाल

नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी (एनएलआईयू) में 'खेलो इंडिया डायलॉग: खेल की बात पीएम के साथ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देशभर के खिलाड़ियों एवं युवाओं के साथ संवाद का सीधा प्रसारण किया गया।

कार्यक्रम में संचालन एवं मॉडरेटर की भूमिका यशस्वी अग्रवाल ने निभाई। आयोजन का उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करना, खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना तथा खेल के माध्यम से अनुशासन, समर्पण, आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण की भावना को बढ़ावा देना रहा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑनलाइन माध्यम से देशभर के खिलाड़ियों एवं युवाओं को संबोधित करते हुए खेलों के प्रति समर्पण, निरंतर अभ्यास और दृढ़ संकल्प के महत्व पर प्रकाश डाला।

एनएलआईयू में 'खेलो इंडिया डायलॉग: खेल की बात पीएम के साथ' कार्यक्रम



एमनएलआईयू में कार्यक्रम के बाद सभी अधिकारी।



आरएनटीयू में आयोजित हुआ 'खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू) में 'खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम के आयोजन में युवाओं की खेलों में भागीदारी, नवाचार, नेतृत्व क्षमता तथा नशामुक्त विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विशेष चर्चा की गई। कार्यक्रम में आरएनटीयू की प्रो वांस्वर डॉ. अदिति वसुदेवी वत्स, मुख्य अतिथि विद्यालोक सुरेंद्र पट्टा, कुलगुरु डॉ. रवि प्रकाश दुबे, भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी का वचुअल संबोधन भी हुआ।

मुकेश की 50वीं पुण्यतिथि पर कायस्थम ने दी श्रद्धांजलि

सदाबहार मुकेश: गीतों से सजी शाम दिल को छूने वाले गीतों ने मोहा मन

हरिभूमि न्यूज़ ॥ भोपाल

अपनी आवाज से लोगों के दिलों पर राज करने वाले प्रसिद्ध गायक मुकेश की 50वीं पुण्यतिथि पर कायस्थम की ओर से आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम 'सदाबहार मुकेश' में सुरों के जरिए महान गायक को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। मंच पर जब मुकेश के सदाबहार नगमे गूंजे तो पूरा माहौल उनकी यादों और आवाज के रंग में रंग गया। कायस्थम के अध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव ने मुकेश के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें बेहद संवेदनशील, मिलनसार और सहृदय ईसान बताया।



स्व. मुकेश चंद्र माथुर को श्रद्धांजलि अर्पित करते कायस्थम के पदाधिकारी।



जब मंच पर उतरा मुकेश गीतों का दौर

कार्यक्रम में गायकों ने उनके लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। के. सहस्र ने आ आ लौट के आ जा मेरे गीत, झूम झूम के नाचो आज, दोस्त दोस्त न रहा और जिनगी हमें तेरा प्यार न रहा जैसे गीतों से मुकेश को सुरों में याद किया।



रवींद्र भवन में 'मैं पल दो पल का शायर हूँ' थीम पर सजी संगीतमयी संध्या

हरिभूमि न्यूज़ ॥ भोपाल

स्वर सम्राट मुकेश की 50वीं पुण्यतिथि के अवसर पर गुरुवार को शहर में संगीतमय श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन रवींद्र भवन में किया गया, जिसमें मुकेश के सदाबहार गीतों की प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम में मुकेश की यादों को उनके लोकप्रिय गीतों के माध्यम से जीवंत किया गया। मुकेश की सुरीली आवाज और उनके गीतों से जुड़ी यादों को समर्पित यह संगीत संध्या संगीत प्रेमियों के लिए खास रही।



रवींद्र भवन के मंच पर प्रस्तुति देते हुए सिंगर।

आखिरी मैच में भारत के सामने बेल्जियम को उसी के गढ़ में हराने की चुनौती

एजेसी ►► नई दिल्ली

वाँवरे (बेल्जियम)। पांच दशक बाद विश्व कप में पदक जीतने का सपना टूटने के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम आखिरी मैच में जीत के साथ स्वदेश लौटना चाहेगी लेकिन आज शुक्रवार को होने वाले इस मुकाबले में उसके सामने सह मेजबान और मौजूदा प्रो लीग चैंपियन बेल्जियम को उसके मैदान पर हराने की कठिन चुनौती है।

नीदरलैंड के एम्स्टेलवीन में पहले और दूसरे चरण के मैच खेलने वाली भारतीय टीम पूल ई में चौथे स्थान पर रहने के बाद सातवें / आठवें स्थान का क्वासीफिकेशन मुकाबला खेलने यहां आई है लेकिन हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली टीम की राह इतनी आसान नहीं है क्योंकि उसके सामने 2018 विश्व कप चैंपियन दुनिया की दूसरे नंबर की टीम है जो टूर्नामेंट शुरू होने से पहले खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही थी। बेल्जियम भी सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर होने के झटके से उबरकर आखिरी मैच जीतने का पूरा प्रयास करेगी।



भारत-न्यूजीलैंड क्रिकेट मैच टिकटों की रिकॉर्ड बिक्री बेलिंगटन। भारत के बहु प्रारूप के आगामी न्यूजीलैंड दौरे को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है और मेजबान क्रिकेट बोर्ड द्वारा सदस्यों के लिए शुरू की गई टिकटों की बिक्री के शुरुआती 48 घंटे में 26,000 टिकट बिक गए। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य विपणन एवं वाणिज्यिक अधिकारी र्लेन क्रिचली ने कहा कि टिकटों की कमी पिछले सत्र के समान रखी गई है और ‘क्रिकेट नेशन’ के प्रवेश कोड का इस्तेमाल करने पर एक टिकट 30 न्यूजीलैंड डॉलर से कम में उपलब्ध है। आम दर्शकों के लिए टिकटों की बिक्री सात सितंबर से शुरू होगी।

एशियाई खेलों के क्रिकेट टेब्यु को लेकर बोर्ड्स चिंतित नई दिल्ली। इस बार एशियाई खेलों का आयोजन जापान में होना है, जिसमें क्रिकेट भी शामिल है। इस बीच खबर है कि इस आयोजन को लेकर के कई क्रिकेट बोर्ड्स ने सवाल उठाए हैं। दरअसल, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड सहित कई प्रमुख बोर्ड्स ने जापान में क्रिकेट के मैदानों और वहां की व्यवस्थाओं को लेकर के अपनी चिंता जाहिर की है। जापान के शहर नागोया के पूर्व में स्थित एक छोटे से शहर, निशिन में एशियाई खेलों के लिए क्रिकेटर आएंगे।

विश्व कप हॉकी : मैच भारतीय समयानुसार रात 9. 45 से



श्रीलंका ने फॉलोऑन खेलने के बावजूद

दिनुशा के शतक ने टीम इंडिया की जीत पर फेरा पानी, कोलंबो टेस्ट ड्रा, भारत ने जीती सीरीज

एजेसी ►► कोलंबो

सोनल दिनुशा के मैच के दूसरे और श्रृंखला के तीसरे शतक से श्रीलंका ने भारत के खिलाफ फॉलोऑन खेलने के बावजूद दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट को ड्रां करा दिया लेकिन मेहमान टीम ने श्रृंखला 1-0 से जीत ली। परे में जकड़न से जूझने के बावजूद दिनुशा ने जबरदस्त जुझारूपन दिखाते हुए नाबाद 133 रन की पारी के दौरान 264 गंद का सामना किया और भारत की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

इस तरह से रोचक रहा मैच कोलंबो टेस्ट में भारत ने अपनी पहली पारी में 503/9 का स्कोर बनाया, जिसमें देवदत्त पडिक्कल (117) और ध्रुव जुगल (115*) ने शतक लगाए। जवाब में श्रीलंकाई पारी दिनुशा के शतक की मदद से 290 रन पर ही सिमट गई। इसके बाद फॉलो-ऑन खेलने पर मजबूर हुई मेजबान टीम ने पर्सिंद सूरियायंबंदरा (92) और दिनुशा (133*) की बदौलत 429/9 का स्कोर बनाया और मैच ड्रां पर समाप्त हुआ।



पंत ने छक्कों के मामले में गिलक्रिस्ट को पीछे छोड़ा

पंत ने अपनी पारी में 6 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 63 रन बनाए। इस बीच उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में छक्कों के मामले में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज एडम गिलक्रिस्ट (100) को पीछे छोड़ दिया। पंत अब टेस्ट क्रिकेट में तीसरे सर्वाधिक छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज हैं। इस मामले में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स (138) पहले और न्यूजीलैंड के बेंडन मैकुरलन (107) दूसरे नंबर पर हैं।

दिनुशा ने दोनों पारियों में शतक लगाया

दिनुशा भारत के खिलाफ टेस्ट की दोनों पारियों में शतक (103 और 133*) लगाते वाले श्रीलंका के सिर्फ तीसरे बल्लेबाज बने। उनसे पहले दलीप मेंडिस (105 और 105, 1982) और अरविंद डी सिल्वा (146 और 120, 1997) ऐसा कर चुके थे। अरविंद (2 बार), कुमार संकाकारा (2 बार), दलीप मेंडिस, असंका गुरुसिंहा, तिलकरत्ने दिलशान, धनंजय डी सिल्वा और कामिंडु मेंडिस के बाद दिनुशा टेस्ट की दोनों पारियों में शतक बनाने वाले छठे श्रीलंकाई बल्लेबाज हैं।

दिनुशा इस विशेष सूची में हुए शामिल

दिनुशा ने पहले टेस्ट में 100 और 84 रन के स्कोर किए थे। इसके बाद गॉल टेस्ट की अपनी पहली पारी में 103 रन बनाए थे। वह अब तीसरे ऐसे श्रीलंकाई बल्लेबाज बने, जिन्होंने 2 वें की टेस्ट सीरीज की अपनी चारों पारियों में 50+ रन बनाए।

भारत ने 14 गोल किए, 16 गंवाए

अर्जेंटीना के खिलाफ दूसरे दौर के आखिरी मैच में हारकर बाहर हुई भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में धीमी शुरूआत और 60 मिनट तक गोल बरकरार नहीं रख पाने के लिये आलोचना झेल रही है। भारत ने टूर्नामेंट में 14 गोल किये और 16 गंवाये। विश्व कप में सातवां स्थान हासिल करने के अलावा भारत को अगले महीने होने वाले एशियाई खेलों से पहले मजबूत प्रतिद्वंद्वी को हराकर अपना खेया आत्मविश्वास भी हासिल करना होगा।

भारत को पेनल्टी कॉर्नर में लानी होगी विविधता

भारत को पेनल्टी कॉर्नर में भी विविधता लानी होगी चूँकि कप्तान हरमनप्रीत पर अत्यधिक निर्भरता भारी पड़ रही है। मिडफील्ड में मनप्रीत सिंह और हार्दिक सिंह को अपने अनुभव का इस्तेमाल करना होगा जो अभी तक नजर नहीं आया है। पेरिस ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड के खिलाफ भी 40 मिनट तक उम्दा खेल दिखाने के बाद भारत ने आखिरी बीस मिनट में तीन गोल गंवाये और 1-3 से पराजय का सामना करना पड़ा। पूल चरण में भारत ने पाकिस्तान को 5-3 से और वेल्स को 3-1 से हराया था लेकिन इंग्लैंड से 4-2 से हार गया था।

बेल्जियम में गलतियों की गुंजाइश नहीं : कोच

भारतीय टीम के मुख्य कोच केन फुल्टन का मानना है कि बेल्जियम के खिलाफ गलतियों की गुंजाइश नहीं होगी और उनकी टीम को सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा। उन्होंने कहा, " मैं अपनी टीम की बात करूँ तो हम जीत के साथ टूर्नामेंट से विदा लेने की कोशिश करेंगे। हमारा काम अभी पूरा नहीं हुआ है और हमें अच्छा प्रदर्शन करना ही होगा। हमें डिफेंस में सुधार की जरूरत है जिसके आधार पर आगे अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे।

बेल्जियम का हौसला भी बुलंदी पर है

दूसरी ओर पहले चरण में दो मैच जीतने और एक हारने के बाद बेल्जियम ने दूसरे चरण में आस्ट्रेलिया और स्पेन से ड्रां खेले जिससे अपने देश में खिताब जीतने का उसका सपना टूट गया । बेल्जियम ने प्रो लीग के पिछले सत्र में भारत की फरवरी में राउरकेला में 4-2 और 3-1 से हराया था। बेल्जियम के टीम बूज 19 गोल करके प्रो लीग के इस सत्र में सर्वाधिक गोल करने वाले दूसरे खिलाड़ी रहे और इस विश्व कप में भी पांच गोल कर चुके हैं । वहीं उनके साथी पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ अलेक्जेंडर हेंडरिक्स ने प्रो लीग में 15 गोल दागे थे।

अमेरिकी ओपन

मुचोवा-मैसिक ने जीत मिश्रित युगल खिताब



एजेसी ►► न्यूयॉर्क

कैरोलिन मुचोवा और याकुब मैसिक ने बेलंडा बेनसिच और फ्लावियो कोबोली को 6-3, 1-6, 10-6 से हराकर अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट का मिश्रित युगल का खिताब जीत लिया।

चेक गणराज्य की जोड़ी ने दो दिन की इस प्रतियोगिता के दूसरे दिन दोनों मुकाबले मैच टाईब्रेक में जीते। मैसिक की तेज सर्विस और नेट पर शानदार खेल ने इस जोड़ी की जीत में अहम भूमिका निभाई। मैसिक ने ऐसे के साथ फाइनल का अंत किया। इस जोड़ी को 10 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि मिली। सेमीफाइनल में भी मुचोवा और मैसिक हार के करीब पहुंच गए थे

लेकिन दो मैच प्वाइंट बचाने के बाद उन्होंने लगातार चार अंक जीतकर मीरा आंद्रीवा और आंद्रे रुबलेव को 5-4, 3-5, 11-9 से शिकस्त दी। बेनसिच और कोबोली ने पहले सेमीफाइनल में एलिना स्वितोलिना और गेल मोनफिल्स की पति-पत्नी की जोड़ी को 4-5, 4-1, 10-5 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

इस प्रारूप से खेला गया फाइनल टूर्नामेंट

फाइनल टूर्नामेंट का एकमात्र मुकाबला था जो सामान्य टेनिस मैच जैसा खेला गया। इसमें सेट छह गेम के थे और छह-छह की बराबरी पर टाईब्रेक हुआ। शुरुआती तीन दौर में सेट चार गेम के थे और चार-चार की बराबरी पर टाईब्रेक खेला गया था

प्रेम एक का धेष...

शिव के सम्मुख...

उनके साथ देवताड़ा जाकर भी दंतेश्वरी की पूजा में सहभागिता होने का अवसर भी मिला। यात्रा के दौरान उनसे बातचीत का पर्याप्त अवसर मिला। परस्पर चर्चा के दौरान ही उन्होंने आत्मीय भाव से श्रावण मास में हरिद्वार आने और महादेव की आराधना का साक्षी बनने का आदेश दिया। समग्न रहे कि संत की सलाह या आग्रह आदेश के रूप में स्वीकार करना ही श्रेयस्कर होता है। उनकी कठोर साधना के बाद में पहले से सुन रखा था, लेकिन प्रत्यक्ष अनुभव की बात अलग ही होती है।

कैलाशानंद जी से बातचीत में जब पूछा कि वे श्रावण मास की यह साधना हरिद्वार में ही क्यों करते हैं, तो उनका उत्तर भी अपने आप में उनकी साधना की लिए समझने वाला था। उन्होंने बताया कि यूं तो महादेव कैलाशवासी हैं, लेकिन उनकी मान्यता है कि श्रावण मास में भगवान शिव हरिद्वार के कनखल क्षेत्र में निवास करते हैं। एक मास के लिए महादेव का निवास कनखल में होता है, इसलिए उन्होंने भी अपनी इस विशेष साधना के लिए हरिद्वार को चुना है। उनके लिए यह केवल साधना के लिए सुविधाजनक स्थान का चयन नहीं है, बल्कि उस आध्यात्मिक मान्यता से जुड़ा हुआ है कि जिस अवधि में महादेव स्वयं कनखल में विराजित हैं, उस अवधि मेंआराध्य के लिए सुविधाजनक स्थान आराधना करना अधिक सार्थक है। वही कारण है कि श्रावण आते ही उनकी साधना का केंद्र हरिद्वार बन जाता है और कैलाशेश्वर महादेव के सम्मुख आना एक मात्र का तप शुरू होता है।

30 जुलाई को श्रावण मास का आरंभ हुआ और सुबह करीब छह बजे गंगा स्नान के बाद कैलाशानंद जी कोलिका पीठ स्थित कैलाशेश्वर महादेव के सम्मुख अपने आसन पर बैठ गए। यह मंदिर चारों ओर से खुला हुआ है और श्रद्धालु बेरोकटोक कभी दर्शन के लिए यहां आ सकते हैं। पूजा-अर्चना का क्रम शुरू हुआ, सहयोग के लिए पंडित और संन्यासी बारी-बारी से उपस्थित होते रहते। यहां भजन है, मंत्रोच्चार है, स्तुति है, आरती है। पूरा वातावरण भक्ति भाव से परिपूर्ण है। श्रद्धालु निरंतर आते-जाते रहते हैं लेकिन कैलाशानंद जी अपने आसन पर एक ही मुद्रा में निरंतर बैठे हुए हैं। सुबह छह बजे जिस आसन पर बैठे, रात 11 बजकर 20 मिनट तक उसी आसन पर वैसी ही मुद्रा में बैठे रहे। न पर बदला, न किसी बिरा क्रिया के लिए उठे और अन्न-फल तो दूर जल तक का सेवन भी नहीं किया। रात 11:20 पर उठे तो लंबे समय तक एक ही मुद्रा में बैठे रहने से परे अकड़ चुके थे। सहयोगियों के सहारे से ही वह उठ सके।इसके बाद वे फिर गंगा स्नान के लिए गए। लगभग आधे घंटे तक गंगा में रहे, लौटकर वस्त्र बदले और करीब साढ़े 12 बजे फिर महादेव के सम्मुख उसी आसन पर बैठ गए। इसके बाद पूजा, अभिषेक और स्तुति का सिलसिला फिर शुरू हो गया जो सुबह पांच बजे तक चलता रहा। गंगा स्नान आदि के बाद छह बजे से देवोपजना का क्रम शुरू। यह किसी एक दिन की बात नहीं थी, 30 जुलाई से शुरू हुआ यह क्रम लगातार जारी है। आज शंकाबंधन पर श्रावण मास की समाप्ति के साथ यह साधना पूरी होगी।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की समाप्ति के बाद जब इस साधना का हरिद्वार में साक्षी बनने का सौभाग्य मिला तब तक इस सिलसिले को तीन हफ्ते होने को थे। इतने लंबे समय से बिना आहार और नींद लिए कैलाशानंद जी पूरे मनोयोग से शिव सेवा में सन्नद्ध थे। जिस भक्ति और भाव

से प्रभु सत्ता में ऊर्जा के साथ वह लीन थे, उसे शब्दों में व्यक्त रना बेहद कठिन है।

समाज में हम अक्सर सुनते हैं कि हठयोगी वर्षों के अभ्यास से शरीर को इस तरह 'साध लेते हैं कि वह सामान्य मनुष्य की सीमाओं से आगे जाकर कठिन साधना कर सकें। लेकिन कैलाशानंद जी के संदर्भ में सबसे अधिक हेतुत में डालने वाली बात यह है कि वे वर्ष भर किसी एकान्त साधना में रहने वाले हठयोगी की तरह जीवन नहीं जीते। वे सामान्य सामाजिक जीवन में सक्रिय रहते हैं, यात्राएं करते हैं, लोगों से मिलते हैं और धार्मिक गतिविधियों में भाग लेते हैं। फिर श्रावण आता है और वही शरीर ऐसी तपस्या करने लगता है जिसकी कल्पना करना कठिन है। तीन-तीन घंटे, पांच-पांच घंटे तक लगातार कलाश से महादेव की जल अर्पित करते हुए मैं उन्हें स्वयं देखा है। जिस गति और एकाग्रता से उनका हाथ चलता रहता है, उसमें थकावत का



अद्भुत... आराध्य के अभिषेक का साक्षी बनने नंदी का आगमन

"यह दृश्य अपने आप में अद्भुत और भावविभोर कर देने वाला होता है-जब एक ओर महादेव का अभिषेक चल रहा हो और उसी क्षण अनामक नंदी का पूजा स्थल पर आगमन हो जाए। जिस सहज भाव से नंदी वहां आते हैं, कुछ क्षण ठहरते हैं और फिर महादेव के साक्षी बनने वाले आए हों। यह दृश्य श्रद्धालुओं के मन को भीतर तक छू जाता है। ऐसा लगता है मानो नंदी स्वयं अपने आराध्य महादेव के अभिषेक के साक्षी बनने वाले आए हों। उस क्षण वातावरण में आस्था और भक्ति का जो भाव पैदा होता है, उसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन होता है।"

कोई संकेत दिखाई नहीं देता। लगभग तीन-साढ़े तीन किलो के चौंटी के कलश में पंद्रह लीटर पानी भरकर वह एक ही हाथ से हजारों कलश जल महादेव पर अर्पित कर देते हैं। उस समय उनका जूतून देखने लायक होता है। लगातार अभिषेक करना और लंबे समय तक उसी मुद्रा में बैठे रहना बताता है कि वर्षों के अभ्यास ने उनके शरीर और मन को किस स्तर तक अनुशासित किया होगा। कैलाशानंद जी बताते हैं कि लगभग अड़तीस वर्षों से वे इस प्रकार की

साधना करते आ रहे हैं। इतनी कठोर साधना के पीछे कितना अग्र्यास, कितना संकल्प और कितना आलंबाल है, इसका अनुमान प्रत्यक्ष देखकर ही लगाया जा सकता है और आस्था रखने वाला व्यक्ति इसे इश्वर की कृपा से भी जोड़कर देख सकता है।

कैलाशानंद जी की साधना में केवल कठोराता नहीं, एक स्पष्ट दर्शन भी दिखाई देता है। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा था 'देवत्व को पाने के लिए स्वयं को देवत्व में ढालना होता है।' उनकी साधना को देखने के बाद यह वाक्य केवल उपदेश नहीं लगता, बल्कि उनके जीवन में उतरता हुआ दिखाई देता है। महादेव का अभिषेक केवल जल से नहीं होता; गन्ने के रस, दूध, विशिष्ट इत्र, गुड़फल के फूल से निकले तेल, नाना प्रकार के पुष्प और फल से भी अभिषेक होता है। वे कहते हैं कि भगवान की पूजा उस वस्तु से होनी चाहिए जो उसके सामर्थ्य में जो सर्वोत्तम है, उससे होना चाहिए। उनकी पूजा में इस विचार का प्रत्यक्ष रूप दिखाई देता है। अपंग में कुपतात नहीं, बल्कि पूरी उन्नतात दिखाई देती है। महादेव को भक्ति भाति के पुष्प और रत्नाक्ष की मालाएं चढ़ाने के बाद वे वही मालाएं बीस-तीस मीटर दूर बैठे श्रद्धालुओं की ओर उछाल देते हैं जो सीधे भक्त के गले में जाकर ही ठहरती हैं। मंदिर के गर्भ-गृह में ऊंचाई पर चारों ओर देव प्रतिमाएं स्थापित हैं। पूजा के दौरान कैलाशानंद जी अपने आसन से उठे बिना माला उछालते हैं और माला जाकर प्रतिमा के गले में ठहर जाती हैं। यह चमत्कार नहीं है लेकिन साधक के द्वारा वर्षों के अभ्यास से विकसित असाधारण नियंत्रण तो है ही। प्रत्यक्ष अनुभव यह अहसास कराता है कि उन्होंने अपने शरीर, दृष्टि, हाथ और एकाग्रता को असाधारण स्तर तक साधा है।

कैलाशानंद जी की साधना का एक और विशिष्ट पक्ष है—शिव और शक्ति की समान भाव से आराधना। श्रावण में वे महादेव की साधना करते हैं तो नवरात्रि में शक्ति की उपासना में स्वयं को उसी कठोराता से समर्पित कर देते हैं। हालांकि अभी भी महादेव की अर्चना के साथ वह बराबरी से देवी का अर्चन करते हैं। प्रतीति की तत्करीबन एक पीढ़ी ऊंची आस्ट्रिया धारी देवी प्रतिमा उनके बाएं हाथ पर विराजमान हैं, जिसका वह बराबरी से पूजन अर्चन करते रहते हैं। श्रावण की साधना जल के बीच होती है, जबकि नवरात्रि में हवन और यज्ञ की अर्चना के बीच, एक ओर शरीर लगातार जल से भीगता है, दूसरी ओर अग्नि की तपिश में तपता है। एक ओर जल का शीतल स्पर्श है तो दूसरी ओर अग्नि का ताप, लेकिन साधना का भाव दोनों जगह एक ही है और वह है। पूर्ण समर्पण। भारतीय दर्शन में शिव और शक्ति को अलग-अलग करके देखना भी संभव नहीं है, शिव वेतना है तो शक्ति उस वेतना की क्रियाशीलता। शिव तत्व है तो शक्ति उसकी अभिव्यक्ति। इसलिए उनके लिए श्रावण और नवरात्रि दो अलग पर्व भर नहीं, साधना के दो अलग आयाम हैं। पूरे समग्र सामान्य बातचीत से उनका लगभग विरत रहना भी ध्यान आकर्षित करता है, वे तभी बोलते हैं जब शिव स्तुति के श्लोकों का पाठ करना हो या पूजा में सहयोग कर रहे संन्यासियों को कोई निर्देश देना हो। बाकी समय वे मौन रहते हैं और महादेव के सम्मुख उसी भाव में लीन दिखाई देते हैं।

श्रावण मास में हम सब महादेव के दर्शन करने और शिवलिंग पर जल अर्पित करने के लिए आतुर रहते हैं। कुछ मिनट मंदिर में खड़े होकर हम स्वयं को धन्य मानते हैं, लेकिन एक भक्त जिस भाव से अपने आराध्य की स्तुति में स्वयं को समर्पित कर देता है, उसकी साधना का साक्षी होना बिल्कुल अलग अनुभव है। भारतीय परंपरा में भक्त

और भगवान के संबंधों की कथाएं बहुत बड़ी हैं—ध्रुव, प्रह्लाद, मीरा और हनुमान की भक्ति हमने पढ़ी और सुनी है, लेकिन किसी साधक को अपने आराध्य में इस तरह लीन होते हुए प्रत्यक्ष देखना उन कथाओं को वर्तमान में जीवंत होते देखने जैसा अनुभव देता है। कैलाशानंद जी इस साधना से कौन-सी सिद्धि प्राप्त करने के आकांक्षी है, इसकी जानकारी तो नहीं है लेकिन यह साधना ही अपने आप में किसी भक्तकार से कम नहीं है। जब वह महादेव की आराधना में पूरी तरह लीन होते हैं तो कुछ क्षण ऐसे आते हैं जब भक्त और भगवान के बीच का अंतर जैसे धुंधला पड़ जाता है। उस समय उनका स्वरूप शिवस्वयं प्रतीत होता है और उस अवस्था का साक्षी होना अपने आप में रोमांचित कर देने वाला अनुभव है। यदि जीवन में कभी अवसर मिले तो इस साधना का साक्षी बनने की कोशिश हम सभी को जरूर करनी चाहिए।

मंदिर में जाकर शिवलिंग के दर्शन करना एक अनुभव है, लेकिन किसी भक्त को अपने भगवान में पूरी तरह लीन होते हुए देखना अलग ही अनुभव है। पहला हमें भगवान के सामने ले जाता है और दूसरा हमें भक्त और भगवान के उस संबंध की अनुभूति कराता है, जिसकी कथाएं हम सदियों से सुनते आए हैं। हरिद्वार से लौटे एक सप्ताह बीत गया है लेकिन कैलाशेश्वर महादेव के सम्मुख अपने आसन पर बैठे कैलाशानंद जी का वह दृश्य अब भी स्मृति में स्पष्ट है। दरअसल कुछ अनुभव ऐसे ही होते हैं जिनकी अनुभूति कभी समाप्त नहीं होती। वह हमारे भीतर कहीं गहरे जाकर रज बस जाती हैं।

18 सितंबर से शुरू होगी एकदिवसीय श्रृंखला

दिग्गज बैटर द्रविड़ और सहवाग के बेटे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की अंडर-19 वनडे टीम में शामिल

एजेसी ►► नई दिल्ली

दिग्गज बल्लेबाज राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग के बेटों क्रमशः अन्वय और आर्यवीर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 18 सितंबर से होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला के लिए भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड की चयन समिति ने तीन एकदिवसीय और दो मल्टी डे मुकाबलों के लिए अलग-अलग टीम का चयन किया है।



लक्ष्य रायचंदानी एकदिवसीय टीम की कप्तानी करेंगे जबकि यशवर्धन सिंह चौहान को लंबे प्रारूप के मुकाबलों के लिए कप्तान बनाया गया है। अन्वय और आर्यवीर दोनों को केवल एकदिवसीय टीम में जगह मिली है। तीनों एकदिवसीय और पहला मल्टी डे मैच राजकोट में खेला जाएगा, जबकि दूसरा बहुदिवसीय मुकाबला अहमदाबाद में होगा।

न्यायालय अपर समाहर्ता, (लो0शि0नि0) गोपालगंज											
आम-सूचना											
सर्व सघाघार को सुचित किया जाता है कि निम्नांकित कॉलम-08 / 09 / 10 में अंकित बिहार मद्यनिशेध और उत्पाद अधिनियम के तहत जप्त वाहन के अधिग्रहण की कार्यवाही अघोहतासहरी के न्यायालय में चल रही है लेकिन कुछ वाहन मालिक का नाम, पता प्राप्त नहीं हो सका है एवं कुछ संबंधित वाहन मालिक अबतक इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा प्रस्तुत नहीं किये है तथा कुछ मामले में दावा प्रस्तुत करने के उपरान्त अधिरोपित शारित जन्म नहीं किया गया है ।											
SL NO.	CASE NO.	DM CASE NO.	THANA	LTR NO	NAME AND ADDRESS	THANA/ CASE NO	REGISTRATI ON NO	CHASIS NO	ENGINE NO	VEHICLE TYPE	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	
1	51/2026	506/2026	जायोनुर	789 / मिथि दिनांक 18.04. 2026	राहुल कुमार सिंह, मिना- भी वन्दनभुष मिश्र, साठ- सैमाच रोड, मध्यप्रदेश	जायोनुर बाना कांड संठ- 07 /2026	MP 04CA 7870	MA3YE41S 00176823	G138BN307697	मार्सुती सुजुकी कार	
अतः समाचार पत्र के माध्यम से उक्त जप्त वाहन मालिक को सुचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के 15 दिनों के अन्दर अघोहतासहरी के न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर लिखित रूप से कारण बतावें कि क्यों नहीं कॉलम-08 / 09 / 10 में अंकित जप्त वाहन को राखसात कर लिया जाए। निम्नांकित तिथि- 14.09.2026 तक पक्ष प्रस्तुत नहीं करने पर यह माना जायेगा कि संबंधित मालिक को इस संबंध में कुछ नहीं कहना है और तदनुसार अभिलेख में उपलब्ध कागज के आधार पर आदेश पारित किया जायेगा। यदि सूची में उल्लेखित वाहन पर किसी अन्य व्यक्ति का दावा बनता हो तो वैसे व्यक्ति भी ससमय न्यायालय में उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपना पक्ष रख सकते है।											
PR- 010596 (District) 2026-27 उक्ता सूचना state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।											
नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।						अपर समाहर्ता (लो0शि0नि0) गोपालगंज					

New

Dr. Juneja's

Roop Mantra

Ayurvedic Face Cream & Face Washes

Goodness of

12 herbs

for Skin care



रूप मंत्रा आयुर्वेदिक क्रीम में मौजूद ऐलोवेरा, तुलसी, द्राक्षा, हरिद्रा, चंदन, बादाम इत्यादि जड़ी बूटियाँ चेहरे पर नमी सुरक्षित रख एक ट्रीटमेंट की तरह कार्य करती हैं। इसके पोषक एवं एंटी-ऑक्सीडेंट गुण चेहरे की त्वचा को युवा रखने में सहायता करते हैं। यह रूखी/ बेजान त्वचा, झुर्रियों, आंखों के नीचे काले घेरे, खिंचाव के निशान इत्यादि के प्रबंधन में विशेष सहायक है।

24x7 Helpline: 87259 66666 • www.roopmantra.com
Available at all medical & general stores

Clinically Tested*

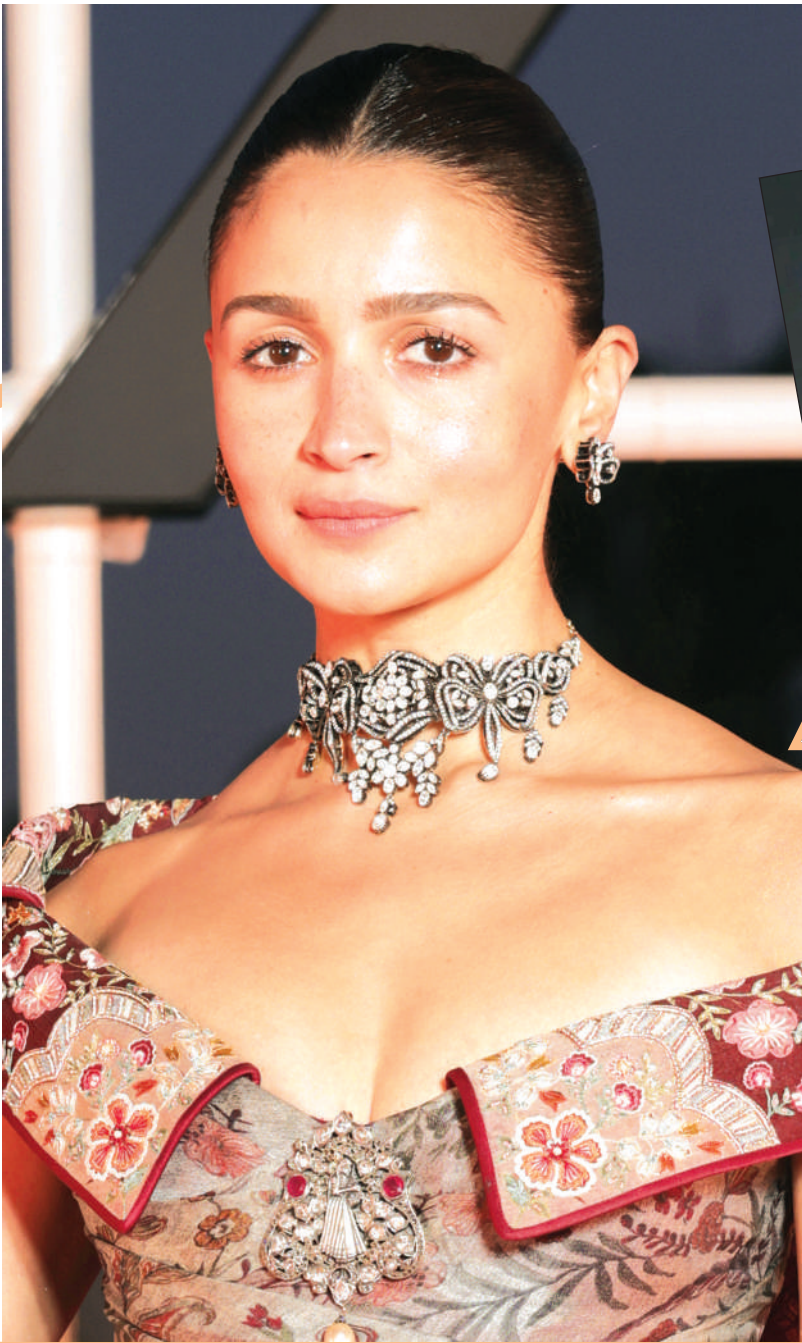
*For efficacy and safety





नई दिल्ली। विजय देवरकोंडा की अपकॉमिंग पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म 'रागणालोक' का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। अभिनेता ने 27 अगस्त को इसे शेयर करते हुए मूवी की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी। इससे एकजान और रश्मिका के फैस काफ़ी एक्साइट्रेड हैं। पोस्टर में विजय काफ़ी दमदार लुक में नजर आ रहे हैं। उनकी सॉलिड मुँह लुक में एक नयाना जोड़ रही है। यह लुक फिल्म के 19वीं सदी के परिवेश से मेल खाता है। ट्विटर पर पोस्टर शेयर करते हुए विजय ने लिखा, '16 अक्टूबर को। दुनिया भर के सिनेमाघरों में। रागनाबाली।' यह फिल्म पैर डेंडिया रिलीज होगा और कई भाषाओं में उपलब्ध होगी।

आ रहे हैं। उनकी सॉलिड मुँछें लुक में एक नयापन जोड़ रही हैं। यह लुक फिल्म के 19वीं सदी के परिवेश से मेल खाता है। दिग्दर्शक पर पोस्टर शेयर करते हुए विजय ने लिखा, '16 अक्टूबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में। रानाबाली।' यह फिल्म पैन् इंडिया रिलीज होगा और कई भाषाओं में उपलब्ध होगी।



हॉलीवुड मसाला

विलेन के किरदारों से
बनाई पहचान

नई दिल्ली। हॉलीवुड हंडस्ट्री से एक बड़ा खबर सामने आ रही है। द रॉकी हॉरर पिक्चर शो ने फैंस फ्रेंक फायर का किरदार से फैंस के दिलों में खास जगह बनाते वाले अमिताभ और सिगरिटा टिम का 80 को उम्र में निधन हो गया है। अमिताभ ने अधिकतर फिल्मों में विलेन के किरदार अदा किए। फिल्मों के साथ-साथ टिम की ने थिएटर और टेलीविजन पर भी काफी काम किया। उन्हें अपने लंबे करियर में तीन बार टोनी अवार्ड्स के नामिनेशन मिले। टिम की को आखिरी फिल्म साल 2025 में 'स्ट्रेंज जर्नी: द स्टोरी ऑफ रॉकी हॉरर रिलीज हुई थी।



प्रियंका की रीसेट से ओरलैंडो ने बनाई दूरी

लॉस एंजिल्स। प्रियंका कोचपड़ा और
हॉलीवुड एक्टर अरुंधती ब्यूम् को साथ
देखने का फैसला कर ईश्वरराज अब शांति
लंबा हो सकता है। फिल्म को लेकर बड़ा
अपेक्षे सामने आ रहा है। प्रियंका कोचपड़ा
और अरुंधती ब्यूम् की अपकमिंग फिल्म
‘रीसेट’ को एक बड़ा अपेक्षे सामने
आया है। निपेटर्स के मुताबिक, अरुंधती
ब्यूम् ने शूटिंग शुरू होने से कुछ दिनों
पहले ही इस फिल्म से दूरी बना ली है। एक्टर
निपेटर्स के अनुसार, अरुंधती ब्यूम्
सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म में प्रियंका कोचपड़ा
के साथ एक्टिंग करने के साथ-साथ
को-प्रोड्यूसर भी करने वाले हैं।



सिनेमाघरों में
रिलीज के बाद
अब दर्शक इस
प्रकार से भरपूर
स्पाई थ्रिलर को
घर बैठे देख
सकेंगे। यह
फिल्म वीआरएफ
ई यूनिवर्स की
पहली महिला-
निर्देशित फिल्म है,
जिसमें अलिया
और शरवरी
वहली बार साथ
नजर आई हैं।

ओटीटी पर आज रिलीज होगी अल्फा

एजेन्सी ▶▶ मुंबई

शिव रवेल के निर्देशन में बनी अलका 3 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में दोनों एक्ट्रेस स्पाई का किस्सा दर्शाती हैं और एक खतरनाक मिशन का हिस्सा बनती हैं। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का प्रदर्शन बहुत खास नहीं रहा और इसे कहानी को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। नेटफ्लिक्स ने गुरुवार को फिल्म की ओटीटी रिलीज का ऐलान किया। अलका 28 अगस्त को पोस्टर शेयर कर स्ट्रीम होगी। नेटफ्लिक्स ने सोशल मीडिया पर फिल्म को नेटफ्लिक्स शेर कर देखा, 'अलका' में शामिल होने के लिए तैयार हो जाइए।

फिल्म की कहानी वीआरएफ स्पाई यूनिक्स से जुड़ी हुई है। इसमें आलिया भट्ट आरएंडएडडब्ल्यू प्लेजेंट सीता के किरदार में हैं। सीता एक बेबंद काबिल एजेंट है, जिसे आगे चलकर अल्फा सोल्जर बनाते हैं। दोनों की ट्रेनिंग दी जाती है। वहीं, शरवरी फिल्म में कुंदन कोकाल का किरदार निभा रही हैं, जो सीता की अलग रह रही जुड़वा बहन है। दोनों की जिंदगी एक खतरनाक मिशन के दौरान आपस में जुड़ती है। फिल्म में बांबी देसील विलेन कर्नल फतेह सिंह लखावत के रोल में नजर आते हैं। उसका एक शक्तिशाली सीरम 'अल्फा' से जुड़ा प्रयोग कहानी को आगे बढ़ाता है।



Hero

HF-Deluxe

**बाइक दमदार
दाम शानदार**

ऑनरोड कीमत **₹71 999/-**
(सेल्फ-स्टार्ट)

कम डाउन पेमेंट | ₹5999/-[^]
Hero GoodLife

चांदी का सिक्का जीतने का मौका*
pine labs कैशबैक ₹5000/- तक[#]
टोल फ्री 1800 266 0018


Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Neilson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi-110070, India. ICIN: L35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com.
 Accessories and features shown may not be part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. *Finance offers are at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs. *Offer valid only on purchase of new Hero Two Wheeler & Hero GoodLife Enrollment on the corresponding purchase till 31st Aug. 2026. #The Cashback of 5% upto ₹5000 is applicable on the transaction between ₹30 000 to ₹1 00 000. The new revised ex-showroom price is valid for a limited period only. Hero MotoCorp reserves the right to modify or withdraw any of all offers with/without prior notice. ~Onroad price of HF Deluxe Self start variant applicable in Madhya Pradesh. *Terms & Conditions apply.